

Виктор Иванович Григорович
(1815—1876)

Собрание рукописных книг

БИБЛИОГРАФИЧЕСКАЯ ИНФОРМАЦИЯ

РУКОПИСЬ ХРАНИТСЯ В
РОССИЙСКОЙ ГОСУДАРСТВЕННОЙ БИБЛИОТЕКЕ.
НАУЧНО-ИССЛЕДОВАТЕЛЬСКИЙ ОТДЕЛ РУКОПИСЕЙ

АВТОР	
ЗАГЛАВИЕ	Сборник житий святых
РУБРИКА	Собрание рукописей В.И. Григоровича (VIII-IX – XIX вв.) Рукописи на иностранных языках
ДАТА	XIV–XV вв.
МЕСТО	
КОЛ-ВО ЛИСТОВ	48 л. (I-II + 46)
ШИФР РУКОПИСИ	87-61
ФОНД №	87
КАРТОН №	
ЕД. ХР. №	61
ПРИМЕЧАНИЯ	На греч. яз. Скоропись. В лист. Охрида. Ранее рукопись находилась в Иностранной части Музейного собрания под № Ин. 818 (греч. 113). Содерж.: Л. 1: Без начала и заглавия, апокрифическое сказание об Успении Божией Матери и о чудесном явлении к этому событию апостолов. Л. 10: Блж. Феофилакта Болгарского житие свт. Климента, еп. Болгарского. По изд. Миня, см: PG, 126, 1193. О других изданиях см.: О.М. Бодянский. О времени происхождения славянских письмен,

	примеч. 5; А.Д. Воронов. Кирилл и Мефодий. Киев, 1877, 109. По отзыву В.И. Григоровича, настоящий список против печатных изданий включает некоторые варианты, см.: Древнеславянские памятники. Казань, 1862, с. 23, примеч. 1.; В.И. Григорович. "Очерк [ученого] путешествия по европейской Турции", с. 185. Л. 33 об.: Житие свт. Николая Мирликийского. То же, что описано у Ламбеция, VIII, 800. См.: Fabric. V, 702 и X, 298
--	---

Электронная копия: МОСКОВСКАЯ ПРАВОСЛАВНАЯ
ДУХОВНАЯ АКАДЕМИЯ - 2017 г.

818

113.

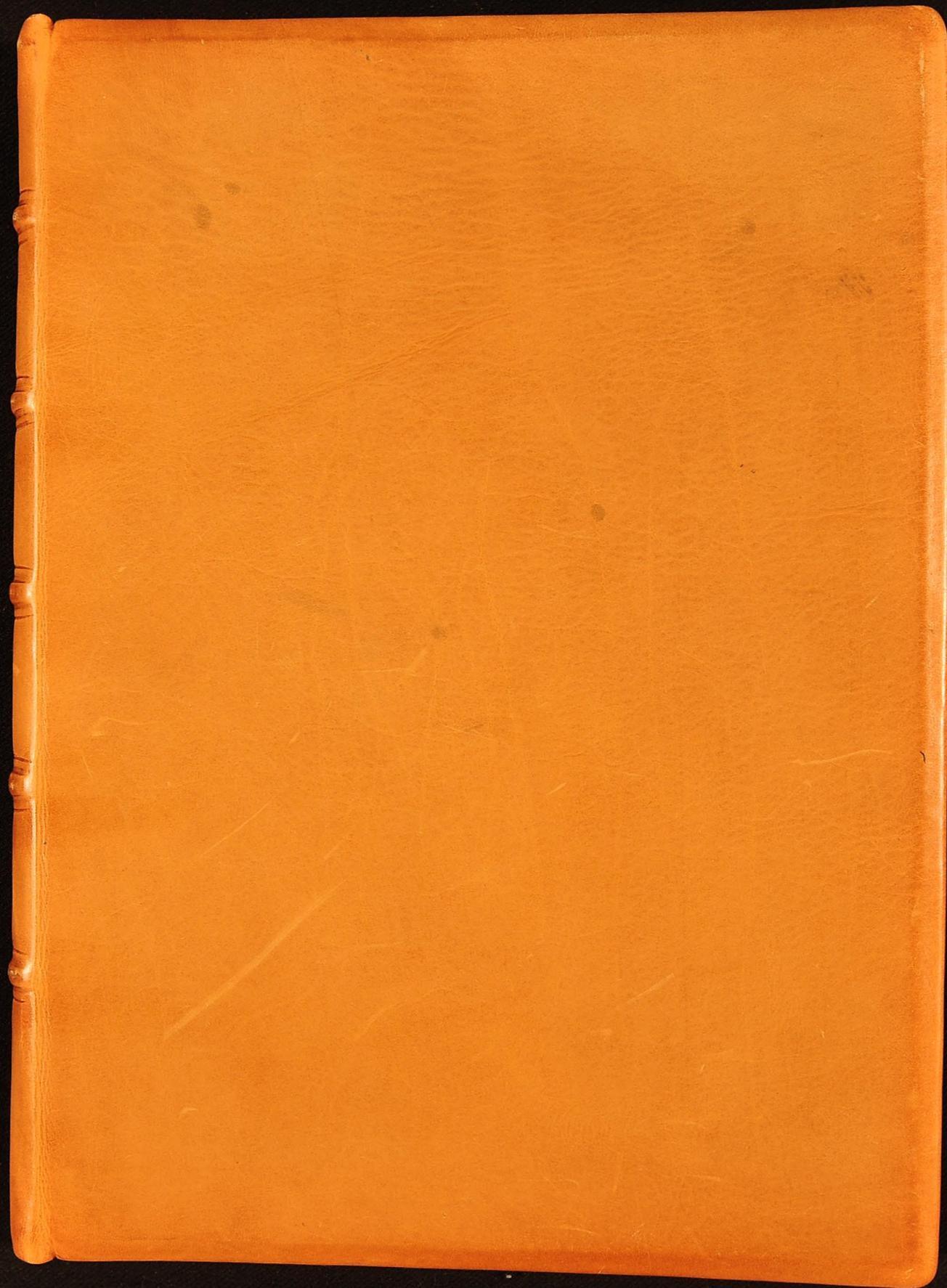
Всего 45 л.
+ 1 л.

46 л.
18 марта 1916 г.



Ф. 87

к. 61



Грег. 113

Сборник ~~житий~~ житий

ок. 1330-1380 гг.

л. л. форзацы + 46 + форзацы

28,5 x 20

Скорость, 2, 3, 4
столбца.

Бумага

Греческий язык

Ркп. не имеет ни начала, ни конца. Она начинается с какого-то богословского соч. Нап. [ου]ράνιος νεφτός μετά θεοφύτορος

л. 11. Житие Климента, епископа Болгарии, составленное Феодором Болгарским. Нап. Δεύτε τέκνα, ἀκούσατέ μου... Изд. у Мине Ратиф. др. 126. 1193

л. 34 об. Житие Николая, епископа Мирликийского. Нап. Εὐλοχῆτος Χ(ριστ)ὸς ὁ θε(ός)ς ἡμῶν...

VIII-XIII

Возм. : 1 колокол в кругу, Визмет и восток.

2 два круга - фингранс XIV в. Визмет 3157 см.

Более точные данные для датировки дает расположение веревочек : широкое расстояние между ними свидетельствует, что бумага относится к ок. 1330-1380 гг.

В конце ркп - фрагменты м. л. (л. 46).

Ркп. плохой сохранности, имеет следы огня. Листы начинаются с 34-го прописания иеисвос в нижнем углу. Первые листы обожжены, выгорели.

Первый форзац и л. 1 - позднейшие. На л. 1 - пометки.

о некоторых греческих изданиях

Первый картонный, в мадри. Карешок порван, ~~от тетради~~ от тетради.

№ 818

л. V. 46

Андрей Иван Петрович Ан ссф
Академия

Житие святителя Николая Чудотворца.
Сборник житий святых.

1330-1380 гг. Греческий язык. Охрид.

1° (28,4 x 20,3). Ф. 87. № 61.

Запись Григоровича на л. 34 об.: "Весь этот кусок из митрополичьей церкви св. Климента, что прежде называлась Панагия в Охриде, 1845 г. 10 мая".

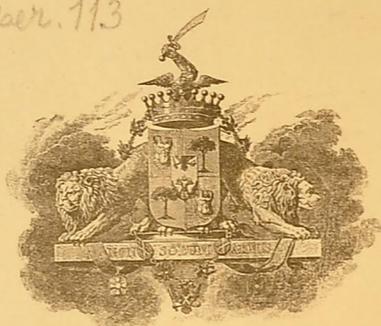
Отдел рукописей РГБ



ф87 №61



Узел. 113



Московского Публичнаго
и Румянцовскаго Музеевъ

№ 818.

Узостраи.

ф. 87 № 62

(3)



1877 г.

Удк собр. Цуропольска.

Лист № 818.

37

Vaticanus codex Vat. Lat. Clem. 51
n. 1409 fol. 348 p. 219?

- 1 Clamens 916
- 2 Kumbanloms 926
- 3 Theophylact 963

20
10

Petrus Siculus 8 20 - ∞

923
925 - 60 s. Cimon p. 868 q. 924

12 -
16
16 a - fragoris
18 - Augustus Populi

Georgii aucto Apolliniano 38. γαλλοῦ ἀναρτα ---
Venedis, MDCCXXIII. vltor. Fenelli

T. III. - de martyris LV. Martyrum Siberis poli, imper ante Juliano
apostata. - LV. vorum enimvero haud mediocriter illius decesset proficium,
si vel de geminis ejusdem auctore, vel de historiae, quam continet, veritate
fieri ambigi possit. At neutrum, ut mihi quidem videtur, in dubium quis
revertatur. - Vita ipsa p. 474. n. 47

Epistolar 559 p., 631. p. 709. p. de Episcopis Bulgariae in Epist. 13. p. 721.
Episcopus Ghabonitza ep. 32. p. 788.

p. 663. ep. 27. - Michaeli Chaledonis episcopi - τὸ γὰρ ἐν Βουλγαρίᾳ
πρεσβὴς τῆς Κωνσταντινουπόλεως πατριάρχῃ, πρὶν ἐκείνου
ἐν αὐτῇ δικαστῆ ἔχει, φησὶν (τῇ ἐκκλησίᾳ τῆς Βουλγαρίας) ἐστὶν ἀρχιεπί-
σκοπος ἀνοικίτατος, πρὶν ἐκείνου ἐκ διαξαρίας, κατὰ τὰς ἐκείνου
ἐκ Βουλγαρίᾳ natura. p. 678. ep. 712.

710. p. Ep. 1. τῇ ἐκκλησίᾳ Κωνσταντίας - καὶ ἐκείνου ἐστὶν ἐν
Βουλγαρίᾳ ἀρχιεπίσκοπος Κωνσταντινουπόλεως ἐκείνου Βουλ-
γαρίᾳ - ἀνοικίτατος Βουλγαρίας.

ε'αφ'ιοσ ρ'ιφ'ιοσ με'αυ
θ'ο μη ποροσ πα'αδοσ,
θ'η τ'ω ρ'α'ω πα'αρι'ν'θ'αι.
θ'η ρ'α'τ'ε'σ ι'λ'η με'β'ε'θ'
θ'ω με'ρ' ε'σ'α'π'α'ν'τι'σ'ι'ν
α'υ'το'υ'· τ'α'σ' λα'μ'πα'δα'σ
φ'αι'λε'ω'σ' τ'ω' φ'ω'τι' τ'ω
λ'η'θ'ι'ρ'ω' β'ε'α'ρ'α'τ'η'ν.
το'ι'σ' χ'ι'τ'ω'ρ'α'σ' τ'ω'ν' ψ'υ
χ'ω'ν' τ'ω'ν' ρ'ι'φ'ι'ω' χ'ω' α'π'ε
π'η'σο' με'ν· με'α'σ'ι'ων
ο'ι' τ'ω'ν' ε'θ'η'ν' λα'ο'ι' φ'ω'το
φ'ο'ρο'ω'τ'ω'· πα'ρ'η'σο
με'ν' τ'ω'ρ'α'σ'· θ'η' τ'ω'ρ'α'σ'
και' θ'ω' και' χ'ω'σ'ι'ω' β'ε'θ'ω
με'ν· με'α' σ'υ'β'λ'ω'ν'· το'ν
τ'ω'ν' ρ'ι'β'λ'ω'ν' ρ'ι'μο'ρ'ο'σ
σο' με'ν· ρ'η'ο'σ· ρ'η'ο'σ· ρ'η'
κ'ο'σ'α'μα'σ'θ'· π'λ'η'ρ'ε'κ'ο
ο'ο'ω'ο'σ' και' η' ρ'η' τ'η'σ' δ'ο
ξ'η'σ' α'υ'το'υ'· π'λ'η'ρ'ε'κ'ο
π'ε'ρ'α'τ'η'το'υ' κ'ο'σ' μ'ου' τ'η'σ'
ρ'η'θ'ο' τ'η'σ' α'υ'το'υ'· π'λ'η
ρ'ε'κ'η'σ' α'ι'ν'ω'σ' α'υ'το'υ'
π'λ'η'ρ'ε'κ'ο' π'α'σ'α' η' α'μ'ο
τ'η'σ' τ'η'σ' σ'υ'κ'α'τ'α'μα'σ'ε'
α'υ'το'υ'· τ'ω' ο'ω'ι'α'· τ'α'ε'
π'ι'ρ'α'· τ'α'κ'α'τ'α'χ'θ'ο'ρ'ια'
π'λ'η'ρ'ε'κ'ο' τ'ω'ν' λ'ω'ρ'ω'ν' ρ'
τ'ω'ν' α'β'ε'ρ'η'ω'ν' α'υ'το'υ'
το'ι' ρ'η'ε'ο'ω' π'α'ρ' τ'α'τ'α'
θ'η'ρ'η' κ'ρ'η'τ'η'σ'α'π'ε' χ'ε'ρ'α'σ'·

2
π'α'ρ' τ'α'τ'α' π'ο'ρ'α'τ'η'σ'
μ'η'σ'· λ'α'τ'ε' και' ι' λ'α'τ'ε' τ'α'
β'ε'ρ'η'α'το'υ' θ'ω'· π'α'σ'α' τ'η'σ' η'
α'ι'ν'ω'σ'α'τ'ω' το'ν' κ'η'· π'α'σ'α'
τ'η'σ' η' π'ε'ρ'σ'κ'ω'ν' κ'α'τ'α'σ'
π'α'σ'α' γ'λ'ω'σ'σ'α' α'σ'α'τ'ω'
και' ψ'α'λ'μ'ω'σ' και' δ'ο'ξ'ο'λο'γ'
σ'α'τ'ω'· π'αι'δ'ι'ο'ν' θ'η' τ'ω' σ'α'
ρ'α'κο'ρ'τ'η' κ'η' με'ρ'ω'ν'· π'αι
λ'ι'ο'ρ'θ'η' λ'α'θ'ω'ρ' και' τ'ω'ν'
α'ι'ω'η'ω'ρ' π'ο'ι'η'τ'η'· β'ε'ε'
φ'ο'σ' ε'λ'ε'π'ω'σ' και' θ'η' μ'ου'
ρ'η'ο'ρ'ι'ζ'ω'· μ'ε'ρ'ε'φ'ο'σ' θ'η' λ'α'
ζ'ο'ν'· και' το'ν' κ'ο'σ'μ'ο'ν' δ'ια'τ'ε'
φ'ο'ρ'· μ'ε'ρ'ε'φ'ο'σ' κ'λα'υ'θ'μ'υ'ρ'
ζ'ο'μ'ο'ρ'ο'ν'· και' κ'ο'σ'μ'ο'ρ'ζ'ω'η'
και' χ'α'ε'α'ν' χ'α'ρ'ι'ζ'ο' μ'ε'ρ'ο'ν'
β'ε'ε'φ'ο'σ' π'α'ρ'ε'λ'α'ρ'ο'υ' μ'ε'ρ'ο'ν'
και' τ'ω'ν' π'α'ρ'ε'λ'α'ρ'ω'ν' με'τ'η'σ'
α'μ'α'ρ'η'α'σ' λ'υ'π'ε'ο'υ' μ'ε'ρ'ο'ν'
β'ε'ε'φ'ο'σ' θ'η' ρ'η'κ'α'λ'α'σ' μ'ε'ρ'ο'σ'
με'α'σ'α'ρ'κ'ο'σ' α'λ'η'θ'ω'σ' α'μ'ε'
χ'η'τ'ω'σ' ο'ω'ι'η'σ'· το'ν' α'υ'
το'ν' θ'η' κ'ο'λ'ω'π'ο'ι'σ' τ'ου' π'ε'ρ'σ'
α'λ'η'θ'ω'σ' α'μ'ε'χ'η'τ'ω'σ'σ' θ'η'
ο'ω'ο'ι'σ'· μ'ε'ρ'ε'φ'ο'σ' ε'λ'ε'π'ω'
θ'η' κ'η'θ'λ'ε'ε'μ'ε'φ'ο'σ' ι'λ'η' με'
ο'υ'δ'α'μ'ω'σ' χ'ο'ρ'ι'ζ'ο' μ'ε'ρ'ο'ν'
β'ε'ε'φ'ο'σ' ε'λ'ε'π'ω'μ'ο' μ'ε'κ'ω'σ'
το'ν' α'μ'ω'θ'η'σ'ι'α'μ' π'ε'ρ'ε'σ'θ'η'
τ'ω' ε'π'η'μ'η'σ'· α'υ'το'ν' τ'α'σ' π'
τ'ω' η' α'σ'τ'η'θ'η'σ' θ'η'σ'ι'α'σ'

προσδύχο μέν οὐδ' αὖτις
 αὐτὸν ἐγγύχλαισ τοῦ περὶ
 μίτου οἰκορομικῶσ· αὐ
 τὸν ~~περὶ~~ ἐνθεοραϊς
 χροῦ υἱ κοῖσ θόσ παρε
 πώσ· αὐτὸν προσφθ
 ρό μέν οὐ καὶ ἀγνοῖζόμεν
 αὐτὸν ταπαρτα ἀγνοῖ
 ζομαι καὶ καθαίρομαι
 αὐτὸσ τὸ δόροσ αὐτὸσ
 τὸσ ἀεχί βράσ· αὐτὸσ
 τὸ θῶσ ἀγνείον· αὐτὸσ
 τὸ ἰλασνείον· αὐτὸσ ὁ
 προσφθέρωμ· αὐτὸσ ὁ
 ὑπὸ τὸ κοσ μου πρὸσ
 φθέρὸ μέν οὐσ· αὐτὸσ τὸ
 πῶτε ὑπὸ ἀχῶμ· αὐτὸσ
 ἡ ὀλοκαῦτοσισ· αὐτὸσ
 τὰ ζῦλα τῆσ ζῶκσ καὶ τ
 ῆσ σῶσ· αὐτὸσ ὁ ἀμν
 αὐτὸσ ἡ μαχαίρα τὸσ πῶσ
 αὐτὸσ ὁ ποσ μῶ· αὐτὸσ
 τὸσ ἀρνείον· αὐτὸσ ὁ θῦκσ
 αὐτὸσ ὁ θῦ ὀ μέν οὐσ· αὐ
 τὸσ ὁ ἀμαφθέρὸ μέν οὐσ
 αὐτὸσ ὁ νόμοσ· καὶ αὐτὸσ
 τῶσ θῶσ ἀμ δὲ χό μέν οὐσ
 ἀλλ' αὐτὸσ φθέρβλοισ πῶσ
 πῶσ τῆσ ἡ μέν οὐσ ἐκ τ
 ῆσ βῶσ ἀμ βλῆσ ἡ ἀκού
 σω μέν· φησὶ γὰρ πῶσ χῦ
 ὀ θανμασισ οσλουκῶσ·

ὅτε δὲ πάλιν οὐκ ἔσται ἡ μέν οὐσ
 τοῦ καθαίρομαι αὐτῶν
 κατὰ τὸν νόμον· ἀμ γὰρ
 γομ τὸν ἰν ὄσ ἰ λῆμ· τοῦ
 παρὰ τῆσ αὐτῶν τῶκῶ
 καθὼσ γέγραπται ἐν τῶ
 νόμῳ κῦ· ὅτι πῶσ ἀ
 σὲν διαμοίρων μῆτραμ
 φθέρ τῶκῶ κληθῆσθαι·
 σαμου ἡ λ μέν καὶ ἰσασκ
 ὀ μου τε καὶ ἰσασκ· ἰω
 σκφ τε καὶ ἄθροισ ὁ θκσφ
 ρασ πῶσ βλ πῶσ λατὸσ βεν
 τῶσ· καὶ δὲ ἀνοῖζαμ τῶσ αὐ
 καέ πῶσ μῆτραμ μέν οὐσ
 φθέρ τῶκῶ ἐκλήθισθαι·
 χῶ δὲ ὁ νόμοσ ἐκ μόνου
 τοῦ νόμου μομορῆμσ·
 καὶ δὲ ἀνοῖζασ πῶσ λασ
 παρὰ θῆκῶσ· οὐχ ἄρισ
 τῶσ κῶ· ἀλλ' ἄρισ τῶσ φθ
 καὶ κῶ τῶσ κῶ ῥείωμ· καὶ
 θῶ τῶσ θῶσ· καὶ πῶσ
 τὸ τὸ κοσ τῶσ πῶσ το
 τῶσ κῶσ· ἀέχωρ τε καὶ
 βασιλάσ τῶσ υασίλε
 τῶσ τῶσ· καὶ κληθῆσθαι
 καὶ πῶσ ἀγνείσθαι· καὶ
 μῶσ ἐν τῶσ αὐτῶσ· ὑπὸ σῦ
 μέν οὐσ κῶ ῥείσθαι·
 ἰω γὰρ φθέρ ἀνοσθῆσ ἰ λῆμ
 ὀ νόμοσ σῦ μέν οὐσ· καὶ ὁ

τῶσ μέν οὐσ ἐν ἡ ἀμ ἐλῆφθ
 ἀ ἡ μῶσ· καὶ ἐκλαυσα
 λέγοισα· ἀπὸσ χῶ καὶ
 τῆσ με καταλίμωσ μῆ
 καὶ τῆσ παροικίσοσ·
 καὶ εἴ πῶσ μοισ σῶσ ἀπὸ τ
 καὶ ἀκούομαι τοσ· ὅτι ἰω
 ἀμνσ ἀπὸ ὁ ἐπὶ σκεπῶ
 μέν οὐσ· μῶσ οὐ πῶσ
 κρομ μου ἰω ἀμνσ κῶ
 κατὰ τοσ πῶσ με· τῶσ
 τα λέγοισα μῶσ ἀέκλ
 ἐν φωνῆ ἰσῶσ· ὁ δὲ
 ἰω ἀμνσ ἐπέμῆμε· ἀλ
 λ' ἀεχί αὐτῶσ τὸ πῶσ
 καὶ οὐκ ἔβησ πῶσ ἐλεγεμ
 αὐτῶσ· οὐκ ἐμαθε γὰρ
 ὅτι ἐκ καὶ μῆσ ἀπὸ τοῦ
 σῶσ ματοσ· τὸ τε λέγῶ
 πῶσ αὐτῶσ ὁ ἰω ἀμνσ·
 μῶσ ἀ ἡ μῆρε τοῦ κῦ σ·
 θῶ ἡ μῶσ· τῆσ μου λεί ἰ
 ματοσ ἡ σῶσσοι· μῶσ οὐ πῶσ
 φ' πῶσ μοισ τὸν πῶσ μομ φ
 ψῆκσ σου· καὶ λέγει πῶσ
 αὐτῶσ ἡ θκῶσ· τῶσ κρομ
 ἰω ἀμνσ μῶσ σκε ὅτι με
 τῶσ αὐτῶσ ἀρῆσ βῶσ
 καὶ δὲ ὁ μῶσ σου ποικῶσ
 μέτῶσ μου φθέρ ἀμνσ· σ
 ἀσφῶσ ἰσασ τὸ σῶσ μαμ
 καὶ μομορ ἀπὸσ θου αὐ

τὸ ἐν μῆσ μῶσ κ
 φῶσ λαζομ αὐτῶσ
 σῶσ ἀπὸσ ἀλωμο
 τοῦσ ἀεχί ερεῖσ· ἡ
 γὰρ αὐτῶσ τοῖσ ὠ
 λεγοῦσ τῶσ· ὅτι ἡ
 τε λῶσ θῶσ αὐτῶσ
 σῶσ μα αὐτῶσ κατα
 μέν οὐσ πῶσ ῥῆ· δὲ ὁ
 τῆσ πῶσ ἡ λθέρ ὀσ
 ἐκείνοσ· τῶσ αὐτῶσ
 ὁ ἰω ἀμνσ λέγοισα
 ὅτι ἐκ καὶ μῆσ ἀπὸ το
 ματοσ· ἐπὸσ βῶσ πῶσ
 τῶσ ματα καὶ ἐκλαυσε λ
 ὠ κῶ τῆσ πῶσ ἐσ μῶσ κῶ
 ὅτι ἐδάξασ ἡ μῶσ τῶσ
 τῶσ θλῆφθσ· εἴ τῶσ
 πῶσ σ πῶσ τῶσ· οὐ μῆ
 δὲ δὲ ἀφθέρ ὀσ ὀσ ὀσ
 καὶ τῆσ μῶσ σῶσ μα· οὐδ
 μῶσ ἰσῶσ σῶσ μῶσ πῶσ
 φῶσ ὄσ αὐτῶσ οἱ τῶσ μα
 τῶσ κῶσ· ἀκούσασ δὲ
 τῶσ μα μῶσ ἀ ἰω ἀμνσ
 κλαομ τοσ καὶ λθέρ τοσ·
 εἴ πῶσ πῶσ αὐτῶσ· λαίμ
 θῶσ ἀπὸσ ῥῆσ καὶ βάλεθῶ
 μῶσ ἀμα καὶ ἐρῶσ τῶσ
 ὄσλομ ἰμα φαλλωσῶσ· καὶ
 φῶσ ὀσ τῶσ αὐτῶσ ῥῶσ

αμρω εδ το παμα
κισ και εδξβη
ωκκιδιαν αυτησ
σαμ τω βοιμασι
κρω αυτησ λεγωσ
ηιωαμη ημοσ κφσ
υδβη εχοσ βωι τησ
μορω τω κκιδιαν με
χοχι τω μασ και το με
ροκ και τηρ ζομη με
μοω εν τω θω δυοχι
ο ταν οω εζελοσ
σο του σω μαποσ δδσ
αμη προσ εραχι τω μα
κτηρ μεν το μαφορι
τωδε τω ζορω σ
εταυτα αυτη γατηρ
πορ ο που ω το μα
φορ το δδθεν αυτη υπο
του γβλου και λεγα αυτω
τε κροριω αμη λαμβωσ
το το μαμασ ορ ημαμα
αδκσ αυτο εμπεροσθ
τησ κλιμκσ μου λεγα αυ
τη ουδω αμα λαμη αυ
το χορισ τω στω απο το
λωρμου μεν ορ των αυτ
εν τω θω με ποτε ελοσ
των αυτων το ηωμοσ και
μεμησ γβη οι ται εν η μη
οσι γαε μεζορμου αλλε

80
αν στω ελω μεν τω
ημται αιδοκία και ε το
βη μεορ προκειθη βασι
σε αυτο και αμα το βε
θηρ αυτοσ εκ του παμα
βρομη με γλη εγρητο
ωσ τε παραχρημαι αυτω
εν τω το ποσ παρ τασ
και μεατηρ φωρω τησ
βρομησ εχλασθησ οι
εμεφε λαισ οι απο το
προσ τω θω ερα μαρτα
δβκα ορ τω εκασοσ
καθη μεροσ επιμεφελ
προσ τοσ πατεροσ δαπερ
παυλοσ εμβχθησ και αυ
τοσε παμεφελισ και σμ
αριθμηθεισ τοισ απο το
λοισ δεχηνησ εχσ πι
αεωσ εν το χοσ και μεα
τουτοσ και οι αλλοι απο
τολοικε μεφελων στω
χρησαμ προσ τω θω ερα
μαρτασ και η πασασα το
αλληλοσ απενηζορ τω
εισ βατωσ ωσ πατε ε
μεκασει ορ τα και θω
μαθορ τω το ποσ σμ
χρησαμ παρ τω βωι το
αυτο και ε πατεροσ
αδβλφοι αβ ο μεθω και

4
αχαειοθησο μεν τω θω
τω στω αθηροι σαμ τη με
και μαλιτα του αδβλφω
παυλου ορ ποσ μεθη
μορ και ει πορ μεα
φωρη οι απο το λοιπε
αβ ο μεθω ημαρ ωσθη
η μην δι απι ο θω στω η
ρηρη ημασ εν τω θω
το τε εκασοσ αλλω τι με
απηρη μεν ημασ προσ αυ
ξηται λεγει οω πατε
τω παυλω αδβλφω με
παυλε αματασ εβαι
προε μου δι ο τι χαεα
εμεκδι κη τω η γαλη
αθηρη ο τι γεγορασθη
τη παρει του χυ και ει
πορ παυλοσ συχα
ρισον μοι περ πατερο
τιρε οφ υποσ ημι και ε
κη μη ηκαροσ ημασ
τα ηχη των ποδορ ημ
ακολουθησοσ και ποσ
αβ ο μεθω προσ σου συ
μαε ει αυλοσ του φωτ
και παρ τω δε οι περι
απο τω αδβλφοι κη πο
ρω μου εσι συ οω περ
δθηθη τι πατε εμου
και παρ των ημακχα
ρισ του κυ μερη μεθω

4
μορ το τε οια
εχαεισαμ βωι τη
σε παυλου και ε το
τω πατεροσ εβαι
σταθησ εβη μασ τα
συ παλιρ εχου προ
το τε ηυζατο πατερο
οθω και πατε του κυ η
ηυχυ και ο κω η μεορ σ
τω ηω παριδοξασθη
καθωσ δοξαθη εαι το
μοι λει το εγημα και
πασασα τασ χηρασ
του εδ τον οω ορ κυχα
αθησε λεγορ συ εβη
σασ εν η μην τω χηρι
τασ σου και τηρ φηλα
σου ουκαφελω αφη με
ο τι σοσ οισ αποσκαω
παρ τασ τουσ θλ παζορ
βωι σοι απο του ηω και
εισ ποσ αι ωρασ των
αι ωρων και παρ τω αι
ποσ κρηθησεν το αμω σ
η πασασα το αλληλοσ σ
αθωσ ηλθεν εν μεσο αυ
τωρ ο ηω αμησ λεγωρ
αυλοπισατε δι καμεσ το
τε η πασασα το και αυτο με
καποσ κατατηρη ιδιαν τα
ξην μεαδθ τον αμασση

ταμοιάτωσολοι
τω. ἰω ἀρμηζα
τω κω. πωσ ἡλθ
αυθα και τωσασ ἡ
ασ ἔχασ. και εἰ τωσ
ἀρμησ. ἐγὼν ἔο ἡρῖκα
ωυ ἐμε φέσω ἔχωρ με
τω μεβνωσ. ὡρ αἰτῖ
πισ κ μεβρασ, και ηλ
ρε φέλι ἐν τῷ τῶ ποω
ω ἡ μεβρ σῖω κ θεοισμῖ,
ληρ πασε με ἐν ὡ ππορ
αἰ τωρ και ἡρ κέ με
δδ. και ἔσθλ θ ὡρ ἐν
ο οἰκί ματι τῆσ μερσ
μορ μερεζασ, ἀερο ὀ
λορ τωρῖ αἰτῖω πολῖω.
ἡ αἰτῖω λέγοισαμ ὅ τι
κ καινω ἀπο τοῦ σῶ με.
θῶσ δὲ οὐχ ἰπέ με ἡ αἰ
μαβνωσ τῶρ τωρῖ αἰτῖω
ἔσῶ τωρ. ἀλλε μαρ ἰωθ
ἔσῶ με ὀ κλαυθμῶσ. μῖ
οἰω ἀδελ φοῖ ἐ ἀρ ἔσθλ θ
τό μη κλαῦσ κ τῶ ἡ μαμ
ὀχλοσ ταραχθῖ και εἰ πο
σῖο ἡ και αἰτῖοι ἐφ οἰ
θ κ σαμ τῶρ θ ἀμ ατορ. τῶ
τε οἰ ἀπο σολοι ἔσθλ
θ ὀρ τῶ ἔσ τῖω οἰκί αμ

μαρεζασ, ἔ τωρ με ἀφωρ
μαρεζασ ὅ τῶρ με ἀφωρ
τωσε χῆσ, ὅ τι τῶρ μαρ
μερ τωρ τωρ τῶρ σῶζω
μεβνωσ. ἡ χαρῖσ του κῦ
μεβνωσ. ἡ δούσα δδ αἰτῖ
ἡ θ κ ὀσ ἔχασ χασαρ με
γαληρ και λέγῶ τωρ ὀσ αἰ
τωσ. τῶσ ἡλθατε ἐν
τῶνθα και τῖσ μεβέδο κ
ἡμῖν ὅ τι δδ βέχο μα αἰ
τωσ του σῶ ματοσ. τῶσ
δδ ἐν τῶνθα αἰ σῖω ἡ χῆ
αἰσ αἰ δ λατῖ μοι. ἔ τωρ
τε δδ μοι ἀπο ποῖ ωρ ὀ
τωρ. και δῖ ἀπο σου και
ροῦ τωρ ἡρ ἡ τῶτε ἐν τῶ
θα, ὅ τι ὀ ὕτοσσ ἔαχῖω
του ἔλθῖν ἔσ τῖω ἔ με
δῶτῖ σ κ ε ψῖρ. και ἀπο
κρεῖ θείσ ὀ τῶρ ὀσ εἰ πῶ
τωσ ἀπο σολοισ. ἔ κω
ποσ ἡ μαρ ὀ ληρσ φ
ρεκῖσ μεβρ ἀπο ποῖ ωρ
χορ ωρ και τῶ τωρ ἡλθ
μεβρ ἐν τῶνθα. και ἀπο
κρεῖ θῖσ ἰω ἀρμησ ἔ πῶ.
ἔρῶ ἐν ὀσσο ἔ μεβλωρ ἔ
σῶρ χῶθαι ἐν τῶ ἡ ὀσ θ ὀ
σῖα τῖ ἔρῶ ἐν ἐφ ὀσσο του

λει τοε γῖσαι. και ἔτεμε
το τῶρ τῶρ ἔ με. και
μεφελι φωτῶσ ἡ ἔ τωρ
με και ἔχαλ ἀσθῖρ δῖ αἰ
τῖσ μεφελικσ ἐν τῶ οἰκί
ματι. και ἔ σῖλθ ὀρ και
ρορ με λέγοισαμ, ὅ τι ἐκ
ρω ἀπο του σῶ ματοσ.
και ὀ τῶρ ὀσ ἀπο κρεῖ θῖσ
εἰ τῶρ. και τῶ ἔρῶ με
δῖ ἔρῶ τῶρ τῶρ ὀσ
και ἀκρεῖ ζωρ τῶσ μαθῖ
τῶσ μοι, κλθερ τῶρ ὀσ
μεφωρ ἡ λέγοισαμ τῶρ
θῖσ τῖ ἡρ ἡ λῖμοισ ἔσ ἄσ
μορ τῖσ μερ ἡ μαρ τῖσ
θ κ ὀ. και ἰδου μεφελι
φωτῶσ ἡ ἔ τωρ με
και ἔκ σῖ μεβ μεβρωσ
και τῖσ ἡσ. ἔθε ὀ ρ
σαδδ και τῶσ λῖω τῶσ
σῖω ἀπο σῶ λῖω μοι
ἔρῶ μεβρωσ ὀ τῶρ μεφ
λωρ, ἐν τῶ ἀρ ἔ πῶ
με. και φωρ ἡ λέγου
σῖρ μοι. τῶρ τῶ ἔρ
σῶρ δῖ ἀπο ἔλθ αἰτῖ ἔσ
ἡ ἔρῶ σῶ λῖμα. και ἀπο
κρεῖ θῖσ τῶρ ἡ λῖω εἰ π.
κῶρ ἔσ τῶρ ἡ λῖω ἔρῶ

ἀπο ρῶ μεσ ἡ και τῖ με
ρεῖ ωρ ἡσ ἔλθαι, ἔδῖ δα
σκορ τῶσ μαθῖ τῶσ μοι.
και ἰδου μεφελι φωτῶσ
ἡ ἔ τωρ με και τῶρ ἔκ
σῖρ ἐν τῶνθα. ἀπο κρεῖ
θῖσ δδ και ἀρ δρε ἄσ εἰ πε.
κῶρ τῖω τῶρ ἀπο φῶρ
χορ εἰ δῖ ἔρῶ μεβρωσ
κ κρεῖ ζωρ, ὡρ αἰτῖ τῖω
φῶρ ἡ ἔ τῶσ ἄσ ἡρ
ἐν τῶνθα. ἀπο κρεῖ θῖσ
και ὀ θῶ μασ εἰ τῶρ. και
τῖω τῶρ ἡρ ἡ δῶρ ἡσ ἔρῶ
ἔλθῖν τῶ κ κρεῖ ζωρ τῶ
χῖ. και τῶ ἡ ὀσ τῖσ ἄδ
φῖσ του βασι λέωσ ἡ
μοῦ μεβλωρ τῶσ σφῖρ
ζῶθαι ἐν τῶ τῶρ ἡ
ἄφρω μεφελι φωτῶσ
μεβρωσ τῶρ ἄρ τῶσ
με ἡ γατερ ἐν τῶνθα. ὀ
ἀπο κρεῖ θῖσ και ὀ μαρ
εἰ τῶρ. ἔρῶ τῶρ καρ ὀ
τῖσ ἡ τῖσ ὡρ ἔκ τῶρ
τωσ μοι ἐν ἀλῶρ ἡρ ἔρ
τῖ τῶρ ἡ ἔρῶ τῶρ
χορ μεβρωσ μεφελι φωτῶσ
ἄρ τῶσ ἡσ. τῶρ ἔκ σῖ
με τῶρ ἡσ. ἀπο κρεῖ

καὶ ὁ ματθαῖος εἶπεν ὁ
ἐδξασα καὶ δοξαζοῦ
θῆ. ὁ πῶς μου ἐν
πλοῖο καὶ χημαζομ
δῆρως καὶ τῆσθαλαστικ
ἀγρίου μερῆσ ὑποτῶν
κῦματων, ἀφρομῆφ
ληφω τὸσ ἐπίσκι ασά
σαμῶ καὶ τὸν κλύδωνα κα
τάμ ασασα πρὸσ γαλήνη
μέτρησθῆ. ἐμὲ δὲ ἀρπά
σασα ἡ γαγερ ἐν πᾶσθα.
καὶ ὁ μαρβολομαῖος εἶ
πῆσ. ὁρῶ ἐν τῆσθαι δὴ
ἡ μὲν κρεσσῆσ τὸν λόγ
καὶ ἰδοῦσ πᾶσ μέτα μεφ
φωτῆρῆσ κῦκλῶσ ἡ
πασσῆσ καὶ ἡ γαγερ ἐν πᾶ
σθα. ὁ δὲ ἰακωβος ὁ ἀδελ
φός θεός ἐν ἱεροσολῆσ
ὑπῆρξῆσ καὶ αὐτὸσ ἀπο
κρίθῆσ εἶπῆσ. κῆρῶ ἐν τῶ
ἰβρω ἡ μὲν λειτοφῶν
κῶ τῶ θῶ ἡ μὲν. καὶ ἰ
λου ὁ πῶσ τὸ πᾶσ πρὸσ
μῆσ, πρὸσ ἀθῆσ ταχῶσ
τοῦ ἐπίσκησθαι τῶν
μερῶ τοῦ κῦ καὶ θῶ σου ἰ
χῦ. φίλι πρὸσ ὁδὸ καὶ
λου κασ καὶ σι μερο κα

μαμαῖος καὶ ἰακωβος ὁ
ἀδελφός ἰωάννου καὶ μηθε
τῶ ἡ σαμῶσ τὸ πᾶσ τῶσ
ἡ ὁρῶσ ὁ γῆσασ, ἀφ ἡσ
ἐκ τῶν μερῶ μῆσ ὁ πῶσ
πρὸσ αὐτοῦ. μερο μεσῆ
ἡ ἀφασῆσ, μῶν ἡσ ἡ μῆ.
ἀλλὰ χεῖρ τοῦτου ἀφ ἡσ
ἀποβῆσ ἡσ ἀσασμῶν πῆ
πῆ μὲν καὶ θαυματοφῆ μῆ
τῆσ μερῶ τοῦ κῦ ἡ μῶν ἰχῦ
ὅτι ἡ γῆσ ἡ μῆσ τῆσ
ὁρῶσ αὐτῆσ. τᾶσ πᾶσ
τᾶσ δὴ ἡ γῆσασ τὸ ὁ ἀποφ
λοῖ πρὸσ τῆσ θῶσ. τὸ πῆ
ἡ λθῶσ καὶ πῶσ ἡ τῶσ
καὶ ἐκ τῶσ μῆσασ χῆσ
αὐτῆσ εἰσ τὸν ὁ μῶν ἡ
ξ αὐτὸ εἶπῶσασ. πρὸσ
κῦν ὁ καὶ ἀφ ἡσ καὶ δο
ξαζοσ τὸ πᾶσ ἡσ τῶν
ὁρομασσῶσ κῆσ ὅτι ἐπῆ
βλῆσασ ἐπί τῶσ πᾶσ
μῶσ ἡ τῆσ δούλησ σου.
τᾶσ δὴ πᾶσ εἶπῶσ
σε πᾶσ καὶ πᾶσ
τῶσ ἀποφλοῖσ, καὶ ὁ
σηρῆσ αὐτὸ φῶ τὸ πᾶσ
ὁρ αὐτῆσ. καὶ ἐδξῆσ
τῶσ πᾶσ καὶ δῆσ αὐτῆσ

καὶ τὸ ματθαῖον μετᾶ
καὶ ὁ βλθῶσ εἶπῶσ
σερ μερῶσ αὐτῶν, καὶ ὁ
μερῶσ τῶν λῆσων καὶ
οὐκαφ ἡ κῆσ σῆσθαι
καθῶσ ἐν γῆσ αὐτῶσ.
ὁ πῶσ ἐδῶ ὁ κῆσ
τῆσ δῆσ ἡ μῆσ, εἶ
πῆσ πᾶσ πᾶσ τοῖσ
ἀποφλοῖσ. ἀδελφοῖ.
ὁ ἔχωσ λόγῶσ παιδῶσ,
εἶπῶσ δὴ ὁ λῶσ τῶσ
μῶσ τῶσ πᾶσ αὐτῶν τὸ
ὁ λῶσ. καὶ ὁ πᾶσ ὁ
πῶσ φλοῖ. τῶσ σοφῶσ
ροσ ἐν ὁ πῶσ σου. καὶ
χαῖροσ μερῶσ ἀφ ὁ
μερῶσ τῶσ πᾶσ σου.
καὶ ἐπῆ τῶσ ἀποφλοῖ
λαλοῦσ τᾶσ, φῶσ
μῆσ γᾶ ἡ λῶσ ἐν τῆ
οἰκῆσ ἐν μερῶσ πᾶσ
ὡσ τε ἀμαρῶσασ τὸ
φῶσ τῶν λῆσων αὐτῶσ.
καὶ φῶσ ἐν ἡσ λῶσ
σα, πᾶσ εἶπῶσ
τοῖσ ἐν γῶσ αἰ δῶσ
τα βαρῶσασ. ὁ γᾶ
εἶπῶσ ἡσ πᾶσ θεσ
βῆσ πᾶσ τῶν πα
σῶσ τῶν. πᾶσ δῶσ

6
εἶπῶσ τῶν φῶσ
τοῦ ὁ πᾶσ. ἀφ ὁ
σε χῆ τὸ πᾶσ τῶν
ψῆσ ἡ μῶσ. καὶ ἀποκῆ
θῆσ πρὸσ τᾶσ ἐκῆσ
σασ πᾶσ ὁ πᾶσ.
ἀφ ὁσασ τῶσ φῶσ
λα τῆσ πᾶσ ὁ πᾶσ
κῆσ μερῶσ. ἀφ ὁ
μῆσ τῆσ εἶπῶσ ὁ δῶσ
σκαλοσ ἡ μῶσ. ὁ μῶσ
ἡσ ἡσ λῶσ αὐτῶσ
πᾶσ ὁ πᾶσ. καὶ οὐκ ὁ
ὁ μῶσ ἐπῆσ χῶσ
ὅτι ὁ χῶσ πᾶσ
τῶσ ὁροματῆσ πᾶσ
οὔσασ εἶπῶσ. ὁ θῶσ
πῶσ φῶσ ὅτι ἐν δῶσ
σῆσ δῶσ καὶ ὁ μῶσ
φῶσ τῆσ λῶσ αὐτῶσ
ὁ μῶσ. ὅτι ἀφ ἡσ
ἡσ, καὶ ὅτε φῶσ
ροσ τῆσ ὁροματῆσ
οὐ λέγῆσ οὐαῖ ἡ μῶσ
ἀποσ χῶσ μερῶσ, καὶ ἀφ ἡ
ω μερῶσ μῶσ πᾶσ
τα πᾶσ τῶσ μερῶσ
ἡ τᾶσ ὁ πᾶσ τῶσ
ἡ τᾶσ μερῶσ ἡ μῶσ
εἶπῶσ. οὐ δῶσ τῶσ
τῶσ μερῶσ μῶσ. ἀφ ἡ

τησ μερσ σου· εἰπερ δε
οκσ' περσσ αυτον· ω πηρ.
παρ των των εντω κοσ
μοσ τουτου γρημο μεντων
αι ψιχα ποι αυται εσιν· α
λλοτε οξ βεχορται απο
του σο ματοσ· ουχαρι
σκορται ποι αυται λα και
δι ο τι αλλωσ αποταλη
σαρ και αλλωσ ερισκορται
η γατωσ σαρ γαρ το σκοτος
των πολλων αμαρτιων.
εαν δε τις φυλαξει ε
αυτον απο των ανομι
ων του σκοτου του αιω
μοσ τουτου και βελοθαια
πο του σο ματοσ· αρι
σκηαι αυτου η ψιχη ποι αυ
τη λακη ωσ σορακασ·
ει παωλην λεγει οση ενω
πηρσ· ασφαλισαι το σο
μα μαρσασ της παροικι
μου εν σου δη και βεβλ
θε οξ αρι σερων της πολε
και απελθε εν γθη σι μαρη
και δε κσ μερη μεθ ορ και
ρον· και εν αυτω αποθου
το σο μα· και παρ αμ
ρατε αυτω εκησε η μερ
τεισ· ταυτα λεγορται
του σρσ· εμοσθη και το

σο μα μαρσασ ενωσθη
παρ των λεγωρ· μη σθη
τι μου μασι λυτησ δοξασ
ο τι σοσ παλασμα ε μι·
μη σθη τι μου ο τι ε φυλα
ξα τον παρ ατε θρη ταμοι
θ κσαρον· ειπερ ουω οκσ
του σο ματι· ου μη σε βρκα
ταλει φοσ τον του μαρ γα
ρι του μου θ κσαρον· και
ταυτα ε παρ οκσ· αμη λ
θηρ εσ του σο ματοσ· και α
θεωσ οικου μεθ εν τω αρι
σκησ· παρσ δε και οι α
πο φολοι και αι τρεισ πα
θεροι· και ο πολλωσ οχλη
εκη δασ το σο μα μαρι
και εθηκα εν τω τον κρα
ματορ· και εν βρκαρ τα το
βεαμη ορ· ε παρ παρσ
τω ενω αμη· συ ει ο παρ
θρησ και συ ο φειλοσ ο
μησαι ενωσθη τον
κραματοσ αυτησ· κατεχ
αυτο· ο δε ενω αμησ· συ
ει ο παρ η μοσ και παρσ
ταυτοσλοσ· και συ ο φ
λεισ κρατειρ αυτο ενωσ
θηρ της κληησ· εωσ
ου απελοσ μερ εσ τον
τοσων τον ορισμη ορ

μη ιρακκ δασο μεθ
το σο μα μαρσασ· και
λεγα περσσ αυτον παρ ε·
ιρακη τις η μεν λυτωκ
θη· περσσ μερ εν αυτω τι
κραματορ· τουτου δε
γρημο μεντου· ακο κ γετο
μερ ο τι αν επαωσατο η
θησ· και ενωσθη σινδρο
μη οχλωρ πασ λωρ μα
ραθ ορ των τοσ δε εωσ η
αυτων· και βεχο μεντων
θεασασθαι το μα μαρσασ
του σο μα μαρσασ της αχερ
του θκου· εθεωρησαρ δε
και σκ μη α μεγαλω γρο
μεντα· τυφλοι ανεμε
των· κωφοι η κουορ· χο
λοι παρσ βρωτωσ· λε
περοι εκκαθειριζορται·
και πασ οσ τις ενωσθη
σου η μαλακισα κατε
χο μεντοσ· παρσ δε οξ
θηρ του τη χωσ η της θυ
ρασ του οικου περσσ ε
ψαμερ· παρσ αχρη μα ι
ατο· ε γρησ δε χαρ αω
μεκλαλητοσ εν τη η με
ρα εκηρη του παληθου
των ιαθων των ημοσ
των και δοξαθ ορ των

τομ βραυτησ τησ θρη τα
θη και τωτουτου παρ αχρ
τορ μερσ· παρ των δε τω ε
ροσολιμα· ημοισ και ψα
μοδιαισ τουε παθ ορ· οι δε
φραεισαι και ιερεισ τ
ιουδαιωρ αματω λαω αυ
οξ εθησαρ εν τω τοισ λεγομε
ροισ· και ζηλω μαρσασ
κατε μεχθεν τω και μα
ται οφρορλοπισ μεσ συ
λλογησ αμβροι· σιμοουλι
ορεσσι ησθη και απεχορ
ται περσσ τον η γρωμα
κραθ ορ τω και λεγορται·
απολατο το εθμοσ των
ιουδαιωρ απο της γιωμα
κοσ ταυτησ και του βραυ
τησ τεχθητοσ· ο δε ηγε
μορ η κοσε παρσ ταυτη
ρο μεντων θα ματων·
και ει παρ περσσ αυτωσ·
ε γω χειρασ εσ αυτωσ ου
μαλοσ ιρακη περσσ κρου
σοσ και σαρι· οι δε ιουδαι
οι ενωσθησ κραθ ορ τ
και κατα της σριασ ημε
ριου και σαροσ εν ορ κοω
τω αυτον· ωσ τε γρησ η
αποσλοσ και αμαρει
μαι αυτωσ· και διαμνηκα

σθῆσ ἀποσθῆει χιλίαρχο
καὶ ὄχλον πολὺν κατὰ
ἀποτόλων· τότε τὸ θῆ
πῶν λέγει πρὸς τοὺς ἀ
ποτόλους· ἀμαρτῶ
ἀερωτε τὸν κρανατορ μερεῖ
καὶ ὄξθῆθατε τοῦ κηδῶσαι
αὐτήν· καὶ ἀμαρτῶ ε
βατασαν τὸν κρανατορ ε
τεφαρο μέτρον μετὰ τοῦ
μεμεῖου, καὶ ἕμνησαν ἐμ
προσθῆμε λέγομ τῶ· ὄξκλ
θῆν ἰκλ ἐκ γῆσ αἰγῶπου·
ἀλλ κλούϊα· οἱ δὲ ἀγγέλοι
ἐν τῷ ἀβρέ ἰαπρῆ κ τῶ
μέτροι, ἐδόξαθον τὸν ε
ξ αὐτῆσ τεχθῆν τῶθῆ· οἱ
δὲ ἀρχιερεῖσ καὶ ὀχιλίαρ
χοσ καὶ οἱ ὄχλοι ἀκούσαντ
τὸν θόρυον καὶ τῶσ φω
ρῶσ τῶν ἕμνησαν, ἔτα
ραχθῆσαν λέγομ τῶ· τίς
ἐστὶν ὁ θόρυος οὗτος· ἔ
πομ δὲ τῆν ἰαπρῆ πρὸσ αὐτήν·
ὅτι μερεῖα ὄξκλ θῆρ ἀπο
τοῦ σῶ ματοσ, καὶ οἱ ἀπό
φολοι κύκλω τοῦ κρανα
τοῦ αὐτῆσ ἕμνησαν· καὶ ἀ
θῆωσ ὁ σαταρασ ἔσκηθ
ἔσ αὐτοῦ, καὶ εἰ πομ πρ
ἀλλ κλούϊα· δῶτε καὶ ὄξθῆ

θω μέν καὶ ἀποκτόμοι
τοῖσ ἀποτόλωσ, καὶ καὶ
σο μέν τὸ σῶ ματὸ ματῶ
τὸν πλάμον ἐκείνον· καὶ
κλθον μετὰ τῆ φωρ καὶ ἀ
μῆντρῆων, τοῦ ἀποκτῆ
μαι αὐτοῦ· καὶ ἀθῆωσ οἱ
ἀγγέλοι ἐν τῷ ἀβρέ ἰαπρῆ
μέτροι, ἐπῶτα βατασαν
ἐν ἀδρασίῃ· καὶ τῶσ κεφα
λασ αὐτῶν ἔσ τοῖσ τῆχων
σῶν ἕρῆ φῶν· με μελέωμ
τῶ τὸ πῶν ἀποσέχομται·
εἰσ δὲ τῶσ ἰερεῶσ ὄξκλ
ὀμόματι ἰεφομίασ ἕμ
μαίος τοῦ σῶ ματῆ καὶ τῆ
δῶν ἀμῆ ἰσχυροσ· λαμορ
τοσ τῆν ὁδὸν προμοῖα
θῆ ἰμα ἔ δά ται γῆρο με
επὶ κσι ασθῆ τοῖσ ἀπο
τόλωισ· καὶ ὡσ ἰδῆν τὸν
κρανατορ ἐτεφαρο μέτρον
καὶ τοῖσ ἀποτόλωσ
ἕμνησαν· πῶ κσθῆισ
μεγάλου θῆμου ἔ πῶν·
ἢ πῶρ οἰκίῃ αὐτοῦ σκυλά
σαν τοσ κ μερομ τὸ γῆροσ,
ὁ ποῖαμ δόξαμ φου βρεῖ
ἔχῆ· καὶ ἐπῶ κλθε μετὰ
μεγάλου θῆμου τῶ κε
βατασ θέλωρ αὐτ κατ

μαλῆμ· καὶ κατασχῶν
ὅπου κῆ τὸ μεμεῖου καὶ
ὄξκλ ἰασ, ἢ θέλκσερ ἔσ
τὸ ἔδαφ οσ κατῆρ ἄν
την· καὶ ἀθῆωσ αἰ χεῖρ
αὐτοῦ ἐκολλήθησαν τῶ
κρανατορ, κοπῆσαι αὐ
τὸ τῶν ἕκωνων, καὶ ε
μήμαρ κρε μεμέμναι ἔσ
τὸν κρανατορ· καὶ τὸ ἀλ
λον κ μεσῶ τῶν χῆρων
κρε μεμέμναι ἐπὶ τοῦ
σῶ ματοσ αὐτοῦ· τότε
ἐκλαυσερ ὀμοσ πῶ κρῶσ
κατὰ πρὸσσω πομ τῶν αὐ
ποτόλων· πῶρ ἀκλῶν
καὶ δέο μέτροσ αὐτῶν ἔ
λέγωμ· με πῶρ ἰδῆ κτέ με
ἐν τῆ κλ καὶ τῆ ἀνάγκῃ ὄν
τα· ἀλλ ἄπῶρ ἀκλῶσ τε
πῶρ ε μεοῖ ἰμα ἐλε κθῶ·
τότε λέγει πρὸσ αὐτορ
ὁ πῶρ ὄξκλ ἕμνησαν αὐ
τηοῦ κῆτῆρ ἐμοῖ ἰμασσι
βοκθῆσοσ, ἀλλ οὐδῆροσ
τοῦτοσ· ἔ μέρ οἶω πῶ
τῶ ὄξκλ ὅτι ὀτεμ κθῆσ ε
ξ αὐτῆσ ἕοσ τοῦ θῆ ἕμνησαν·
ἐφ ὄν ἀμαρτῶ κατε
σῆ κατῆ καὶ ἀπεκτῆ
ματε, ἐλε κθῆσει ἀπο
τοῦ πῶρ ἀδῆ γματοσ τοῦ

9
του· καὶ εἰ πῶρ ὀμοσ·
με γὰρ οὐκ οἶδα μερ ὅτι ὀ
ἕμνησαν ὄξκλ αὐτῆσ ἕοσ τῆ
θῆ ἕμνησαν, καὶ ἀκλῶσ οἱ δῶ
μέτροι· ἀλλ ἀπῶρ οἰκῆσο μερ
τῆ φιλαρτυρεῖα τῆσ σκο
πῆσ ὄξκλ τὸσ ὀφθαλμοῦ
ἕμνησαν· οἱ γὰρ πῶρ ἕμνησαν
πῶρ ὄξκλ ἕμνησαν κ μερ δεδο
κῆσαν πῶρ τοῦ ἕοσ τοῦ
θῆ· ὅτι με λέγῶ ἕοσ τοῦ
θῆ ἕμνησαν καὶ ἕμνησαν
ἕμνησαν καὶ τοῖσ ἀποτόλωσ
ματε ἀφῆμαι· ὅπῶρ καὶ οἱ
κῆοισ ὀφθαλμοῖσ ἐθεω
σῶμεθα· ἢ με ἕοσ δὲ τοῦτοσ
φθορ κῆσαν τῶ δῆ αὐτοσ κα
ταε γῆσασ ἕμνησαν πῶρ αὐ
τοῦ πῶρ ἀδῆ ἕοσ· ὅκε φα
μέθα ἐν ε αὐτοῖσ κακῶ· ἔ
ἀμαρτῶ ε πῶρ ἕμνησαν
κτῆ με μερ αὐτορ· τῆ μεροσ κο
τῶ ἀκρῆ μεροσ ὅτι ἕοσ τοῦ
θῆ ἕμνησαν· ἀλλ ἀμ κ μερ σκα
κῆσ τῆμεσ τοῦ ἀθῆοῦ·
ὄξκλ τὸσ σῶ ἀ μεοῖ ἕμνησαν
πῶρ μεροσ ὑπο τοῦ θῆ ἕμνησαν
ξῆσοσ· τότε ὁ πῶρ ὄξκλ
ποῖ κσερ ἀπο τε θῆ καὶ τῆ
κρανατορ καὶ εἰ πῶρ πῶ
ἀρχιερεῖ· μερ ἕμνησαν τῶ
ὄξκλ κσ τῆσ καρ δῆ αὐτοσ·

ἀπὸ θλώμ πορὸ σὺ πάσαι
τῷ ἀχρᾶν τοῦ σὸ ματι τῷ
θκού λέγωμ· πῶ ἀδὸ ἴσ
σε καὶ εἰς τὸν ἐκ σου τεχθ
παθῶν· τὸ τε ὁ ἀρχιερᾶς
τῆ τῶν ἐμερῶν δὲ ἀλεκτῶ
κὺλόγησε τῷ μαρτῶν ἐ
πῶ τρεῖ σὶν ὄρεαισ· φέρεσθ
μαρτῶν εἰς ἀπὸ τῶν μὲ
μλωρ μωσῶσ καὶ τῶν
πορφικτῶν καθὼς γεγε
ται πῶ τῶν αὐτῶν· ὅτι ἦν
ὁσ θῦ ἰσθῆσαι τῆσ δόξης
τοῦ ἰοῦ τοῦ θῦ· ὡσ τε ἦ
ἀπὸ φόλου ἀκούσασ τασ
θαυμάσαι· τασ τοι αὐτ
πῶρε ἀδὸ σεις τῶν πορφικ
τῶν· οἷσ οὐ δέ ποτε ἠκού
σασ· καὶ λέγει αὐτῷ πῶ τῶ
ἀπὸ θλε καὶ κόλλησῶσ σου
τὰσ χερασ ἴσ ἀλλήλασ·
καὶ ἀπὸ θλώμ ἐπῶσθ ἐ
πῶ πορὸ σὺ πορ ἴσ τῶ
πῆρ λέγωμ· ἴσ ἴσ ματι
ἰῦ χῦ τοῦ ἰοῦ τοῦ θῦ καὶ
μαρτῶσ τῆσ θκού· κολ
ληθῆσασ ἴσ ἀλλήλασ
αἰ χερασ μω· καὶ ἀθῶσ
ἐγῆρομ τὸ ὡσ πορ ἠσθῆσ
πῶρε χῆσ· ἴσ μὲν δὲ μὲ λει
πῶσ μὲρ αι· καὶ λέγει αὐ
τῷ πῶ τῶσ· Δάρο λάμ

κλάδων ἐκ τοῦ μερῶσ οὐ
ἴσ ὁσ θλε ἴσ τῶσ ὀλιμ καὶ
ἀρέσῆσ ὁ χλομ τῶ θλωμ
μὲ γῆρ μωσ κομ τῶσ τὸ ποῦ
ἀπὸ σέ χομ ται· καὶ ἀλλῆσ μ
αὐτοῖσ πασῶμ με κὲ κό ται
σοι· καὶ τῷ πῶ ἀδὸν τῶ ἐ
πῶ ἴσ τὸν κλάδων τοῦ πορ
ὄσῶ τῶσ ὁ φθῶ λ μωσ αὐτῶ
καὶ ἀμ μλέ ψῆ ἴσ τῶσ ἴσ
καὶ ἀπὸ θλώμ ὁ ἀρχιερᾶσ
καθὼς ἐμε τῶ λωτὸ αὐτῶ
πῶ τῶσ· ἀρερ ὁ χλομ τῶ
λῶν τῶ θλώμ κλαομ τῶ
καὶ λεγομ τῶσ οὐ αἰ οὐ αἰ·
ὅτι τὸ γῆρ ὀ μὲρομ ἴσ πορ
μοισ καὶ ἠ μὲν μὲν γετέ μῆ
τῶ ποικῶσ μὲρ ἠ ποῦ φῦ
ρο μὲρ ἴδου τῶσ ἴσ φλο
θκ μὲρ λωι πορ τὸ πῶρε
χῆσαι· οἷσ δὲ ἠσασ οἷσ
ὄσῶταλ ἀμοῖ ἴσ βλοῖ βῆσ
ρασίαι· τὸ τε ὁ ἴερᾶσ ὁ
λαμοσ ἐκ τοῦ μερῶσ οὐ
τὸν κλάδων· ἐλάλησθ
αὐτοῖσ πῶρε τῶσ σῶμ β
κό τῶσ αὐτῶ· καὶ πῶσ ἐ
κολλήθῆσασ αἰ χερασ αἰ
τοῦ· καὶ πῶρε τῶσ πῶ τῶ
καὶ ὁ πῶ ἀδὸσ πῶρε ἀθῶ
ἀμ ἐ μλε ψῆ ὁ δὲ μὲ πῶ
αἰσασ· οὐ καμ ἐ μλε ψῆ

ἀλλέ μὲ με τῶ φλοσ· οἰ
Δὲ ἀπὸ φολοι ἀπὸ γῆρ
τῶ τὸ σὸ ματῆσ θκού
εἰσ τὸ μὲρ μὲ ὀρ βῆ ἐ
ταφῆσασ αὐτὸ θῶ τῶ
τῶ αὐτὸ ἐκείσθ· καὶ ἐ
καθὲσ ὀμ τὸ πῶ τῶ
ὄμ πορ ὀσθῆσ τῆσ θῦ ρασ
τοῦ μὲρ μὲ ὀρ· φῦ λασ
σομ τῶ αὐτὸ ὀκείσθ ἐ ὡσ
τῆσ τρεῖ τῶσ ἠ μὲρ ασ
φαλλομ τῶ μὲρομ τῶ
τὸν κῆρ καθὼσ ἴσ βῆ λω
τὸ αὐτοῖσ· καὶ τῶ τρεῖ
τῆ ἠ μὲρ ασ ἴσ πορ τῶ
τῶ ἴσ βῆσ τῶσ· καὶ μλε
ποισῆμ θῶ τῶσ ἀρεθῆ
μαῖ ἴσ τῶ πῶρε ἀδὸ ἴσ σο
καὶ ἴδου ὁ κῶ ἴσ χῶ βῆ
χῶ μὲροσ ἐ πῶ τῶ μὲ
φελῶν τοῦ ὀμωῦ καὶ
θκ μὲροσ ὄσῶ θρομ
δόξῆσ· καὶ αἰ δῶσ
τῶσ ὀμωῦ μὲρομ τῶ
αὐτῶ· καὶ ἐ φθῶσ μ
ἐ ὡσ τοῦ ξῦ λου τῆσ
ζῶσ· καὶ βῆε χῶ μὲ
κελάσ τὸ σὸ μαρτῶ
τῆσ μὲρσ αὐτοῦ· καὶ ἐ
μὲρ ὄσῶ τῶσ αὐτοῦ ὑπὸ
βῆ λω μὲρομ τῶ μὲ μ

10
πορ ὀσθῆσ αὐτοῦ· ἐθῆ κ
αὐτὸ πορ ὀσ τὸ ξῦ λου τῆσ
ζῶσ· τὸ τε κελάσ βῆ
χῶ μὲρ καὶ τῶ μὲρ αὐ
τῆσ· καὶ ἴδου ὄσῶ τῶ μὲ
φελῶν τοῦ ὀμωῦ ὄσῶ
μὲρ ἠ ἠ ψῆ μὲρ θκού
καὶ βῆ πορ ὀσθῆσ αὐτῆσ αἰ
ψῆ καὶ τῶ μὲρ καὶ ὡμ· ὡμ
οὐ καμ ἴσ μὲρ ἀμ ἴσ πορ
φῶσασ πῶρε τῶσ σῆ μ
καὶ τῆσ δόξῆσ αὐτῆσ· ἴσ
ἐ φαλλομ λέγομ τῶ· ἐ γῶσ
μὲρ τῆ μὲρ χῶ μὲρ τῶσ χῶ
τῶ τῶσ σου κε· ὄσῶ μὲρ
τὸ μὲρ ὀσθῆσ τῆσ φῆ λω
θρομ πῶσ· ἀλλῆ μὲρ
ἀπὸ λωσ ἠ μὲρ φῦ λαχθῆ
ὄσῶ μὲρ ὀσθῆσ ἀπὸ λω
μὲρ ὄσῶ μὲρ τῶ πῶ
τὸ γῆρομ ἐ λῆσ ὀμ ἠ μὲρ
καὶ φθῶσασ τῶσ πῶ τῶ
ὄσῶ μὲρ ἐ καθὲσ ὄσῶ κῶ· ἐ
πῶσασ πῶ τῶ ὄσῶ τῶ
μὲρ· πορ ὀσ κῶ ἠσασ αὐτῶ
καὶ ἐ κραβῆ μὲρ λέγομ τῶ·
ἀμ ἀπαθῆ κε ἴσ τῶ μὲρ
πῶσασ τῶσ σου σῦ καὶ ἠ κῶ
μωσ τῶσ τῶσ γῆσασ μωσ
σου· τὸ τε κελάσ ὁ κῶ
τῶ μὲρ μὲρ μὲρ ἴσ ὄσῶ

θειν ον τω σοο ματι και
τη κελαση του κυ αντη
παρεχεν μα και δε ελαμ
ψο το σοο μα αυτησ ε
παπαλασιον παρε τι
κλιον το τε παρ τω
οιθι οι θιβλοι υμνησον
υμνον οι ορμουσ ανου
η φο μα φρασαι ουδωα
ται το τε οι ανωτολοι
απο της δοξης του υ
μου εκεινου εσταν
τοις ηλθον και παροσα
ληλοισ εωροισ εκ
πλι κτοι και ανοιξασ
το φο μα αυτου ο πατροσ
ειπεν αδελφοι ορα
σιν ειδρονι αν ουδωοτε
ιχουσ διαμο ησασθαι
και ε παμο οι ανωτολοι
τω πατροσ ειπαρε
τι εωρακασ και διηκη
σατο ο πατροσ τωσ οπα
σιαν ην εωρακε το τε
απο κριθεισ οι αποφο
λοι ειπον ουτως και η
μεισ τω αυτωσ ανωραλα
κτωσ εθεασαμεθα και
αμαπαρ τωσ ανωταρ ε
δοξασαμ τον θν τον ποι
οωτα θαν μασιαν μεθα

λα και δε βια ωμ ου και ην
αρη θεοσ το τε ανωταρ
ανδρεασ ενα μεσορ των
αποτολων λεγομ αν
δελφοι και κυρι οι μου
απολαθομαι υμασ και
λεγει αυτω πατροσ αδελ
φε ανδρεα πασο ηλθα
ον τανθα και του εκ κρι
τησ τον λογον του θου ε
απο κριθεισ ανδρεασ ει
πον εγω ειμι ον τη χω
την ανω φηρον κριτησ
τον κν η μωμ ην χν οι σ
ερε δε ξαμ το μοι θλιψασ
πολλασ εθνοσ γαρ τον
τον πομηρον και εχε ομ
ποτην ανωταρ ουκ
σιν ουδε εγρητο και ε
μοσο εδιδασκομ αυτου
δε αι φησ μεφελικα πα
θοισα ηε πασε και ην
με εν τανθα υμασ δε
πασο ηλθατε ω δε και τ
βουλομενοι ποιησαι
παρεκαλει οω παρ τω
ανοιξαι το μενημα ημ
θεασηται το σοο ματη
θκου και ποιησαμ τω
αλην ημοιζαμ τον τα
φορ και ουχαρον το σοο

τησ θκου αντε εδον
ενεκασσ οι ανωτολοι
ληθει εμαι παρ πασο
τω εδοκαμ ανωτη
τω θω και ποιησαμ τω
αλην και τελοσαμ τω
το ανω παρε αυτω
μεφελικα παθοισα
ηε πασεμ αυτοισ και αν
παρ κριτησ ανωταρ
χωρασ οθεν ηλθομεν αι
και εκ κριτησ ημεις
δε τησ θκου παροσ οι
σομεν υμνον δε οδιον
λεγομ τω μακαρια
συ εν γυναιξι και μακα
ριασ ο καρποσ της κοι
λιασ σου μακαρια οι
ειδον τω σε μακαρια
οι οικησασ τω σε μα
καρια η κληρικη μακα
ριασ το σοο ματου το
βασισαμ τον ανωταρ
και ανωταρ οριτον μα
καρισ ο ταφοσ ο υπο
δε ανωταρ σε μακα
ρια και τρισμακαρια
ομεν και ημεις οι χριτι
νοι παροτασ ανωταρ
χομ τω ημερασ γαρ
και μυκτοσ παροταρ

τοι εσ παροσ τον εκσο
ποχθησ τω θν διασου γαρ
και παρ πασο μεν ελεωσ
και φιλαρτιασ ανωταρ
και ον τανθα και ον τανθα
μερα και φρικτη παρα
παση της αδελφου και
αποροσοπολησ του κρι
σεωσ και της αιωριου
ζωησ επιτυχειν της εν
χωτου τωσ ανωταρ
ημωμ ω παρε πασο
δοξα τι με και παροσ
κινησισ συντω ανωταρ
παρ και τοσ παρ ανωταρ
γαρο και ζωοποιω αν
του παρ ημω και ανωταρ
τοισ ανωταρ των ανω
μων ανωταρ
ΕΙ ΟΣ ΚΑΙ ΠΟΛΙΤΕΙΑΣ
ΟΜΟΛΟΓΙΑΤΕ ΚΑΙ ΜΕΡ
ΚΗΘΑΥ ΜΑΤΩΝ ΔΙΗΓΗΣ
ΤΟΧ ΕΝΑΓΙΟΙΣ ΠΡΟΣ ΗΜ
ΚΛΗΜΕΝ ΤΟΣ ΘΩΙΣΚΟ
ΒΟΧΛΓΑΕΩΝ ΣΥΓΓΕΩ
ΦΕΙΣΑ ΠΑΡΑΤΟΧ ΑΓΙΩ
ΤΑΤΟΥ ΚΑΙ ΑΟΙ ΔΙΜΟΧ
ΔΕ ΕΠΙΣΚΟΤΗΣ ΠΡΩΤ
ΙΟΥΣΙΑΝ ΗΣ ΚΑΙ ΠΑΡΟ
ΒΟΧΛΓΑΡΙΑΣ ΚΥΡΟΝ

Θεοφύλακτον χερμα
τίσαστος ερκωρταρτι
μοκ πολιμ, μαί πορ
τωμ εν τέρωμ. **δ**
εύτε τέκνω ακούσω
τέ μου. **δ** ατε και διη
γίσομαι υμιν παρ τω
οιφρομου μενοι τον θη
ο πασσ αν γρω γορεα
ετρεα, υιοι τε χηκοσ υ
και ολασ οκτιζομεν
αιμ ακ τον κρ. ταυτα
διδω μεν ερε κε. και η
μεσ δε μετ αυτου σημε
ρομ. **δ** α γαρ την θειαρ
μεγαλοσυνημ εκ διηγη
σθαι παρ το τε και παρσ
απαρ τασ. ου ταυτη με
ρομ, οπι τησ του θου αιμε
στωσ ουκ αιμ αει θημοσ
ωσ πατριο μεν. οσα
γαρ αν απηγαλα μεν η
λαλικασ μεν, υπερεει
θμον ε ποληθ υθ κσθ
τω λει πο μενω. **δ** αλλο
τι και τοισ εαθιμοτε
ροισ παρσ την του και
λου εργασι αρ ανσο μυγα
ζοσι, διωπαρισμοσπισ
γιμται των του θου θαν
μασι ωρ κη εψηο μεν η

μεγαλοπρεπτα. οιομ
ται γαρ οι πολλοι τουσ και
θημασ και ροισ, μεκ αντη
των ερχαιωμ χασε ησαι.
αλλα τοισ μεν παρσ τερε
χεροισ, και θαυμασι
λαμπαρ αυθημαι. και υι
οισ ανδρωμ κοσμηθημαι,
ασωματωσ σχεδον ζιστη
των ενσωματι. τη δε η
μετρεα γορεα, μηδεν
τοιουτον δουρεθημαι πω
ραθυ. οθην και παρσ τ
σπουδαομ υιομ ωσ τησ
μυωφροστωσ μεκ δεχομε
μοισ τουτον, ελεγωσ
απαρ ερε κησαι. κακασ
χρσ δε τω εκει μοι και
λιαν παρσ φλωσ. οπι
γαρ τησ φισεωσ λογοσ
αυτοσ εστι και ουκ ηλλοισ
και κατελιωτην θαντω
καμ τοισ η μετρεοισ χρο
μοισ, ανδρασ μαλαπτο
λλοισ. οι γορ μυτων κω
συρο μενωμ ουδεν η και
φαρτω, εσ δε ξαρ του
οιωι ου παρσ τω του
ου φωτι διελαμταμ
φωτηρεω εν κοσμοσ
μοτω, λογορ ζωησ ετι

χορτω. ωσ παρσ ρω
και την των μουλγαεω
χοραμ εφωτισαμ. εν
τοισ βαχαιοισ τουτοισ
καιροισ, παρσ μακω
ρηιοι και διδασκαλοι, λαμ
φαντω διδασμασι τε,
και θαυμασι. και υιωσ
λογοσ καταπαρ τω πα
ραθυ αμφι δεξιοι. ωμ
τον παρταμ εν υιομ πα
ραδι δομαι γραφη, αλ
εγομ εμοι. πολω, αλ
λακρει πορ τησ του λο
γου διω αμεωσ. ολιγα
δραμα παρσ αδε μεν,
τουτε θυ τω φιλαμιαμ
και την χερημ τεκμηρη
ωσσομαι. μεθημοσ
ορτοσ και εσο μενωμ,
πασασ τασ η μερασ
αχερ τησ σιωτελειασ
ωσ η παρσ οχαιοισ. και
δεξασ παρσ ραμοισ
ωσ ουχ η φισισ η με
ηλλοιωται, αλλα διε
πραταμ η παρσ εωτισ.
τιμσ οιω οι παρσ ουτοι
παρσ η κπει τε μαθειμ,
μεθοδιοσ. οσ τω παρ
μορωμ παρσ αμ εκοσ

μησμη. **δ** εχιε παρσ σκοπ
μορσ αμου εν ο μενοσ.
και κυριλλοσ ο πολωσ μεν
την βρω φιλοσοφιαμ, παρ
σδε την εσοσ και τησ τ
ορτων ορτοσ φισεωσ
επι γρωμοσ. μαμμο του
εν οσ ορτοσ ω παρσ τα
εκ μεφαιμο μενωμ το
εμαι ελαμομ. ουτοι γαρ
δη, διατην του υιου και
θαροτητα, θηλαμομ τω
εν θαντωισ. και δι αυτου
φομοσ συλαμ εν εν γαρ
το σπειω δω παρσ ανσοτε
κησ παρσ δομ τω, εχομ
μεν η καμωσ λογου διδα
σκαλικου. ελλαδι γλωτ
τη παρσ φρεο μενωμ. και
πολλοισ ειλικτη η τησ τοι
αυτησ σοφιασ αλυσισ.
επαρ δε το των σθλο μεν
γομοσ ει τουμ μουλγαεω.
ασωμ εσοσ ειχομ των ε
μελλαδι γλωπην σιωτεθε
μενωμ γε αφωμ, ζημιαμ
η τοιωτο το υπο μενηστω
οιγιοι. και το μεκ τον λυ
χομ των γε αφωμ επα
μαρσ παρσ τω των μουλ
γαεωμ αιχμηρεω το παρσ,

αὐτὰρ ἀκλήτου λυτῶν
ἄποιο ἄντο ὑπόθωμ· κλύ
ομ· ἐδίσφορομ· ἀποβλέ
γομ το τήμζοκμ· τί τοῦ
ποιοῦσι· πρὸς τὸν πδρά
κλήτομ ἀπο μλέ ποιομ.
οὔπερ ὁ τὸμ δῶρομ αἰ γλῶ
αται, καὶ τῆ τοῦ λόγου μ
κθεία, καὶ παρὰ τοῦ τῆ
τῆμ χάρημ τὰ τῶ αἰ τοῦ
ται, γράμματ᾽ ἀπέδξεν ἔ
ομαι δασυτῆ τι μουλ γὰρ
γλῶτῆ κσ κατὰ ληλα· ὁ
δύω κθῆμαι τὰσ θείασ
γραφασ, πρὸς τῶ φωμ
τοῦ ἔθμομ μάρημ·
ἀμείλα καὶ μητῶ ἀστομ
καὶ προσάχη ἔπι μόνω.
καὶ κακῶσει τε τῆμ κσ καὶ
σῶπτε μῆ καὶ τὰ τῶ μωσῶ
ἐκδορ τῶ ἑαυτοῦ, τοῦ πο
θομ μέρου τῆμ χαροῦ μ.
ἐμῆσ γὰρ φησικῶ, πᾶσι
τοῖσ ἐπί κалу μέροις,
αὐτομ ἐμάλ κθῶ· καὶ ἐ
τί λαλοῦντοσ σου βρεῖ,
ἰδού πάρεμι· θῶ γὰρ ἔ
μῆζομ ἐμῶ ἢ μῆ καὶ οὐ θῶ
πορεοθεμ· ἀρεῖσκοῦ
οῶ καὶ οὔτοι τῆμ τοῦ πῆσ
χάρημ, ὡσ ὄρθρομ βρομῶ.

120
καὶ φῶσ ἀρτέλεμ τοῖσ δι
καίοισ τρῶσ εωσ· καὶ ἡσ
ζῆρο αὐτῶμ ἀφροσῶμ κτ
προτέραμ λυτῶμ αὐτῶμ
ἀπὴ λασε· τῆμ ὄμ τῶ οῦ
τοῦ εὐκταίου τοῦ τοῦ χα
εῖσματοσ, ὄξεν εῖσκού
σι μέρ τῶ σθλο μέρ κσ
γράμματ᾽· ἐμ κμ ἄρωσι
δε τὰσ θεοτῶν ἄπο
γραφασ ἐκ τῆσ ἐλάδοσ τῆ
τῆσ ἢ ὅ τῶ μουλ γὰρ κμ
ποιοῦνται δσ αουδῆ τοῖσ
ὄξεν ἔρεοισ τῶμ μαθητῶμ
πδραδοῦμαι τὰ τῶ αἰ με
θήματα, οὐκ ὀλίγοι γὰρ
τῆσ διδασκαλῆ κσ τὰ τῆ
πῆκῆσ ἐπίγομ· ὡμ ἐκ
κρεῖτοῖ τε καὶ τοῦ χοροῦ
κορῦ φαῖοι, γορῶσ δσ τε
καὶ κλήμκσ καὶ μᾶου μ
καὶ γὰρ ἀρεῖσ· καὶ σῶμα
ἔπει δε πᾶν λομ ἐμῆσ
σκομ τοῖσ ἀπο ἀλοισ το
ἀαγῆ λιομ κοίμοσ ἀμ βρομ
τρέχοσι καὶ αὐτοῖ πρὸσ
τῆμ εἰσ μῆμ τῶ μακ ἀρεῖσ
τῶ τῶσ πᾶσ, τὸ βέγομ
τῆσ ἐμ κμ ἄσ τῶμ γὰρ
φῶμ ἐμ φανῖσομ τῶ· ἢ
κατκυθῆμ κθῶ αὐτοῦ

3
καὶ μῆ εἰσ κθῶμ ἔδραμῶ.
ὁ δὲ τῆ μῆ καὶ τῶ τοῖσ αὐ
ποσολικῆσ ἐμ πρὸ π
θεόμοισ ἀδριαμῶσ· τῆ
τοῦ τῶμ ἀκοῦσασ ἔλευ
σίμ, ἐχάρη μέρ χαρ᾽ ἀμ
μετὰ κμ σφ ὄδρα· ἐκ
μαίροῦ γὰρ τῆ μρομ τῆ
τῆσ πδρεῖ τῶμ ἀγῆ μ
φῆμ κσ κατὰ πλ κτ ἠ ὁ
μέροσ, ἐπὶ θεῖ καὶ τῆ
ἀρεστωῦ ἰδῆμ τῆσ ἐ
μᾶστοῖσ χάρη τοσ· ἐκ ἢ
μο πᾶσχομ πρὸσ τοῦ
θείοσ ἀμ δρασ, ὁ μμο
σῆσ πρὸσ θῆ· καὶ ὁ φῆμ
αὐτῶ ἐμ φανῖσθῆμ αἰ τ
ποθομ μέρ μ, καὶ γρο
αποσ ἰδῆμ ἐφῆ ἔμ βροσ.
οὐκ ἔτι δὲ κατέχειμ οἰοσ
τε κμ βαντομ, ἀλλ ἀπο
ἰερατῆ κομ ἀπομ σῶτῶ
πδρευε βθῶμ τι ἀε χῆ
ρατῆ κῶ πρὸσ λαμῶ μ,
ὄξεν κθῶ εἰσ τῆμ τῶ μ
μῆμ σῶμ ἀμ τῆσ μ· τὸ
τοῦ πρῶου τῆσ κμ μῆομ
πρὸσ πορῶ μέρομ αἰ
τοῦ κατὰ το εἰσοσ ὅσ ἔ
χομ, καὶ τῶ τῶ μ λ αμ
πᾶσαμ φῶ τῆ, τῆμ τῆσ

13
χάρησ ὅσσι σκ μαί μωρ φαι
δρότῆ τῶ· ὅσσι δὲ ἰ τῶ μ
ὅ τῆ καὶ τῆμ τῶμ ὅσσι ξε
μομ μέρ μωρ λαμωρο τῆ τ
οῦ δόξ ἀθῶμ ὅ τοῖσ γῆ
οισ ἐμ δόξ ἀθῶ μέροσ κσ,
θαῦ ματαπολλ᾽ ἀτε λῶ τῆ
μαι παρὰ αὐτῶμ κατὰ τομ τ
εἰσὸ δου καὶ εὐρ ἀδῶ κμ
σεμ· ὡσ δὲ καὶ τὸ βέγομ μ
φανῖσθῆμ τῶ πᾶσ, ὁ
τῆμ τῶμ γραφῶμ ἐμ γλῶ
τῆμ μῆτῶ μ κσ κατὰ σκέ τῆ
το· ἀποσολικῆσ ὁμ τῶσ
ψῆκῶ χάρη τοσ πῆ κησ
οῦσ, ἰδῆμ μ, οὐκ εἰ χῶμ
ὄχε κσ το τῆ χάρη· ἐμ
καρῖζε τοῖσ ἀμ δρασ· πῆμ
τοῖοισ ὁμ ὁ μασῖμ ἀμ ἐκ ἀλῶ.
πρῶσ· ἐπὶ πῶ θ κ τῶ τε
κμ· χάρημοι κῶ ἀμ· ἀε φῶ
μομ πῶ ἀσσο· δόξ κσ καὶ
κἀλλοισ ἐκ κησῖασ δι αἰ
δμ μ. ὅσσι τοῦ τοῖσ, τί
ποσει· τὰσ ἐμ κμ μευ θῶ
σασ μῆ μλοισ λαμῶμ, τῶ
θείοσ θῶσῖ αμ κείοσ πρὸσ κ
μῆμ· οἰ ὁμ τῆ μ ἀθ κ μ
τῶ τῶσ κατῆ εἰσομ τῶ θῶ
καὶ δῶ κρῖσ ὡσ τοῖ αἰ τ
θῶσῖ αμ κσ καὶ πῶ χῶ λῶ μ

διαβαται θσ. και εσ οσ
 μηρ αωδισ, τασ τοιου
 το προωισ και ποσ οσ
 δσ χται. τιταε τω λογω,
 λογι ασ λυπεου μενου τε
 πορο τερομ, ει ποτε τω ο
 μοιοσ πο ομοιορ κδται.
 ασο πολι κοισ τε ποισ
 αν δε ασ βωε κκλησι ασ
 εκ κρυζορ, ωσ τω παυ
 λω τον ισορ υποδιωτ
 ερωμα. και τηρ των εθν
 ποροσ φοραμ, τελει ασ
 ελι ασ τωσ ποροσ ορ βηκ
 ποσ ορ τασ. ει τατων
 εσο μενωρ ποισ αγι οισ
 οσοι και σθλο μερικωρ
 γραμματων, ικα κηρ πορε
 οχηρ και υιοσε μεω κε
 κοσμησθαι πορε αυτων δι
 δασκαλων εμαρ τυ
 ρουνο. ποισ μεν του
 πορε ουπεριου, ποισ δε
 του των διακορων. βη
 δεωσ και υποδιακορω
 μαθμου κζηωσ ορ. αυτ
 δε τον μεγαρ μεθ οδιο.
 και τοι πολλα δραπτο
 τασ και αραδυ ομ,
 επισκοπορ μοραμου
 της πορο ριασ χρεοσθα.

ουχοσι ορ ειμαι κει ρασ
 αμοι ρειν του ομοματος.
 ποραξισ θερ τατου πεα
 γματοσ. ισορ γαρ πολημ
 μεβλεισθαι ο ταν τε του ο
 μοματος τις τυχοι παμ
 πολυ διωκισ μενοσ τη
 πορεματος. και οταν ε
 ποσκοποσ τις ωρ τοις
 εργοισ και τω αξιω, ειτα
 ποροεω το τη ταζει τ
 ιδιω των υποκευατω
 και λυχνοσ ορ, υπο τ
 κλημηρ της αφαρ εασ
 τιθεται. αλλα μεθ οδιορ
 μενοσ ουτοσ, ορεω μενο
 δε χει ερασ τω επισκο
 πικω τι μεω αξισω ματι
 μαθου δε τηρ επισκοπ
 δι αυτου. κυριλλορ δε
 τον ορ ποσ φιλοσοφορ.
 Ο μεγασ δε χει ερασ, δε
 τατων γιωρ ποροσ καλο
 ται ογια. εκειλει πορε γη
 πορ τα βηδορ της σκη
 μησ της αληθινησ. και
 των μεω φηριωρ μεβλη
 ψο μενορ πορικωσ τερο
 και θειοτερορ. και του
 πορε του και ρου

κοιρορ μησορται. ωσ
 πορε γαρ βησι του υτω πα
 ραμη ραι τη σαρκι εαυ
 θεισ ιματηρ τε των γρα
 ματων δε βηρ και τ
 των γραφωρ μεβλησθαι
 ποραματασκται. με
 τατο ταυτα διακορη
 σαι τω θειω μουλη ματι,
 πορατου διδαζαμ ποσ
 αυτων των γρασοιρ θυ
 ποροσ λαμπαρ εται. πο
 ρουσ δε τηρ βητου τε
 λατηρ, το των μορα
 χωρ σκη μαρ οσ πορε φη
 ρυται. και πολλα μεν
 τουτο πορο ωρ. δια δε
 μερειο φροσωκηρ, ωσ
 μεγατι και τηρ αυτου
 ιοχιω υπορε μαρ μορα
 μαδι ο μενοσ. δε και
 δε κ μερασ βη τουτο
 διαγορ ο μενοσ. και
 φωτι φωσ ποροσ λα
 πορ, εισ οωοισ μετε
 φηου οχσ. τηρ του κλ
 ηρωμοσ κοιλαδα, τα
 του σκοτασμου σκη ρο
 ματα. τον ποκλον της
 ιλυοσ. των βη ταυ
 θα ποροικιαρ κατα

λι πορορ. και το πορα μεν,
 τω θωσ των των ποραρε
 θηκε. ποσ μα δε κειροτο
 πορο της φησι κησ μεκερσ
 στωσ της πορο αρε φη κησ
 ασο λαωσασ, υμιοισ υπο
 τε του θειου πορασα. και
 του κληρου ποραποσ φη
 λοτι μεθεισ, εγκατε τε
 θη τω μαω κλη μενοσ.
 κλη μενοσ εκειρω του
 ποσ κορυφαιω των πορο
 πολωρ πορεω πορε φη τη
 κοτοσ, και τη του χυσο
 φηω τηρ ελληρικηρ οια
 δε πορο ρη δουληρ, και
 θ υπο ταζαμ ποσ. και δε
 χται τον φιλοσοφορ οφη
 λοσοφορ. ο μεγαλωρ δι
 δασκαλοσ, τηρ του λογου
 φηρηρ ποροσ λαμπαρ εται.
 ο των εθμων καθηγητησ,
 τον ποισ εθμωσι φωτισορ
 τατο φωσ της γωσ σωσ
 ησ οικιζεται. επισμη
 ρει δε και θσ ποροσ μαρ
 τυρωρ των κυριλλωσ τηρ
 εκδεχο μενορ δεξαμ βη
 οωοισ. και τα φαιρ ο
 μενω των μεφαιρ μο με
 ποσι ειται κηρ οκασ. δα

μορῶν τὰ τε γὰρ τῆσδε
περοσθλήθον τὰ, ἰάσθη
ἀρεοτο. καὶ πολλὰς
ἀλλασμόσοισ ἢ τοῦ ἀγίου
πὸν χάρισ, μάτιζέλα
τῆρα γέγονεν. ἀματε γὰρ
τίσ ἢ τῆσδε περοσθλήθον
ἢ τοῦ μομα εἰσ κἀλλεῖτο
τοῦ θεοφύρου τοῦτο υπεσ,
καὶ τῆσ τοῦ λυποῦντοσ
ἀπαφασθῆσ, μέρον τῆσ
πὶ τῆσ εὐρεῖσκεν. ὅθεν
πολλοσ ἄποισ εὐμαίωμ
πόμασιν ὁ κῦρεῖλλοσ εἰ
κειτο. καὶ πολλοί ωρ ἐν τῆ
ψυχῆσ ὡσ εἶμαι. τὰσ μὲν
θαυματοεργίασ, τῆσ πε
ρεῖ αὐτοῦ δόξισ ὑποθῆν.
ταῦτην δὲ τῆσ πῶρεῖ τῆσ
τόρασ τίμησ ἐπίμασ.
τῆσ δὲ τοῦ ἀγίου τίμησ,
τῆσ τοῦ θῦ δόξισ με καί
ωσιν. ἀλλὰ κῦρεῖλλοσ μὲν
οὕτωσ, ἢ τε λάτῃ τίμησ
καὶ παρὰ τοῦ θῦο πάτοσ
πάτωσ, καὶ παρὰ τοῦ
θῦο πᾶσι μὲν. μέθοδι
δὲ, τὸν σῆμασ μορῶπο
μαλῶν καὶ σῶε μωροσ.
τὸν πασῶν τῶν καὶ ἐν σθε
κί. καὶ ἐν κῶ γρησῶμα δελ

φορ. λῦση μὲν τῆσ καρ
δίαν ἐμαλῆσ. πάσῶν
τοῦτο δὲ τὸ ἀμίμον. καὶ σῶ
μηθῶσ ἀλλοσίμοσ ἢ. πᾶ
ρεκἀλλεῖ το δὲ τέρωσθῆ.
οὐδὲν ἢ τῆσ ἢ μὲν καὶ μᾶ
λλον ἢ πῶρεῖν ὄχον τ
κῦρεῖλλον, τοῦτῆσ διδα
σκαλίασ ἐργου σῦλλῆπο
ρα. ὅσῶ καὶ θῶσ πᾶσῶσ
ζορεκ τὸσ σαρκῶσ, ἀμῶ
σῆμοσ τῆσ ἀμ ὄχον τῆσ π
ρεκσίαν. ἐπεὶ δὲ καιροσ
ἢ μὲν δὲ τῆσ πῶρεῖ τ
παμορίαν ὁδοῦ, καὶ ἐδὲ
λοῖσ πῶρεῖ τῆσ τῆσ χα
ταῦτησ ἐπίσκοπῆσ ἀ
πιδῆν. πῶρεῖ χυθείσ το
μῆσ μα τοῦ ἀδελφου.
καὶ θᾶμῶ τὸ φίλον ὁ
μομα, τὸν κῦρεῖλλον ἀ
μακἀλλῶσ ἀμῶσ. καὶ τῆ
σοσ ματῆσ κῆσ μὲν ἐρεκ
ἀμακλασ ἀμῶσ. τῆσ
δὲ τῶν πῶρεῖσ ὡρ χεῖ
ρα εἰσ μοκῆσ ἐπίκα
λῶσ ἀμῶσ, ὁδοῦ σῶ
τοῖσ μαθηταῖσ εἰχῶ
ὡσ δὲ τὸν μοραμορ κα
πᾶσῶσ, αὐτὸ τοῦτο ε
πίσκοπῶσ ἢ. ὅσῶσ

ἐσπῶλου χροῦ ματατῆ
τοῦ ἐπίσκοπου εἰκομί
ἐπεμαλῆσθῶσ, θᾶμῶ
ἐπεδεικῆ ὕμῶσ. καὶ
πᾶσῶν τῶν πῶρεῖσ,
τὸ διδασκαλίκομ. οὐγὰρ
κατοεῦξασ τὸ παλατό.
οὐδὲ τῆσ χάρισ ἀποκλεί
σασ τοῦ πῶρεῖσ δῶροσ,
τῆσ ἀεχῆσ πῶρεῖσ ἀεχ
ἐποισῆσασ. ἀλλὰ πᾶσῶσ
ἐκρητοῦ τοῦ ἀγαθοσ. ἀ
ματέλλωρ ἐπίσκοπῶ
λόγου τὸν ἢ λῶσ. καὶ πε
ρεῖ τὸ διδοῦναι μὲν ἐν διδ
τὸ ἀγγελικομ σῆσ το με
πῶρεῖσ. ὅσῶσ καὶ πῶρεῖ
ἐπίσκοπῶσ, οὕτωσ τῶ
λόγω τῆσ διδασκαλίασ
περοσῆσασ. καὶ ταῦτα
μὲν ὄκῆσ δῶσ ἀμῶσ τῶ
ματῆσ, πᾶσ ὅσῶσ ἐπί
πᾶσῶσ τὸ εἶτορ καὶ τῆσ π
ρακαταθῆσ κῆσ ἐλαμῶ.
καὶ τὸ οὐαῖ, ἢ δὲ τῶσ
ποπόλοσ μὲν ἀγγελίξ
μῶσ ἀποκλεροῦ μῶσ,
οὐκέ μὲλε τῆσ διδασκα
λίασ ἀμῶσ εἰσθε τε καὶ
περεῖ εἰσθεσ, καὶ ὄλησ
τῆσ ἢ μῶσ μῶσ ἢ κῆ
χῆσ τῶσ ἀλοτῶσ. ὅ
πῶρε μῶσ καὶ κῆσ ὄμα

τῶ τῶσ μῶσ τῆσ γῶ
κῶσ τῆσ. ἀμῶσ. καὶ τῶ
τὸ πεδὲ χροτῆσ μοραμο
εἰσθῶσ καθεκῆσ
οὐδὲ εἰσθεσ πῶρεῖσ.
καὶ τῶσ θῆσ ἢ τῶσ
εἰσθῶσ τῶσ τῆσ τῆσ.
ἀλλὰ καὶ τὸν τῆσ πῶρεῖ
σῶσασκῶσ κῆσ ὡσασ.
κῶσ τῆσ ὄμοσασ τῶσ,
πᾶσ ἀμῶσ ἢ καὶ μοραμο
τῶσ, τῶσ μῶσ κῶσ
σθῶσ. καὶ τῶσ εἰσθῶσ
ἀποπῶσ τῶσ κακοῦ. οἱ ὄ
τῆσ χαλῶσ ἀμακροσ ὄ
μῶσ καὶ ἀμακροσ μῶσ.
οὐ μὲν ἀλλὰ καὶ τῶσ
μουλγῶσ ἀεχῶσ τῶσ
εἰσθῶσ. ὅσῶσ τῶσ
εἰσθῶσ μῶσ ἢ εἰσθῶσ
χῶσ ἢ, καὶ τῶσ ὄμο
μασ μεθῶσ, καὶ πᾶσ
μῶσ, τέκροσ ἐποισῆσασ.
καὶ τῶσ οἰκῆσ γῶσ τῶσ
τῶσ πᾶσῶσ τῶσ ὄμο
τῶσασ. καὶ τὸ πεδὲ τῶσ
τῶσ λόγωσ ἐμῶσ τῶσ
διελεῖσ πᾶσ εἰσθῶσ
μῶσ. ἢ γὰρ ὄμοσασ
οὕτωσ. καὶ ἀλλοσ γῶσ
δὲ τῶσ. καὶ τῶσ ὄμοσ
κῶσ. ὄμοσ καὶ τῶσ

μουλγαρων έθνος του
θειου τε καταζιωθαι με
ατισματα και χρισιω
μιζειν κεξατο. οτε δη
και οι γιοι ουτοι κυριλλ
φ κ μ και μεθοδιος,
το πληθος των παδο
των ιδου τω και ως
πολλω μεν γενηται
τεκναθω, δι' υδατος
τε και πνεος, και τροφης
λε παμπουσ πρι κησ
δδονται, γραμματα
τε δε ευροντο, καθαπρο
ρεκαμεν και τιωτων
γραφων επι το μουλγα
ρικον μεθαθωι με ποιη
σθητο. ιματιασθρη κηθε
τατε κρατουθω καιθει
τροφης ικαμωσ εχοιθρη
και εισ αυζη κη πρι κηκ.
Εισ μετεορ ηλικιασ τη
χουαυτε εχοιθρη και ου
πουσ τις σκυθικησ πλα
μισ το μουλγαρων εθρος
απαλλαγθρη, τω αλκθιη
και απλαμ εαυτημ οδ,
τομ χησ βαε γουσαμ. ο
ψε μεν και παρει τημ θη
δδκαυτη η δω δεκαυτη.

15
τομ θειομ οδων αμπαθω
μαι εισ ελκλυθος, τη τε
καλωαμ ποσ χαεη τη. θηε
τη γαρ δε ακισχιλιοσ πο
ρι ακοσισ πο εμεδο μεκο
ειδο μεω της του κοσμου
γηνωσσω, η τουτου του
γηνωσ κλησισ γηνωηται
ου κελ η γηνωω ο με γασ
μεθοδιος πασαμ μου
θωι αμ τοισ αεχοιωμ προ
σγασθρη ακαπο τε και του
το μεν, παροσ μεορ σε με
οδ κηωμ. τουτο δε το της
εκκλησιασ απασε αποικη
τομ δογμα παραπιθεν,
οιορ τιμ ομιοσ μαυιασθ
λεικον και ακι μεδηλομ
και ταισ ψυχαισ αυτωρ θη
σφρηγιζωμ. απε παι μου
λαπομ τε και ασυλομ, ησ
γασ η σαμ οι τουτο και το
τε παρα χαεαπι ομ τω
και μεθακιμ ομω τω ορειω
αυ οι παροσ η μεορ τη εκ
κλησιασ τουθω εθρομ το
και τη υπο των απεα
μωρ εισ γρη μεν κη παροσ
φθορω, πολλοι τασ
ψυχαισ εβλασθημ το



6
οι τον μεν υιομ γηνωηθη
μαι εκ παροσ. το δε παω,
εκ του υιου εκ παροσ ε
υθαι, δι' εθμομ το.
οισ ογιος απθι σαμεν.
τουτο μεν, εκ των τα
κυλογωμ. τουτο δε εκ
φωμωμ παρει κωμ, λογισ
μωσ καθηρει και π
υτω μαυ τουτωμ κατα
της θειασ γουσ σωσε
παιρο μεθρομ. πολλη
δε και η χημωω τιζθη
εισ τημ παχοημ του
χου μεθαπι θεσ απο τ
πλαμου λοξησ. επι
την αλκθιη κη και αμω
μητομ και τι μεοσ
δε γουμ δε αμαζιωμ και
δι' αυτουσ πο μαυθωσ
πιο μεθροσ και λεγομ
οθθη τοισ παποισ και
θεκαθημ παλατισμοσ
ε παρημωσ και ο λογ
τουθω ηυξαθημ. ο πα
ρει της των αποσολων
διδασκαλου και λεγομ
τουσ ακηκο μεν. η μου
λει δδμοι εκειμ το πα
λαιομ. ο μεν οικουσ
δδω ε παροσ εθω. ο

Handwritten notes at the bottom of page 16.

δδ οι κ σαουλ υπε ποδο
ζε καθοκατω ελατισμου
μεθροσ. το δε των αιρε
τικωμ συσκημα τη του λο
γου δων αμθ και τη αλκθει
μηκο μεθρομ, ο μεομ ηδω
μαμ το, μαμωμ δε παρω
του παροσ αυτωμ υπε μα
χλομ το. του δε αε χησ αμ
θεσ ποκτομου, και τω
κακοποι ημ εθκαυω μεν,
τουτο δη και ειε γαθρομ το.
μυριασ κακωσθη. και
παρ εασμοισ τον γηορ θλι
μομ τω. ε πα και τον ο
σφωτω πολικουσ μεθα
ρασισ θλαμομ κεξε μοραυ
μου παρει ελθουμ τω απα
τη. μαρ μαρομ αμ δεωσ
του κηλουσ ημεροητομ, ο
λομ της δδξησ εαυτωμ ε
ποιησθημ το. τι δε ου κε
μελεμ εκειμωσ. αμ δεω
ποδορ ηδωμ ωμ γωμ ακη
ωμ, και τω μορεμωσ τ
μυσαρωμ η κηλι ο μεθροσ
μυζωμ, εκειμοισ μεαλλω
διδομαι τω οι κησ αμ γουσ
μεω τοισ θωραμ αυτωμ πε
ταπαθη πασαμ αμοιγου
σιμ, η μεθοδιω τω πασ

Handwritten notes on the right margin of page 16.

κιδορμὸς πικρῆς φυχολε
 θεορσικλί τεύουπι· ὅπρ
 γὰρ εὐνόμια ἐκείνος
 ὀπκὸς τῶν ἀνομοιωμῶν
 ζασαίρεσθωσ· ὄζει εὐε
 πρὸς το μαθητὰς ὅτι
 ἀπᾶσθαι πλείονας, τοῦ
 τοδὲ καὶ τῶν ἀπρῶν
 ἀνοκτομὲ πῶν ὀκισε·
 τὸ τοῖσ ἀμαρτάνουσι φη
 μι· πᾶν τω σὺν χωρεῖν
 ἀπό μωσ οὐτω καὶ αὐτῶν
 λαίπῳ ρωσ· ὑπὲρ ἐν
 τοῖσ αὐτῶν σὺνπιθῶσθαι
 Δόγμασι· καὶ μὴ ὀρεῦ
 πδρὸν ἐν διδῶμαι, ὑπερ
 τοῦ δόγματε εὐλομ κερ
 λησαι· ὡσ πδρ ἀμῶτι
 μὴ ἀλλήλοισ ἀπ τὴ διδοῖ
 ἐν· ὁ μὲν κοπρίαν· ὁδὲ
 μαρμωρον· ἀξί οἴγε τ
 τοιοῦτων ἐκείνοι θησαν
 εἰσμάτων τῆσ πρῶμα
 τῶσ· ἐν κὶ τὸ σμῶπ
 ρευμαρ ὑπαρῶν, καὶ τὸ
 ἀντὶ λαγμα μεδβλυε.
 ὑπο τούτων οὖν ὀσφιν
 τὸ πλῆκος διαφθαρεις
 τῶν πᾶν ταχαρζο μῶσ
 αὐτῶ, τοῖσ μεθοδίου λό
 γοισ ἐλαχίτω προσεῖχε
 τογμῶν· τοῦ μαρπίου

ὁπρῶν

μὲν οὖν· καὶ ὡσ ἐχθρῶ
 προσέφθέρτο· μεδβλυ
 γμα γὰρ φησὶν ἀμαρτῶ
 θεοσέμῳ· καὶ τοι τὴ μῶ
 οὐ κέλεγε μίλαρον· τίδὲ
 οὐκ ἐπὶ ληφῶν ὀρεῶν
 μῶσ τοῦ ἀρχοπι· τῶ
 το μὲν, ἀπὸ τῶν θείων
 γραφῶν· τῆν τοῦ δόγμα
 τοσ εἰσ ἄρον ὀρθῶ τῆ τᾶ
 καὶ ταῦτασ προσέχῃ
 ὡσ τὴ ζωῶν πρὸς ζῆν
 σασι· καὶ πικρῶσ οὐτω
 τοῦ σπῆου, διαπληθῶ μῶ
 ὀτε γὰρ κῶ, ἐν τῆ ἐν κη
 τῶν γραφῶν τὴ ζωῶν
 κείσθαι ἐδιδάχθη· ἡσᾶ
 τὲ ἀντὶ λειν κὶ μῶν ὑδωρ
 οὐκ ἐκ τῶν αἰρέσεων μαρ
 μῶρου· ἀλλ' ἐκ τῶν πικ
 τοῦ σπῆου ἐν τέλῃ ται·
 τοῦτο δὲ καὶ ἐκ φουμῶν·
 ὡσ ὅ τοῖσ αἰρετικοῖσ
 προσέθιτο, καὶ ἐαυτῶν
 διαφθερεῖ καὶ πᾶν τ
 τοῦ ὑπαῦτον· τοῖσ ἐ
 χθροῖσ γινο μῶσ εὐε
 πὶ χῆρετος, καὶ ἀχῆ
 ρωτος· δὲ σέ μῶσ ἀρ
 κὰν προσολίτομ ἀμθ κ
 ἀλλ' ἀπὸ χρομῶσ πδρ
 βαντῆν καταρρεῖ· ἴμω

μὴ κακίαν εὐσεμῶσ μᾶ
 θωσὶ· καὶ ταῦτα ἔλεγε
 μῶσ τῆν αὐτοῦ τελευτῆν,
 τῶ ἀρχοπι πρὸσ γῆν
 σθῆαι· ἀπὸ οὖν καὶ κα
 ταπᾶσ τοῦ γῆου πρὸρ
 ρήσεις γέτομε· καὶ τῶ
 ὡσ μεθ' ὀδῶσ ἐν τοῖσ
 ζῶσιν ἐξ ἑσᾶ ὀ μῶσ
 ἦν, οὐπεὶ ἀρχοπι τῆν ὡ
 Διματῆσ καρδίασ ὄζει
 ρεκζῆν· ἀλλ' εἰ χῶ τῶν
 μασιλίσκομ τοῖσ ὡοῖσ
 τῶν ἄσπιδων ἐκρεῦ
 πὸ μῶσ τε καὶ ἐν τρε
 φῶ μῶσ, οὐτε κὶ δὶ κη
 τῶν οἰκείαν ἐπὶ γὰρ μᾶ
 σίτω· ἀλλ' εἰ χῶ μῶσ ἐν
 τῆσ μῶσ ὀρτο τὸ ζῶσ,
 καὶ τῆν ὀ μῶσ ἀνέ σίλ
 μου· οὐπω δὲ μέλοσ
 ἀπᾶσθαι ἐν καρδίᾳ τῶ
 ἐχθροῦ· οὐδὲ τὴν χῆρα
 τῆ πλῆκτῆ ἐπὶ κὶ ρίζῆν·
 ἐπὶ δὲ ὀ τε γῆ οὐσ ἀπῆν
 καὶ κ κακίαν πᾶσα παρ
 οὐχί πῶσ παρ ἀπᾶσ
 ματῆ καὶ προσοσ πείσο
 τῆν ἄσκημο σὺν κη κα
 ταλύ πῶσ· ἀλλ' ἀκα
 τῆν τῆσ πῶσ ὀρ κησ ὀ φη
 ἀναισχίω τῆσασα· καὶ

δι' ὀ γῆομ καταπῶσ ὀρθῶ
 Δόξωρ ἐγῆρασ, τὸ τε δὴ
 καὶ ὀ θῶσ τῶν ἀρχοπι τῶσ
 κηλαπῶν οὐκ ἐνέ λφ τῆν·
 ἀλλ' ἀπᾶσ μῶσ ὀ σερῶν·
 τὸ τε δὲ ὀ μῶσ Δῶσ· τῶ
 τὸ τε δὲ ἀρχοπι τῶν οἰκεί
 αν πρὸ εἴπτε τελευτῆν με
 τᾶτε εἰσ ἐσο μῶσ κὶ μερ
 τῶν σὺν κη πῶσ ἀνέσε,
 με μᾶσ ὀ σὶν τῆν πρὸ ρεκ
 σὶν τᾶτῆν ὡσ ἄσ κρῆμο
 ποιοῦ μῶσ· εἰ γὰρ κὶ πρὸ
 ρεκ σὶσ, πρὸ φη τῆν αὐτ
 ἐπὶ ὀ ὄσ ὀρτομ ἐκ μᾶσ
 καὶ τῶν μεδβλυ τῶν τῆν
 πρὸσ φῆσ ἀμ λαχομ ταπῶ
 πῶν, πρὸσ δηλομ, ὡσ καὶ
 τὸ πᾶσ αὐτοῦ τοῦ σὺν κη
 μῶσ ὀρτομ, πῶν κὶ ὀρ
 καὶ θεὸσ πῶσ ἀσπῶν· καὶ τοῖσ
 ὀ μῶσ κη τῶσ αὐτοῦ σὺν κη
 λῶσ, μῶσ μῶσ πᾶσ ὡ
 μῶσ δὲ τῶν ὀ μῶσ ἴν·
 καὶ τοῖσ ὄζει τῆ ρῆοισ αὐ
 τοῖσ πᾶσ ἀκαλεί· καὶ σὶ
 ρίζει ἐκ μᾶσ· κδλομ γε
 κλῆρομ τοῖσ πᾶσ ὀ μῶσ
 κείμοσ διαπῶσ ὀ μῶσ
 καὶ τῶν κη μῶσ πᾶσ
 ζῶσ ὡν κὶ μῶσ ὄρ κησ,
 τῶν τοῖ αὐτῶ πᾶσ ὀ μῶσ

ταυτῶ κτήσεται. τίς οὐ
κλῆροσ τάχα ποθεῖτε
μαθεῖν; τὰ τοῦ θύλου
αὐτῶ ἐπιθήματα, ὡς
χρῆσιν καὶ λίθον τιμίον
πολλῶν. καὶ σοφία ἢ
κεεῖ πορὲν ἀπορευσθῆ,
ἢ χρῆσιν καὶ ἀργυρίου θη
σαυροῖσ. οἶδατε γὰρ φη
σιν ὡσπλάγχμα ἐμῶν,
τῆν τῶν αἰρετικῶν ἐγκλ
κία δύνανται. καὶ ὁ πῶσ
θολοῦνται τὸν λόγον τῆ
θύ, πᾶν ταυτεροσποντῆ
πλκσίον ἀματροσπῆν
θολοῦνται ποτίζειν ἀπὸ
δάξοισιν. διὸ ταῦτα
προσλαμβάνομεν
καὶ προσγορῶν. πῶθα
μότη ταυτε καὶ ἀνακρο
τικῶν. τῆν μὲν τοῖσά
πλουτέροισ. τῆν δὲ
τοῖσ δὲ λοτέροισ. ἀλλῶ
μῆν ἀμφω τέρωθεν κα
λῶσ ἐχρῆταισ ψυχῶσ ἐλ
πίξω καὶ εὐχομαι. οὐ
τε γὰρ πῶθα μότη τι λογ
πῶσ ἀσκήσεσθε καὶ δι
απίσ κενῶσ ἀπατικῶσ
λαοσ μθῆσθε. τεθε με
λίωσθε γὰρ ὅσπ τῆν τῆσ
ἀποσολικῶσ ὁμολογί

170
καὶ διδασκαλίᾳσ πᾶσαν.
ἐφ' ἣν τῆσ ἐκκλησίᾳσ ὡ
κοδομημένοισ πύλαι ἄ
λου οὐκατισχῆσοισιν, πῶ
ποσ γὰρ ὁ ἐπὶ γῆ λαμῆρ.
οὔτε φουδρῶ τῆν τοῦ
τῶν καρδίῶν πῶτεγοσδι
ασθῆσθε. ἐμαθῆτε
γὰρ μὴ φοβῆσθε ἀποῦ
τοσ ἡμέρασ, ἀλλ' ἀπὸ
τῶν ἀποκτόνοντων τὸ
σῶμα. τῶν δὲ ψυχῶν μὴ
δύνανται κακῶσαι.
μαθῶν μὲν οὖν τοῖσ ἀ
λοῖσ ὅσπ κρείζετε φύλα
τῆν τῆν παρκαταθήκ
ἢ παρ αὐτῶν ἀποσολ
καὶ τῶν κατὰ καιροῖσ
πῶν ἐλαίω μὲν, ἢ ὡ
πῶ τῆσ οἰσιν ἡμῶσ ἐν
μῆρα ἀπταποδῶσεωσ
ἰδου προειποσ ἡμῶν. ὅ
ἀμαρτίασ ἐνόχοσ δι
αυτοῦ προειπῆν ἐποίη
σα. ὅ, μὴ γὰρ κληροσφῆ
καὶ ἐλάλησαι αὐτοῖσ, ὡ
μαρτίαν οὐκ εἶχον. αἰ
θοσοσ εἰ μὴ ἐκ τοῦ αἰμῶ
μῶσ. οὐ γὰρ ὑπῆρξεν
μῶσ τοῦ λαλῆσαι ἡμῶν.
ἀλλ' αὐτῶ τοῦ σκοποῦ ἐ
ροσ κατὰ τὸν ἰεζεκίλ

ἔπι γῆσ κῶσ. ἀλέπε
τε πῶσ ἀκρίωσ πῶρε
πατήσθῶ. μὴ ὡσ ἄσο
φοῖ, ἀλλ' ὡσ σοφοῖ. καὶ
πῶσ φύλακῆσ τῶν
τε αὐτῶν. καὶ τῶσ ἀδελ
φῶν καρδίᾳσ τῆσ κῶ
τῶ. ἐν μῶσ γὰρ πῶρ
λαμῆσθῶ. καὶ ἐπὶ
πῶξερ πῶλεωμ πε
ρεῖσ πατήσθῶ. καὶ γὰρ με
τατῆν ἐμῶν τε λατῆρ
σθῶσ μῶσται καθῆ μῶσ
λύκοι μαρεῖσ. μὴ φειδο
μῆροι τοῦ ποιμῆσ οὔτοῦ
ἀπατῶν τὸν λαοσ ὅπ
σῶ αὐτῶν. οἶσ ἀπῆσ
τε φερεῖσ τῆσ πῶσ. Ὁ
πῶλοσ ἡμῶν, ταῦτα δι
ἐμῶσ διὰ πῶσθῶ. ὅδ
ἐπὶ πῶσ τῶσ θῶσ καὶ
πῶρ. καὶ ὅδ αὐτοῦ προ
αἰωμ ῶσ γῆσ μῆσ ἀπὸ
θῶσ μῶσ. καὶ τὸ πῶσ
τὸ γῆσ τὸ ἐκ τοῦ πῶσ
ἐκ πῶσ μῶσ, ὅδ κῶ
σῶ μῶσ εἰσ πῶσ τῶ
ἀλήθειαν. καὶ ἀμῶσ
πῶσ ἀπῆσ. εἰσ κῶσ
μῶσ εἰσ κῶσ
λῶ. Ταῦτα καὶ πῶσ

18
τούτων ἄσων, τὸ πῶσ
τοῖσ δὲ εὐφροσισαῖσ αὐτῶ
ἐν ὄλοισ. καὶ ἐν πῶσ
ταῖσ ὁδοῖσ φύλακῆσ
ἀγῆσ δὲ δῶκε. τῆσ τῶ
μῶσ, πῶσ τῶσ ἄκοσ
τοσ τῆσ ἀεχῆεσ σῶσ
πῶσ. πῶσ δὲ μῶ
χῶσ καὶ κῶσ οὐ τῆσ
αὐτοῦ μῶσ, ἀλλ' αὐτῶ
τῶν ἀλλῶσ σῶσ
γῶσ μῶσ. οὐ γὰρ ὅσ
πῶσ τὸ ἐαυτοῦ, ἀλλ' αὐτῶ
τῶ τῶν πῶσ ἡμῶσ
σῶσ. καὶ ῶσ καὶ ἡμῶσ
τοῦτο ῶσ μῶσ, ὅκα
ἀλλῶσ ὅσ φέλει. δῶσ
καὶ τὸ πῶσ τῶν πε
μῶσ καὶ διακόμῶσ
καὶ ὑποδιακόμῶσ. ὡσ
καὶ τελευτῶσ, διακοσ
οσ τῆσ ῶσ τῶσ οἶσ
ἐκκλησίᾳσ ἐκκαταλέλο
σῶσ. ὅσ οἶσ τοῦ μῶσ
μῶσ τοσοῦτοι, πῶσ
εἶσαι τῶν λαῖκῶν τὸ πῶ
θῶσ ὅκα σῶσ. ἐφῆσ
δὲ ἀρα τούτων τῶσ
τῶσ, γῶσ δῶσ. ὅσ καὶ
πῶσ φῶσ ὁ λόγῶσ, ἐν
τοῖσ μαλῆσ τῶν μῶσ

ὁ μιλκτῶρ ἀποκρίθ μκ
σβρ. οὐ καὶ ἀρχι ἐπίσκο
ποσ μοράμου παρ' αὐτῶ
τοῦ αἰγίου ταύτλα πᾶσι
ζῶντος ἀρεκκρεῦτήτο.
ἀλλὰ γὰρ οὐκ ἠέ κερή
πᾶν πολμοσ πλκθῶ τ
αἰρετικῶν, τὸν μεθόδιον
ἔχειρ καὶ μεταθᾶν απομ
ζῶντα ἀρτὶ μαχον. ἀλ
λα δεῦτε εἰ πορτεσ γο
ρασδὴρ καταδῶν ἀφεύσο
μὲν τε καὶ βρεδρεῦσο
μὲν. ἀπόμιοσ γὰρ ἐφῆρ
κὴ μὴ οὐ μίσοσ αὐτοῦ. καὶ π
ρηλλομῆσαι αἰ τρεῖ μοι αὐ
τοῦ. καὶ ὁ ρειδίζεῖ κὴ μὴ
ἀμαρτὴ ματα. καὶ εἰς κὴ
οὔτοσ ἐσθῆ κ, δρ αμῖω
κ δρ κὴ μὴ οὐ μεθόδιος,
καὶ τοῦτο μὲν τῆσ ἐπί
σκοπῆσ δὲ χῆσ παρ α
λύοσι. βίχλι σκοδε
τίμα τοῦ τῆσ αἰρετώσ
ἀκράτου μεθίσθεντα.
καὶ ἀλλοσ μεθῶ εἰρηδῶ
μάμρον. καὶ μεθῶ τοιδι
ἀποῦτο παρ' αὐτοῦ μεθῶ
λίου τῶ τοῦ ἀμαδέ ματ
σαπαρᾶ παρ' αδοθ βῆ τ
μη αὐτοῦ θῆ ασοῦ τῶρ σῆ

185
αὐτῶ μαίρο μαίρω, τοῦ
τομῶ πόροι καὶ ἀγῶν τ
τοῦ μεθῶ διου. καὶ τρεῖσ
σῆχτο μὲν τᾶσ ἰδιότη
τασ, ἐπὶ τὸν θεό μορ ἀρ
ροισί. μαλλον δὲ τὸν θεό
μορ δι' αὐτοῦ κατὰ τοῦ
καὶ ὁ σοσ δι' αμεθῶ διον,
βῆ δδοξοσ κὴν. καὶ τῶν πολ
λῶν παροφαιρο μὲνροσ,
τοσοῦτοσ, δι' αμῖ χλῖσκο
τῆ τῆσ ἀδοξίασ κοιλαδι
ἐπὶ κληρόμρον. ἀλλο
μὲν, οὔτοσ τῆσ ἐπίσκο
πῆσ παρ' αμοσ καὶ
μὴ δρ αὐτῶ παροσ κκομ
ἐδραζατο. ἐστω λαμ
τῆρ τῆ μῶ. καὶ ἀρ τῶρ
ἠγκ σαμῆροσ. καὶ τὸν ὕ
ποθῶ κληθῆντα, τῶρ α
ρῆ δι' ἀραχίομοσ ἀμαρ
τολῶ παρ' ἀκωρῆ σᾶμ
κεφαλῆρ δὲ κ αἰρετώσ
αἰρεθ. καὶ κατὰ τῆσ ορθο
δοξοισκσ πλκθῶσ τῶ
μεθῶ διου μαθητῶν τῶ
εἰ αἰ. καὶ δὴ θεοῦ μῆσ
τῶ. καὶ τοῖσ τῶ τοῖσ ἐ
παρ' αταρ τῶ, δι' ἀπῆφ
σῆρ ἐπὶ τοῖσ μεθῶ διου.
λόρισ τοῖσ ὁδοδοσί.

9
καὶ μεκεοῖσ, ἀρού φερῶ
παρ' οσ δι' ἀκεισθῶ. ἀλ
λαμῆ τῶ ζῶρ τῆ ἀρχι ἐ
πίσκο πωσῶν ἴφασθῶ.
καὶ ὁ μελογεῖτε ἐκ παρ
οῦ ἰβρην θῆντα. βῆ
οὔ τὸ πῶν ἐκ πορεῦο
μῆρομ. οἰδὲ δι' ἀγορασ
δου καὶ κλη μὲν τοσ ἐ
φασαμ, ὅτι μὲν μεθῶ
διοσ ἐπὶ ζῆ, τοῦ κῶ πᾶ
τοσ ἐ μάθω μὲν. πο
τε μὲν τὸν εἰσ αὐτορ πῆ
φεύσαρτα, καρ' ἀπο
θαμῆζῆ σῶθαι, φασκομ
τοσ. ποτε δὲ δι' ἀδοξο
τοσ τὸν θῆ τῶ ἀμαρ
καὶ ἰσακ καὶ ἰακωβ
ωσ ζῶσῆρ, ἀλλοῦ μεκε
ἐπὶ λέγῶθαι. τί οἶω
ἀμαρ τᾶν οσ μὲν. ὅτι
βῆ θῶ ζῶρτα, δι' ἀ
σκαλον ἔγω μὲν τῶ
κῶσ κὴ μὴ σῶορτα
καὶ σῶλλαλοῦντα, ὅ
καθ' ἡμῶν σῶε πῆρομ
ρῶορτα. τῶ δὲ καὶ
κὴρ τᾶν τῶ πῆ σῆρ
οὔτοσ καὶ μῶ ὑπο γλ
φῆσ μαρ τῶρου μῆκ
οἰασῶν εὔρομ τῶ, οὔ

159
θ' ὑποπῶρ ἀπῶρ σῶ
τεθῶ μῆρτω, οκμοῦ μῆρῶ
πῶ μαλεῖν εἰποῖσ ἀμαρ
μαπῆ. τοῦ πᾶουλου δι' ἀρεκ
κρ μοσῶ τοσ. εἰ τῶσ ἡ
ἀρβλίζῆαι παρ' οσ παρ
λαμῆσ, ἀμαρτε μαῖ ἐφασ.
ἠ μεῖσο γὰρ πῶν μῆρ ἡ οὔ.
ἐπὶ καὶ πῶν ἀζῶσ καὶ ἀλ
θείασ αἰ καὶ ὁ ἡ οὔ. καὶ
μοῦ ἡ χῶ τὸ πῶν τῶ φῶ
μῆρ. βῆ ἡ οὔ δὲ τοῦτο προ
ερχο μῆρομ, οὔτε με μα
θῆ καμῆρ οὔτε μαθησοῦ
οὔτε τῶ πῶ σῆρ κσο με
θα, καὶ χεῖρομ ὁσ ἀπῶ φῶ
ἡ οὔ μῆρτα. οὔ ματορ γῆασ
μῶρ τῆσ τοῦ γῆου πῶρ σῶ
εἰ τοσ. ἀλλ' ἐκ παρ' οσ μῆρ προ
ἰεμα τὸ πῶν. καὶ φῆρ τῶ
τορ αἰ τῶρ καὶ παρομῶ λέω
τορ τοῦ ἡ οὔ τῶρ κῶ τορτα,
παρ' οσ φεῦ καμῆρ. εἶμα
λε, καὶ τοῦ ἡ οὔ οἰ κείορ.
καὶ δι' αὐτοῦ χρο κείοθαι,
τοῖσ ἀξῆοισ ἐκαροτε. ἐ
τερορ δὲ τὸ ἐκ παρ' οσ εἰσθαι
καὶ ἄτερορ, τὸ χρο κείοθαι.
τὸ μῆρ γὰρ, τοῦ πᾶσ εἰρ
καὶ τὸ πῶν ἐκ φῆρ τῶ κορ.
ὡσ γὰρ ὁ ἡ οὔ ἐφῆρ ἐκ τῶ

πρὸς ἰσχυρῶν, οὕτως τὸ
πρῶτον ἐκ τοῦ εὐαγγελίου, τὸ δὲ
χρηγεῖσθαι, οὐ τὸ πᾶν
εἶναι ἀκλῶν. ἀλλὰ πάλου
πισμὸν ἐν δὲ κρύπτει καὶ
διὰ δόξην, καὶ ἵνα παρὰ
ἀγγέλῳ τῆρι τὸν λόγον
ὡς εἰς χροεῖ φωτισμοῦ,
ὁμολογῶν μοι μασιλέω
τῆρι πάλουτον μαθησάπο
λίω ἐκ τῶν οἰκείων θκ
σαυρῶν προελλό μόνον.
τούτων δὲ τὸν ἵον παρὰ
λαμῶνται, οἰκείον τε αὐ
τοῦ ἔχον καὶ διὰ μέ μόν
τοῖς εὐαγγελιστῶν αὐτοῖς.
Βασιλέω ὁ πᾶν, πάλουτον,
ὡς ἐν εἰκόμῃ φάμα τὸ πᾶν,
τῶν τοῦ πρὸς ἀρεκίτων θκ
σαυρῶν προελλό μόνον. ἡ
ὡς μασιλέω, ὁ τοῦ πρὸς
ἵος. οὕτως πᾶν καὶ δι
οὐ χρηγεῖται. ὁ εὐαγγελιστῶν
πᾶν πᾶν κ μείσ οἰδαμ,
ὁ ἵου μόνον οὐ προελλό
μόνον, διὰ ἵου δε χροε
λού μόνον, εἰδὲ τὸ ἄμφυ
σῆσαι τὸν ἵον τοῖς ἀπο
τόλοις εἰ πᾶν. λαυάτε
πᾶν ἵον. τούτω σε τῶν
πῆν, παρὰ ἵου τοῖς ε

19
λαγελίοις ὡς μασιλέω,
χρησμοῦν τοῖς ἀποτό
λοις ἐν τῶν πᾶν δὲ δῶκε
το, τῶν ἀφῶτεω τῶν ἀφῶ
τῶν. ὡς ἀκλῶν τοῖς ὄξην.
πᾶντα δὲ τὰς ἐρεγγή
τοῦ πᾶν, καὶ τῶν ἵου
φίλον καλλεῖν. ἀλλοῦ καὶ
τὸ τὸ πᾶν τῆρι καυταί
μαθηταῖς ὁ χροεῖ σαπο. δὲ
λορδὲ. καὶ τῶν εἰ τὸ τε τὸ
πᾶν δὲ δῶκεν, ἡ πᾶν εἰτ
τῆρι πᾶν ἡ ἐν τῆ πᾶν
τῆρι πᾶν τούτου κάθοδος
ἡ ἀλλοῦ πᾶν. εἰ μὲν πᾶν
ρεκίτη, πᾶν οἶον οἶον τούτω.
ὡς ἡ ἐκ ἐκκλησίᾳ ἐν ἵον
πᾶν ἀφῶ σαφά μόνον.
εἰδὲ δὲ ἵον, ὁ πᾶν τε
ροῦ οἶον τούτων οὐ χροεῖ
εἰ τῶν πᾶν τὸ ἀπῶν διὰ πᾶν
ἐν φῶν μαποσ ὁ χροεῖ δὲ δῶ
κεν αὐτὸ ἐκείνο, ἀλλοῦ
χρῶν πᾶν κὸν χροεῖ σαπο,
τὸ καυταῖς ἐν τῆ πᾶν
τῆρι πᾶν, δὲ ἵον ὡς οὐ
χρῶν, ἀλλ εἰς κεφαλ
μαποσ τοῦ ἀφῶ σαφά μαποσ
ποῖτο. διὰ δὲ ποῖ οἶον
τεσ ἡμῶν ἀφῶ σαπο. τούτω
ἵου, τῶν πᾶν. τούτω

20
πᾶν, τὸν ἵον. ἀλλοῦ τῆ
ρι μαριῶν μαριῶν κ
μαριῶν. ἡ μῆν δὲ εἰς
μῆν θῶ. μῆν δὲ τῶν
ζαῦτοῦ ἀφῶ σαπο. ὡς πᾶν
τοῦ μῆν ἵου, πᾶν. τού
τω πᾶν, προελλό μόνον.
ὡς πᾶν οἶον, καὶ εἰς ἡλῶν
δεκίτησ τε ἀκτῆροσ,
τῶν ἐλαμῶν ἡ τοῖθα
φῶσ. τῆ τῶν πᾶν ἀκτῆ
ρι, καὶ ἡ λαμῶν σῶν φῶν.
καὶ ἡ θῶν φῶν. ὡς πᾶν
τῶ ἵου τὸ πᾶν. καὶ τῶ
ἀκτῆροσ ἡ λαμῶν εἰ τῆ
ἵον πᾶν τὸ πᾶν τούτω
ἀφῶ μῆν τοῖς ἐκ μῆν
ἀφῶ σαπο τούτω. καὶ ὡς
πᾶν ἐν τῶ ἵον δὲ πᾶν
τῆ διὰ πᾶν ἀκτῆροσ. ἡ
λαμῶν ἡ τοῖθα φῶν τῶ,
σα μαποσ κῶ χροεῖ σαπο δι
αποται, οὕτως διὰ πᾶν
ἵου, χρηγεῖται τῆρο
κτῆ κτῆσει τὸ πᾶν τὸ
ἀπῶν ἐπὶ πᾶν. εἰ μὲν
οἶον ὡς μαριῶν. τὸ
καυταῖς μαποσ ἀφῶ σαπο.
οὕτως ἡμῶν ἀλλοῦ πᾶν
ἐν φῶν εἰς τῆρι τοῖ
αὐτῆ πᾶν τούτω πᾶν δι
λασκαλίαν ὁ σαπο

20
μῆν, δὲ ἵον τούτω κε
καπορῶ μῆν κῶ σαπο κ
σο μῆν. εἰδὲ τῶν σαπο
μῆν ἀφῶ σαπο ὁ τῶν ἐκκλησί
παρὰ δὲ σοσ ἐκ μῆν σαπο
κῶ σαπο μῆν σαπο τῶν τῶν
μαποσ. μαποσ. λα
καπο. καὶ ἡ ἀφῶ σαπο, οἱ μα
ποσ κῶ σαπο. ὁ δὲ πᾶν σαπο
εἰς σαπο ἀφῶ σαπο, τῶν
καυταῖς. ἡ ἀφῶ σαπο
ἡ μῆν τῶν ἵον παρὰ εἰς σαπο
λέγονται. τὸ πᾶν τῶν
ἀφῶ σαπο ὁ πᾶν σαπο
ἐκ πᾶν σαπο, πᾶν σαπο
καυταῖς πᾶν σαπο
τῶν τῶν σαπο κῶ σαπο
πᾶν σαπο τῶν ἵου τούτω
τῶ μῆν σαπο ἀφῶ σαπο
καὶ ἐξ οἶον καὶ δι οἶον. καὶ εἰς
οἶον ἀφῶ σαπο πᾶν, μαπο
μῆν. καὶ χροεῖ τούτω
πᾶν σαπο. μαποσ δὲ τῶν σαπο
τῶν ἵον πᾶν σαπο μῆν
πᾶν. εἰ πᾶν τούτω οὐκ
μῆν σαπο οἶον τούτω
σαπο τῶν ἵον σαπο
τῶν, καυταῖς οἶον σαπο
σαπο ἀφῶ σαπο σαπο
τῶν σαπο τῶν σαπο
τῶν σαπο τῶν σαπο

καλωσ ποι ουντω ωσ ου
 κάβιοι τούτων δκού ειρ
 θεοϋ μόν και παρ ταυ
 χειρ επε μάλλοτο και
 μικροϋ μόν και εισ χειρα
 κληθον τοισ ορθοδξοισ
 τή γλώπκ καταπονηθεί
 σκ τή χειρα διδόν τώ
 σύμμαχοι. τέλος δδω
 αρασκη δήσαρτες, επί
 τήν πλάταια κληθον και
 ταφίτην αυτών. τον κο
 ριου τον σφών το παλικό
 και διαμαλλοσι μόν τοισ
 ορθοδξοισ, ωσ μεώπτε
 φρονοώτασ. και κατα
 τήσ δεχίσ αυτου κινηθη
 σο μόν οισ αμ, ή μεκ πρέ
 το δόγμα τώ αέχορπισιμ
 φρομήσαι βν. τογδραμ
 τίδοξον, και αμπί μαχοι.
 Ο δδ τοισ του μόνθο διου
 πρεος καλεσαμ βροσ, π
 φησι τούτο το σχίμα εν
 υμν πολίτευται. και
 θεκατην άλλήλοισ πολε
 μίωσ συμπαλεκώθη;
 ουκάδβλφοι παρτες επε;
 ούτησ χειτίαρών μερείλο.
 Διαπί ουν μεκ συμφροει
 τε άλλήλοισ. μεκ δδ τώ
 βρωσιμ επί σπάρτε. οι

δδ όσα γό μαππ γοράσδα
 και κλη μόν τοιχεω μόν
 ουτοι γαρ ή σδμοι του λόγ
 ή του μόν. εδδ μόν παρ
 ρι τουτων εφασαμ ωδδχ
 μακροισ ή μασ ποιείσθε
 τωσ λόγοισ. ουγδρα περ
 έλαχίστων. ουδδ παρτε
 λαχίστων ή μιν οκιν δωσο
 ίφαιται. άλλασπερ ιδότη
 μόν, εκκλησι ασι κούτου
 περι τήσ μαλαρ ασθια
 λασ. παρτε δδ ψηκισ το
 παρ των ή μιν οικειό
 τατομ. επή δε σοι το π
 γραφώρδνο μίλητομ. με
 κροτερωρλογων ή μαθη
 τέρων δκού ειρ ου διδωσ
 απλόω ή μιν οπρεος τ
 σην έρωτησιμ λόγοσ. ο
 τί σχίζό μόντα μόν, επή
 δη και κσ μάχαιραμ ήλ
 θε μαλείρ και δι χάσαι το
 κρείπρον απω του χειρορ
 και του δαδ ακούο μν
 μισώτωσ τοισ μισώ
 τασ τον κν. λίαρ δδ τί
 μωρ τοσ τωσ φίλου θυ
 χειτί αρου δδ ου κάρπ
 ή μείσ θήκ μόν τοισ
 παραδχο μόν τοισ
 ηγρόλιον. εκεί γαρ του

εμοσ τήσ τριάδδοσ υού
 του θυείωρ τοσ το πη
 τήσ άλλθείασ, ο παρ
 του παρ εκπορεύεται,
 ουτοι φασίμ εκ του υού εκ
 πορεύσθαι το πη. και
 τοι παρ τοσ ειπί το κο
 λυον τον κνείωρ το πη
 τήσ άλλθείασ ο παρ μου
 εκπορεύται. εν μόν
 ουν τούτο. άλλπερομ δδ,
 ή εν κωρ φαι τί πόλει
 άλλτερω των εκ πασσο
 τήσ οικου μόν ησ άθροι
 αθρήτων δε χιερε έωρ συ
 μοδοσ, παρτε του υίου
 πησ απάφκραιο. Ε
 πή και τούτου χαρ η συ
 μήθεοισ. επί καθαρέ
 σή του πνευματο μάχ
 μακεδονίου. ή έθόσ
 τε πί γεωσ σύμβολομ,
 ουκέ παρ απρο πη του
 τήσ έρμη και ασωόδο
 τεθεασισ μόνου. άλλ
 παρ εκείμοσ έρέλοι
 παρ, οι αδ ή μί κηθ
 των τότε των περ του
 πησ, ζητηματων του
 το αυτη αρωπληροισα
 και σόζοωσ το τήσ μεσ
 ήθ ήσπη ητέριμα.
 ιδω μόν ουν βρ τουτ

τω σύμβολω, οκαθε και
 την επόκ κλησίσσ εκφρα
 ρεισ ω αέχωρ και συ, εκ
 τρακων ή υλίωρ μέγαλη
 φθέρωρ τερομ, πωι αάην
 εισ πη το εκ του υού εκ
 πορό μόνου, ή το εκτ
 παρ ο μολογου μόν. ποσ
 ταιρ ήσ συμφωρ ησο μόν τοισ
 παρ αυτο άαγγέλιον φρομου
 σι. και την μέγατου πησ
 των παρ εκθεσιμ τοισ α
 πο τήσ φωροσισμ καται
 τοισ ήμαρτι μύθωισ, τισ
 και ρωρ ήσ φωρτι παρσο
 τοσ φησιμ οθεισοσ απωσολ.
 ει μόν ουν μετμαλοω
 ται τασ γρασίσσ, και μέγα
 του άαγγελίου και των πρ
 ακισομται, ωσ αδδ βροι,
 ποροσδραμου μόν και παρ
 ρι παλακισό μόντα και παρ
 ρι παρξό μόντα. ειδε τον
 βρω καθ ηγκτηρ ή μωρ ή
 χη απω ποιού μόνου. οπί
 σοσ τήσ διαμοίασ αυτων
 πορεύομται. και βρ τοισ
 διαλοπισμοισ αυτων μα
 ται ουνται, σχολη γαρ ή
 μέσ υπαυτοισ καθ ηγκ
 ταισ. το παρτε τήσ τριά
 δδοσ δόγμα μαθ ήμδξο
 μόντα. ταυτα ή παρτε

τοῖς ορθοδόξοις παλαιοῖς
 παροικτοῖς γορασδοῖς
 καὶ κλημέρι τι χρωμέροι
 οὐδὲ ἀέχωρ μέλις μέρι
 σὺν ἡ κέρ ολίγα τῶν τῶν
 λεχθέντων· ἡ γὰρ παρ
 τὰ πασι γνήμαί τι τῶν
 θείων κλήθι ὡτατος· ἀ
 μαμήν ὡς ἀνημέριος
 μαεμαεῖ κώτερον· καὶ
 σὺν ὄλωσ εἰ πῶν ἀλογώ
 ττερον· ἀμαδὲ καὶ τῶν
 τῆσ μίερασ κδρμῶσ πα
 ρασε σὺλκ μέριος ὡς ἕκ
 πῶσ γὰρ ἐμελλε τοῖσ πε
 ρί τῆσ ἀδσο λόγοισ ὅμιμ
 ναι, ἄνδρσ πᾶσι πᾶσ
 τῆσ σοφροσύνκσ ἀπὸ χῶ
 θρασμοῦ· οὐχ ὡρεῖσ, οὐδὲ
 τὸν κῆ ὄψεται· ὑποδὲ τ
 αἰετὶ κῶρ παρομιασθε
 κῆ γὰρ ὄλωσ αὐτοῖσ πῶ
 κεί μέριος, τοῖσ ἀνδ τοῖσ
 ορθοδόξοισ ἀπὸ φασιν ἐ
 δωκθῆ· ἕω μέρι ἐ μᾶν τῶ
 πολὺν τὸν ἰδίωτισμόν
 σὺν οἰδα· καὶ ἀπλοῖσ ὅ
 μι τὰ δογματὶ καὶ· καὶ τι
 γὰρ, ἡ ἀγε ἀμματος· τῶ
 μέρι τοῖ χεῖρ ἰ ἀρῖ σμῶ
 μέρι τοῖ οὐ μαι τε καὶ με
 τᾶποσ ἡσσομαι· ἀμφῖ μ
 λῖασ δὲ τοῖ αὐτᾶσ οἶασ

ἡ μὲν ἀρεγέετε· λυθμ
 χι καμῶσ ἕω δὲ ἀλόγῶν
 οὐδὲ δὲ ἀκέρει μ ορθοδόξ
 ψαδο δὲ δασκαλον· ὡσ ὅω
 χρεῖ τι ἀρῶσ, δὲ κασσο μῆν
 ἀμῶλει καὶ πῶρι τούτου
 τῶν δογματῶσ ἀπὸ φαι
 νομαι, ὡσ καὶ πῶρι τῶν
 ἄλλων ἀπὸ φαι νόθται ὅ
 θίσμαι· ὅσ ἀν παρῖ ὡρ π
 τῶσ ὁμοσφῆρ ὡσ καλῶσ
 καὶ ορθοδόξωσ πῶν τᾶν
 τούτου εἶμαι τὸν κατατῆ
 ἐ μῶν κείσιν, μεδὲρ τι
 τοῦ ἀκρί μῶσ πῶρι τῶ
 πῶν ἰμ σφ ἄλο μέριος·
 τούτου καὶ τῶν ἐκ κλησῖ
 παρᾶ δῶσσω, καὶ τῶ τῆσ
 ἐκ κλησῖασ ἐ πῶ δῶσσω
 κατατῶ εἰκοσ πῶρι τῶ
 τῶριον· οἱ τοῖ μῶσ ἀρε
 γῶι πῶρι τῶν ὡτατᾶσ π
 εἶ τὸν οἶκον διατεθερτ
 οὐδὲ τὸ τέλος τῆσ τοῦ
 δέχον τῶσ ἀμαμή μ ἀρ τᾶ
 ἀπὸ φασεωσ, ὡ μῶσ π
 καὶ ἐπῆσαν τῶν κακοδο
 ζῖαν αὐτῶν· ἀρ ὅ κ τῶ κ
 σῆ πῶρι τῶσ ὅσπῖ θ ἐρ τᾶ
 κατὰ κληλον· πῶρι τῶ
 τᾶσ κεί τᾶσ ἡ αἰε τῶσ
 κατατῆσ ορθοδόξιασ
 ἐ φε φαν ὡσαστο· καὶ πᾶ

ὡχθῆν ὅσ οἰ ἀρ ἕαν καὶ
 φερεῖν τοῖσ χυ γνήσῶσ
 δούλωσ καὶ τῆσ πῶρι τῆσ
 φύλακασ· εἰ γὰρ τῶσ
 φκσί φωρε ἀθῆν με πῶ
 τᾶσ κατὰ τῆν τῶν ἀρ
 ἡσ ἐκ βῶρι, αὐτοῖσ ἐ
 κείμοισ πῶρι τῶσ ὅσ
 χενσο μέριος ὅ τῆ καὶ με
 ληρτο· τᾶ ἐ πῶ τῶσ τοῖσ
 τῶσ ἀρ ἐκ δὲ κησῶσ τᾶ
 ῶσ, ὅσ κακῖ ὡ λαμο μ
 λᾶν ἀρεῖασ εἰε γᾶσαστο·
 πῶρι τῶσ ἀρε χῶσ ὅ μ ὡ
 πῶρι τῶσ τῶσ ὅ μ ὡ
 μέρι· ἡ κῆ καθ ὅσ πῶ
 σθαι τῶ πῶρι τῶσ ὅ μ ὡ
 οἱ δὲ τῆν τῶν πῶρι τῶ
 φῆν πῶρι τῶσ ὅ μ ὡ
 μέρι πᾶσ τᾶ πῶρι τῶ
 οἱ δὲ πᾶσ τᾶ πῶρι τῶ
 ῶσ κα ἀθ ὅ μ ὡ τῶσ
 μερ ἀπασ θῶσ πῶρι τῶ
 κῆ ὅ μ ὡ τῶσ· τῶσ δὲ
 οἱ κῆ ὅ μ ὡ τῶσ πῶρι
 μῆ γῆ ὡ τῶσ ἀστυ ἡ ἀπ
 ὅ μ ὡ τῶσ ἀλλοῖσ γῆ
 ἐ πᾶσ καμ θ ὡρ ἐ σῶ
 καὶ τᾶσ τᾶσ γέρον τᾶσ
 ἀρ· καὶ τοῖσ δανῖ τῶ
 κῶσ ὅ μ ὡ τῶσ ἡ κῆ
 ὡσ πῶρι τῶσ ὅ μ ὡ
 ὅσ οἱ δὲ τῶσ πῶρι τῶ
 ῶσ καὶ δὲ ἀκό μ ὡ ἡ ὅ μ

με ὡ τῶρι, τούτου τοῖσ
 ἰουδαίοισ ἐ πῶρι τῶσ· οἱ τ
 ἰουδα μῶριασ καὶ τῶσ ὡ
 γῶρι εἰ πῶρι τῶσ· ὡσ γὰρ
 ἐ κεί μοσ χῶ, οὐ πῶσ οὐ τοῖ
 τῶσ χῶ δούλωσ· με μ ὡ
 δὲ φῖλωσ κατὰ τᾶν ἐ κεί
 μ ὡ εἰ πῶρι· θᾶρε ἡσασ δ
 φῆσαι μῆ· καὶ χρεῖ τῶσ
 ἀρ πᾶσ ἀπῖ κῆ ἡ μ ὡ
 ἀπῶρι τῶσ· οὐ κολῖ τῶ
 δὲ πᾶσ τῶσ ἡσασ, ἀλλῶ
 διακοσῶσ ἀπᾶρι τῶ
 μέρι κατὰ δὲ πῶρι τῶ
 καμῆν, οἱ τῶσ ἀμ
 ὅσ οἱ δὲ δὲ δασκαλῶ
 ὡσ πῶρι τῶσ· οἱ οἱ δὲ
 ἀρ πῶρι τῶσ· οἱ οἱ δὲ
 ἐ μῆσθῆ μέρι· ὅ μ ὡ
 μῶρι τῶσ μέρι· καὶ ἀμ
 φῶ τῶ γῶ τῶσ· τῶσ
 σθλο μῶρι τῶσ ὡ τᾶ
 τῶσ γῶ τῶσ κῆ ἡ κῆ
 τῶσ· ἡ μέρι τῶσ μέρι
 δὲ ὡ τῶσ ὡ τῶσ δὲ δῶ
 ἡ δὲ τῶσ ἀρ τῶσ κακῖ
 τῶσ ὡ τῶσ τῶσ ἀρ τῶ
 ἀρ τῶσ ἀρ τῶσ ἀρ τῶ
 καὶ μέρι τῶσ καὶ κῆ
 πῶρι τῶσ ἀρ τῶσ ἀρ
 ἡ μῶρι τῶσ· καὶ λᾶ
 τῶσ, καὶ μῶρι τῶσ· καὶ
 ὡ τῶσ ἀρ τῶσ, τῶσ
 ἀρ τῶσ ἀρ τῶσ ὡ τῶσ

σιδρεοδίοισ φυλακαιο
 ειχον εγκλεισαν τω ε
 ραισ πασα παρακλησισ
 απη το εαπο ουτι μνησιν
 ουτρωσ αρουωτων
 ουδω ποσω τημ ποσε
 λευσιμ / αλλο παρακα
 λωμ τοισ ταπημοισ κω
 ο τοισ σωτηρι μεμβρουσ
 τημ καρδιαρι ω μεβρουσ
 ο δι αυτων παρακλησε
 αφειμων ψυχην αν τι
 μεβρου μεβρωμ τω παλη
 θει των οδωων παρε
 καλωτε τοισ ριουσ οβω
 ποσηλασ αυτοισ τημ ε
 ζηιου μοκθαμ οι μεβρ
 ραε και τω σιδιερω της
 αλιωστωσ μαρ ωο μενοι
 ουδουτωσ η μεβλωμ της
 ποσαλησ αλλα και
 τασ της τριτης ωρασ ο
 λασ υπασαμ τω ει
 τα και τω των φαλ μεσιν
 εφ ημιον ποσε πικδον
 δι ου το παραηιον των
 το βητη τειτη ωρα τοισ
 απο αλοισ επωπε μ
 φθεν βηκαιρι αθημαι η
 αυραχο μεβρω θσδδ
 επιμελεφασ επι τημ γ
 εποι κωσ αυτημ τρε μεμ

και σισμοσ μεβρασ ε γνησιν
 ωσ ποτε βη τοισ δωμοισ
 ποτε παυλου ποσαχο
 μεβρου και ωσ οβω οω οκ
 χουσ και αι αλλισεισ βε επι
 πομ και οι τωσ δωμοισ
 αφοι μερω τω του χυπο
 θω αλυτωσ δωμου μεβροι
 στω βει σβ μεμ τημ τημ οβω
 και στω βεισ αβημ εφ αθη
 σαμ δε αρα και οι πορετη
 πολην εκημη και ποτε
 γομο τι δι βαραχο ποδρ
 ωσ το θαν μαθειν και δι
 αφορεισθαι τι ποταμ
 η θεοση μεμ αυ μούλοι το
 ωσδδ παλησι ασαι βημ
 τη φυλακη ιδοι βηδδ
 το πορε τοισ ατι οω ρο
 μο μεβρωμ και ωσ των δ
 λιωτων εκ ποσωσ των ε
 μαρ εση πασα δι κγομ
 τημ θειαρ ακου πισθη
 τω ωσ ο λαδ φησιν αυ
 ραλησισιν δρο μα οι
 ποσε λθον τω τω αε
 χουμ τι τουτο φαρα
 μεβρει τη ποσ ποσε
 του θυ μαχο μεβρω δω
 μαμιν μεβρει τη ποσ πι
 το φωσ της αληθειασ
 ουκαμ αμελεφασ μεβρω

λο φθαλμοισ βχο μεμ
 και ουβλεπο μεμ ωτα
 και ουκακουσ μεμ οι αυ
 τα πορε ατω λαδ ειδω
 λα ει μευλοι δωμοικ πα
 ρατω ησαι α το των αυλα
 ωμ τω της καταμυζεσ
 οιστω κσο μεμ το γερομ
 θω μα ουτημ θεοση
 μαρ δωσω παθηκσο μα
 ουδωμοσ τα μεμ μο η
 μεισ της πορεσ τοισ εκ
 των βωμοσ λιθβη τασ
 τι μεκσο μεβρω αλη
 των αι εβικωμ γλωπια
 το θω μα λι μεμ αλημ
 πορεται πολην ωσ
 ποτε η των φαρσσαι
 ταπο τε πορε ατου κυ
 παλου μεβρω και το κη
 αι φασ και ματωμ τε
 χηαι πορε φαρεισ ταυ
 τα πορε πομ ε πορε
 πομ μεε λζε μουλ τη και
 μο τι τι του εε ρου ε πι
 γραφ ο μεβροι οι της ε
 κει μαυ ερε ρασ κατα
 παλω ει τα πολην
 εδει γαρ μη στω ειμαι
 πομ ασω φορδε χομ τα
 αλιωσ τοισ ριουσ

ειχομ των πορε βωμοι τε αωρ
 βαε υπερα και κακωσισ
 βη τη φυλακη μαλλομ η πο
 πορεμ απαρακλητοσ
 τρεισ παρηλθομ η μεβροι
 και πολην τημ της τειτ
 ωρασ τε λωωτων πορε
 σαλημ ταυτα σωμαηη
 τοισ εμ πορεσ θεμ ση ση
 τε γαρ μεμ η χου βε στω ου
 και αι αλιωσεισ εκ ποι πορε
 σαι και πολην οι θεο μα
 χοι μεμ βη των πορεσ θη
 των τω αε χομ τι ε μεμ αφι
 σαμ τω ταυσ αυταισ και
 κωσπι τοισ απι οω πορε
 μαλομ ωμ αυτοι παμ πορε
 η πορε αληθειασ ψηφιοφο
 ροισκο αβιοι αλημ τι
 φιλο τι μειποθεσ εβρω
 θεμ βη ταυθεμ το πορε ατη
 της κακου χιασ εκει θεμ
 το λογμα της αθημιασ
 η μεβρωμ γαρ δε και διαγομ
 μεβρωμ πολην εκ τει το
 ημ απολη βε υτωσ οι αλη
 τα ε πορε εκ φθησαμ και
 οι αποηληκο τω αι εβηκοι
 της αυτησ η σαμ αυθισ
 πορε ασωσ και το διε
 πορε μεμ ομ ουκατηυθω

ρθο. και ου κε τεκοσμη
 το, το τησ γρωμικσ αυτων,
 ποβη τησ του κδλου γρωσ
 υ φερεμα. μαλλον μεν
 ου ετι το αλγος των τε
 ματων τοισ ατιοισ προ
 σεθηκαμ. ως γαρ προσ,
 το προαπειν των καταγω
 μων αυτων παρατου ερ
 χοντος εδξαμ το το ερδο
 σι μου, εζροωτη μεν τησ
 φυλακησ. ακιζορταιδε
 ταισ εζαρων ποληγαισ. ο
 λη ληθηται. μη τε τησ
 πολιασ, μη τε τησ ασθε
 ρειασ. ην κ πολλη κακωσ
 ετι γαγε τοισ των ατιων
 σωμασι, φειδω θε μενοι.
 ου κη δε δε αρα τουτων ου
 ληρ; ο τοισ αιετικοισ ε
 κειροισ δουλασων αεχωρ,
 ετιχε γαρ ασπων ως ε
 γω παρην, ου καμ τοι αυτ
 τοισ ομολογηταισ τησ λ
 ληθειασ εμε πεδξαμ το.
 καμ γαρ μερι ακισ τοισ απε
 ηροισ προσε τι θεο, τημ τε
 των ιερωρ αν δε ωρ ερετημ
 εδωσω πει τοσ. και μαλι
 γαι του θυ το θαυμα τρισ
 σασ αμ τοσ. και τι γαρ ε

μηθ κερωδης ην και αμα
 λικ τοσ. μετ αυδε τασ αυ
 παρωσ εκειμασ ποληγασ.
 μηδε τροφικσ ποδραλαμην
 τοισ γιοισ ποδραχοε κσδη
 τω. ουδ εμα ειων ουδ ημ
 τοισ του χυδου λοισ μαλ
 λορ δε χω προσ ριπατημ.
 ουδε αε του κλασ ματησ.
 φραπι ωταισ απατην αλ
 λορ αλλαχου των παρατ
 ιαροσ μερωρ, ποδε εδοκ.
 τη εκ τησ πολεωσ εφ
 φυλιαμ των ουνο πολιτ
 κατατη φισαμβροι. πα
 ραλαμ ον τω ου τουσ ατι
 οισ ο φραπι ωται αμοι μα
 μαροι. με με τσοι γαρ. και
 φισει μεν το ανη μετρον
 εχον τεσ, προσ λαμ ον τ
 τουτο και ετι ταγματι, ε
 ζροωτη μεν τησ πολεωσ
 απο δυσαρ τω δε, γμη
 εσυρομ. και δυο ταυτα
 δι ερωσ καταγεγαθη ον το
 το τε ασχη μου. και τη εκ
 του αερωσ αφ τοισ παρι
 φηοισ μετε τοι παγητω
 στωικει μεβρου κακωσιμ
 αλλα δε και ταβι φη τοισ
 βαχιλοισ εκειμων ετι

κατηγορωσ ποληζορ τω.
 και τα δυε απατοισ πολυ
 ροισ ετι φερομ ως μα
 πτισορ τω. ιμαρη μο
 ρορ εναθαραστορ θαμοιερ,
 αλλα το σαυτα κισ οσω
 κισ ελπιζοωι. και του
 το τοισ φραπι ωταισ πα
 ρα των εχθεωρ εν ταλ
 θερ. επει δε τησ πο
 λεωσ απεσχωρ πολυ,
 αφεν τεσ αυτοισ σια
 παγορ τω, τοισ ετι τημ
 πολην αυθισ οδου ειχον
 το. οιδε του χυ ομολο
 γηται. μαθον τω του
 κυ τοισ διακο μετροισ
 εκ ταυτησ τησ πολεω
 ερωτην ερεαρ πολην
 φαληρ κελευορ τοσ, μαλ
 γαρ αν ε ποθου. μου
 γαρ αν παβρι ερωσ ου
 βουλγαριαν του τοισ
 δουσαι αν βτην ε πολ
 πωιζο. ου μενω αλλα
 και ταυτην ε μη τιω ο
 δουρ δια κλε πα εβρ.
 απηλιρωσ κορ. οθερσ
 παρτασ οφθαλμου
 λαρθαρειν εσπουδω
 ζορ. μεσ ματων. εν
 διαματων απορωωτ.

πασικσ κακωσ σωσ απο
 λαμορ τω. ου κοω ημε
 κασθη σαμ δια το δε οσ,
 απαλλη λωρ δια εβθηρ.
 και δε αλλοσ αλλαχη διε
 πασικσ ον. θω τουτο δε
 ζαμ. ιμα και πολειω μερε
 τω κυκλω του διατελιε
 βρωπερι λαμοσι. κλη με
 μεν τοι μαοιμ σμωσαρ
 λαμορ και εβλαερον, τ
 προσ τομ ι φρομ φερωσ
 οσ δαορ. και κασ μετηνι
 απασ τοσ σι, πασα κλη
 σεωσ αβι οσ ορ τω ταπε
 πορη κοτα. ζητησαρ τω
 δε, τισ εν τη κοσ μη φι
 λοθεοσ και φιλοζεβροσ.
 κατωι υίου σβρωτη τι
 μαρ τυροσ μετροσ. και αυ
 το δε τουτο το του χυ ει
 εκησ υοσ. επει δε του
 τορ ευρομ, τουτοσ ε αποβε
 ρωσθησ ον. τω δε ην πασ
 και μορο γηνησ και κλοσ,
 και ηλικιασ εχωρ ανθηρ.
 αματε ου ει σκληροεισ
 τηρ οικιαμ οι ζεβροι, και
 ο υιοσ εβηθε του υίου.
 εκειροσ ο παρι καλησ.
 ο μοροσ οφθαλμοσ του
 τω. το του γωμοσ εερ

το εὐθαλέφατον· τίπα
 θείρ οί σθε τὸμ πῶα· τί
 λέ οὐκεί πείμ· το σούτο
 πῶρ θοο εὔπὶ τῶ παιδί
 τοῖσ ζῆροισ ἐλε φῶσ
 λίσ τικχί σαμ τα· καλα
 γῶ τῶ τῶ τῆσ φίλοξενίας
 μεσθῶ ματα· εὔπὶ τούτ
 τῆμ ὕραμ ἡμῖν ἀρέσζα,
 ἱναμοι οὐκί κοσ ἀποκλει
 αθήκ, τὸμ κληρομό μορῶ
 πομαλῶμ; εὔπὶ τούτω
 δοξί ἀμ ἡμῖν βρέμαλον,
 ἱματήμ μόμ κρέμοι δοξί
 ἀμ ἀπομαλῶμα; ὦ
 πῶ κρεῶσ τῶ τῆσ ἡμέρας,
 ὅτε τῆκῶ μκ παροσῆθε
 τε· ὦ σκοτειμού τούτῶ
 φῶ τῶσ ὁ πῶρ ὅσ τῆν ἔμκ
 οἰκί ἀμ ἡμῶσ ὁδῆ γκσε·
 τάχα γοκ τῶ ἡμῶσ καί τῶ
 μόμ ὠθῶ ἔχθεοι· καί τῶ
 τῆμ ἔχοσ παρ ἔκει μου τ
 λίκκμ, ὅτὶ τῶσ ἀπκχθκ
 μέροισ αὐτῶ τῆσ ἔμκ
 τῆμ σῆ ζῖωσα· πολλῶ
 μέμ καὶ ἀλλοισ ἐδοξ ἄμ
 εὔπὶ τῶ οἰκί ἀμ· ἐκ τῶμ
 πῶρ ὄν τῶμ καε ποφῶ ε
 θῶ καὶ ἔσζαον τὸ κατῶ
 λῶ ἀμῖν· ἀλλ ἔπλῆ

θ ὦ ἐμοι τῶ ἄνδρ ὁκσ·
 καὶ οὐχ ἰστέρεον· ἀλλ ἔπῶ
 ρεον· καὶ τῆν δαπαρῶν πῶ
 θήκ κρ εὐρείσκομ· καὶ τὸ ε
 πῶσ λογιῶσ ἀπῆρ μου· θε
 ροσ ἀλοτκ μέρομ πῶ τῆκ
 θ ἰσμέρομ γε ὠρετῶμ· ἡμ
 ὄσ· ἀλλ ὦ μοι φίλτατε
 πῶα· τὸ πῶρ τῶμ κτκ μῶ
 ἐμοι, καλλῖ σῶμ τε καὶ χερ
 ἔφατον· μάλλον δὲ καὶ
 ἀπλῶ μῶμ τῶμ ἔμκ μῶμ φίλ
 τῶρομ· καὶ ζῆσ αὐτῆσ πο
 θῆμό τῶρομ· τῆ τῶμ κατῶ
 ρῶ τῶμ τούτῶμ ἐσφρῆ ἄσ
 εἰσ ὁδο· τῶ λχῖ μῶσ ἀπ
 χρῶσ οὐτοῖ δα μῶμ ὠ φῶμ
 οἰ· θ ἀμῶ τῶσ πῶα δῶμ ε
 πῶ τῶρ πῶ μέρομ· ἀλλ οὐ
 γὰρ ἐκφ εὐζῶθε τῶ δῖ κ
 καρ τῶ τῶμ τῶ κατῶμα
 μῶσ τε· χερ σῖ δῶ πῶρ ὅ
 βρῶ τῶσ τῶ ἰόν πῶμ
 θῶμ τῶσ δῖ ἡμῶσ· ἰόν κ
 λῶμ καὶ μομ ὀβρῖν, πῶμ
 τῶμ ὠν ἔργῶσ αθῶ τῶ
 ἀζῖ ἀμ ῖμῶ ἀπο τῖ σῶσ
 καὶ δῖ δῶμῶ εὔπὶ τούτῶ
 ἐκ ἄλει καὶ κολασθῆσ
 οἰ δῶ καὶ αὐτοῖ μέμ· οὐχ
 ἴον τῶ πῶρ ἔπῶσχομ

καὶ τί γὰρ ἡ σῖμπαθῆσ
 ψῆκαὶ καὶ φίλαμοι· πῶλ
 ὀρ δὲ ἔχομ καὶ τὸ αἰσχυ
 μῶθαι· τῆ δῶ πῶ φείθαρ
 ρῖσαμ τῶ ἡ πῶμ τῶ δῶ
 ματῶ κατῶ τῶμ τῶ κῦ
 λόγομ καὶ τῶ ἀδῶ μῶτα,
 εἰσ ἄχῆμ μέμ τῶρ ἀπῶθαι,
 δι ἐγῶσασ· τῶ ὄδ ἔπῶρ
 τῶ φλεγμαῖ μομ τῆσ ὀρ
 μῶσ κατῶ τῶμ τῶ ἡ πῶ
 ὠσ καὶ τὸ σκληροῦ τῶ
 λῖ καὶ οὐ θ ἡμῶ μῶ αῦ
 πῶμ τῶ, ἡ μῖσ ἔφρασθ
 ὠ τῶ θῶ ἀμῶ οὔτε τῶ κ τ
 ὠμῶμ, ἀλλὰ καὶ τοῖσ οὐ
 τῶσ ἔχομ πῶμ τῶ τῶ
 χῆρῶ τῶ εὔπῶ μῶθαι·
 θῶ δῶ λατε εὐο μέμ τῶ
 ἀληθῖ μῶ· ὀρ εἶμα καὶ
 πῶ λῶροῖσ ἀδου φεῖκτ,
 ἀκ κῶ ἀμῶ τε καὶ πῶσ
 τῶ καμῶμ· ὀσ καὶ χερ
 ἔπῶ φῆ, κατῶ πῶ λῶ μῶ
 τῶμ θῶμ ατομ· καὶ φῶ μῶ
 μῶμ, τῶρ ἀκ μέμ ὠσ
 ὀδο δῶ τῖ μῶ κρεῶ τῶ μῶ
 κῆ εὔπὶ δῖ δῶ σῖμ· εἰ τοῖ
 μῶμ ἡ μῶσ οἰ ἔμῶ τῶ σ
 ἔμῶ θ ἀμῶ τῶ τῶ σῶμ
 λῖ, θ ἀρῶ τῶ εὔφῆ μῶμ

πῶτε πῶσ θ ἀμῶ γὰρ ὅτῖ δῖ
 ἡ μῶσ αὐτῶ τῶ μῶ ζῶ μῶ
 ρῖ σῶμ κῶσ· καὶ δῖ τῶ πῶ
 δῖ εὔπῶ μῶ ἀμῶμ· ὦ κα
 μῶ θ ἄμῶ ματοσ· ὦ τῆσ
 ἀφ λαμῶσ οἰ σοι χερῖ τ
 σῶρ χῆ, τῶ πῶ θ ὠμῶ τῖ πῶ
 τῶμ ἰόν ζῶμ τῶ πῶρ ἄμῶ
 τῖ τοῖ μῶ ὀ πῶρ· οἰ ἀγῖοι
 οἰ τῶ θῶ δῶ οἰ· οἰ σῶ τῖ
 ρῶ τῆσ ἔμκ οἰ κῶσ ἔ
 κῶ μῶ θῶμ· οὐ δῖ τῶ
 κατῶ τῖ κῶ τῖ ὠμ ἰ πῶ τῆσ
 χερῶσ· ἀλλ ἀπῶρ ἀμακ
 χῶμ τῖ καὶ ὀρ ἔμῶ κῶσ κῶ
 κῶσ, σῖ μῶ μῶ τῶμ ὠρ
 ὀσ οἰ σῖ μῶ μῶ τῶμ· ἔμῶ κῶ
 ἡ γῶ κῶσ ἔφ ἡμῶ πῶσ
 ἀθῶ μῶσ ἰ πῶρ τῶ ρομ· ἀ
 λῖ δῶ, πῶρ ἄμῶ μῶ τῶ
 ἔμῶ πῶρ ἔμῶ· καὶ αὐτῶσ
 ἡμῶμ οἰ κῶσ ὠ μῶμ ὀσ·
 ἀπο λῶσ ατῶ τῶμ ἔμῶ
 χῆσ αθῶμ οἰ τῖ καὶ μῶ
 λῶθῶ· μῶ μῶ ὀρ ἔμῶ κῶ
 πῶμ δῶ, ὀρ ἡμῶσ μῶ μῶ
 ἔμῶ μῶ σῶτῶ· ὀ δῶ τῶ
 μέμ πῶ σῖμ τῶ ἀμ δῶρ
 πῶρ σῖ κῶ μῶμ οἰ· πῶρ ὀ
 δῶ τῆμ πῶρ κῖ μέμ ἡμῶ
 δῶμ κατῶ σῶ δῶ μῶ τῶ

μόμοισ ἐφοδίοισ τήρδε
 ξίωσιρ αὐτοῦ πῶρεϊ γεῶ
 φαν τῶ, τήρ πῶρεσ τὸν γι
 προφ βροισαμ ὁ δῶρον
 σὺν πολλῆ παραπῶρε μφθ
 τῶ τι μὲν ὑπο τοῦ κατα
 ξίω θέρ τοσ ἐκείρου τοῦ
 θαύματοσ. ἐπὶ δὲ κα
 τῶτασ ὀχθασ τοῦ ἰφρα
 γόμο μῆμοι. ἐσῶρω τὸ εἶ
 μαπο λυ. καὶ διὰ τὸ ὑπο
 καὶ ἀπορομ, ξύλαπτεῖα.
 σὺν δὴ σαμ τῶ φιλύρασ
 φλοισ, τῆ ἀφῶ θέρ δὴ ὠά
 μῆ φροουροῦ μῆμοι, τὸν
 ποταμὸν διε πῶρεασαμ.
 καὶ κατακλιόμεν αἰρέσε
 φεύγομ τῶ, ξύλοισ καὶ
 τῶ θῆαμ ἐπὶ φροσὺν κ
 ἐσῶθησαμ. καὶ τῆ μῆλα
 μάδωμ πῶ λισ δὲ αὐτῆ τ
 πῶρεϊ τὸν ἰφρομ σῶσι κμο
 ταπτη πῶρεσ θομ τῶμο
 εἰ τῶ κῆρο πῶ τὸ τε φῦ
 λάπτομ πῶ ταπτημ, ἐν ε
 φαίθησαμ. καὶ πῶμ τῶ
 τῶ πῶρεϊ αὐτοῖσ ἀσπῆ μῆ
 λαμ μαθῆμ θέλομ τι.
 ὡσ δὲ τῶταμ μαθῶμε
 κείροσ, ἐν μοισαμ ἐλαμ
 τοῦ μῆροισ εἰμ αὐτοῖσ

τιμῆ

ἀνδρασ καὶ θῶ πλκισαῖ
 ζομ τασ, λείμ βῆρω πῶρεσ
 τὸν δέχομ τῶ μουλ γαρεῖα
 κῶρεϊ σκμ οὔπῶρε αὐτοσ ὑ
 πο φράπη τοσ κῆμ, ἀποσφ
 λαι τοῖσ ξῆροισ. κῶ δῆ μτῶ
 τὸν κῶρεϊ σκμ δι φῶμ τῶταμ
 οὔπῶρε ἀνδρῶν ἐκ μακροῦ.
 ἀμ ἀποσῶσασ οὔω αὐτοῖσ.
 εἰ τῶτασ δέχομ τι δῶρεσ
 πολῦ τι μῶρε ἐπῶρε μτῶ.
 λῶσασ αὐτῶ τοῖσ οὔτοισ
 εἰμ αὐτοῖσ, οἰοισ αὐ
 τοσ ἐπῶρε πῶρεσ θω σφ
 ρεῶ. ἐπὶ δὲ τῶ μῶρεισ
 πῶρεσ θῶ θοισ βῆμ ὑποδεχθ
 τῶ ἐν τῆ μῶσ. καὶ ὡσε
 δῆ τῶσ τῶταμ τῶ σῶμ
 τε καὶ σάσπμ οῖσ, ἐπῶ
 ρο τῶμ τῶ τῶ καταπτο ὡ
 οἰ δὲ πῶμ τῶ κατῆ λῶρομ
 ἀπῶρε χῆσ ἀχρῆ τῶλοισ
 μῆ δὲ βῆμ βῆμ ἰπομ τῶ.
 κοισασ δὲ τῶταμ ὁ ἀεχ
 μῆ μῆλοσ κῶ χερῆ σῶ
 τῶ θῶ τοῖσ οὔτοισ αὐτῶ
 θῶρε ἀπομ τασ, τῆ βου
 λαρεῖα, ἀβρῆ τασ ἐν αὐ
 ποσ φῶ λαμ τι, δι δασκα
 λοισ τε καὶ καταρ τι φῶ
 λῶρε σαμ βῆρω τῶσ πῶρε

οὔτοισ τῶχομ τασ ἀνδρ,
 ἀλλ ὁ μολογῆ τασ τε καὶ
 μαρ τυρασ, φολασ τε
 οἰκῆσ ἰβρασί δοῖσ. καὶ
 πῶρεσ τι μῆ δὲ ξίω σαμ,
 οἰκῆσισ αὐτοῖσ ἀπομε
 κῶ θῆμ αὐτοῖσ πῶρεσ ταξ ε
 τῶσ τῶσ πῶρεσ τοῖσ τῶμ
 αὐτοῦ φιλῶμ ἀφῶρεῖσ
 μῆμοσ. καὶ πῶρεσ αὐ
 τοῖσ τῶμ χερῶσ δῶρον δῶ
 ψιλῆσ ἀπῶρε ἰε πῶρε ἰσῶ
 το. εἰ ἐκείροσ δῶρεσ,
 ὅτι τῶ πῶρεϊ τῆ μῆ κρομ
 τῶμ ἀνδρῶν τῶσασ
 μαποσ τοῖσ τῶσ φρομ τῶ
 λῶσ λομμοῖσ ἐπῶρε
 φῶρεσ, τῶσ πῶρεσ θῶμ σφ
 λῆσ ἀφῶρε ἰε τῶ μῶπο
 λυ. εἰ χῶ δὲ αὐτοῖσ ἐροσ
 λῶρε μῆσ, τῶ κατῆ κα
 σκμ τοῖσ τοῖσ πῶρεσ δῶ
 λῶρε γῶρεσ. καὶ πῶρε αὐ
 ἰτορεῖσ ἀρεχῆσασ. καὶ
 μῶρεσ ἀπῶρε ἀραδῶρε
 σκῶρεσ. καὶ τῶ τῶμ γεῶ
 φῶμ ἀπῶρε μαποσ αὐ
 τῶμ ἐπῶρε λῶρε γῶρεσ. ἀλ
 λῶ καὶ ὁ σῶμ κῶ πῶρεϊ αὐ
 τοῖσ. γῶρεσ τε ὀγκῶσ
 πῶρεσ οὔτοισ μαρ εἰ τῶμ
 λῶρε πῶρε εἰχομ. οὔτο

τοῖσ γῶρεσ πῶρεσ φοῖ τῶμ
 τῶμ τῶσ ὡσ πῶρε δῶρε εσ δι
 λῶρε σκῶρε, κῶρεσ τῶμ πῶ
 τατῶ σῶρεσ ὀγκῶρε μῆμοι.
 σῶρε γῶρε ἀπῶρε τῶρε
 τῶμ ἀεργῶρε, αὐτοῖ τε
 ἐπῶρε μῶρε, καὶ τοῖσ οἰκοῖσ
 τοῦ μαμαποσ μῆρε δῶρε δῶρε.
 καὶ σφῶρε τοῖσ γῶρεσ ἐ
 μῆ κῶρε τῶ, εἰ πῶρε αὐτοῖσ
 πῶρεσ εἰ μῆ κῶρεσ τῶσ οἰ
 κῶρεσ αὐτοῦ ἐπῶρε κῶρε.
 γῶρε σῶρε τῶρε πῶρε σῶρε
 τῶμ δι δασκαλῶμ κῶρε μῶρε.
 καὶ ὁ πῶρε ἀπῶρε σῶρε τῶρε
 οὔτοισ. οἰ τῶρε πῶρε τῶρε καὶ ψῶ
 χῶρε σῶρε γῶρε κῶρε καὶ σῶ
 ματῶ, ἐκείρεσ εἰμ αὐτοῖ
 σῶρε τῶ καὶ τῶμ κῶρε. τοῖσ
 γῶρεσ μῶρε τοῖσ τῶρε ὀγκῶρε
 φῶρε σῶρε μῶρε. ἀμῶρε δὲ, καὶ
 τῶρε ὀγκῶρεσ τῶρε δέχομ τι
 τῶρε εἰμ ἀπῶρε δῶρε σῶρε, οὔ
 κῶρε δῶρε τῶρε οἰκῶρεσ πῶ
 ρῶρε κῶρε εἰμ αὐτοῖσ τῶρε πῶ
 χῶρε, εἰ μῶρε ὀθεοφῶρε λῶρε.
 ἐκείροσ ἀεχῶρε αὐτοῖσ ἐ
 πῶρε τῶρε ψῶρε μῶρε. ὀθερ καὶ
 τῶρε μουλ γῶρε μῶρε ὀγκῶρε
 τῶρε τῶρε κῶρε σῶρε. σῶρε
 τῶρε τῶρε ἀξῶρε μῶρε. τῶρε
 χῶρε τῶρε πῶρε σῶρε θῶρε κῶρε

ωσε συμπαρελαμψήν εισ
 τήν οικίαν αυτού τῶ οσίω
 μαρτυροῦντες ὡς ταυτοκλή
 μένται. καὶ οὗ (ἢ γὰρ κε
 χερῖσ μέροσ αὐτῶ ο τήν
 αἰτικίαν ποιού μέροσ)
 φήσασσ κατέμευσε. καὶ
 μέγα πάσασ ἐφκτιμῆσ.
 τοῖσ διδασκαλοῖσ ὑπο
 δόξαι, ἀχέρῖσ ἀν ἐπαυ
 τοῖσ τελείωσ. τὸ πρῶ
 κταίον οἰκομολήσασσ μεν.
 γράφεται καὶ τζασόλα
 ἡσ τῶ οἰκηματῆ ἐπι
 φροίτισει ἀβλασίου. καὶ
 τούτω γὰρ αἰτικισαμένω
 τούτω δὲ λαμψήν τὸν δι
 δασκαλον. ὁ ἀρχοῦ τ
 χερῖν δέδωκεν. ἀλλοῦ κε
 μέλλειν ἀεὶ τῆσ ἐν τῶ ἡ
 ω τούτου πρῶ οσίασ αἰ
 πολάωσαι τζασελαῖωσ
 ἐπιμαλέορ. ζήσασ γὰρ
 ἀβλασίουσ πρῶ αὐτῶ χρο
 μοῦ, τῆσ, χρεσίματιωρ
 ἀβλασίουσ καὶ ἡδωσσ βρα
 πειψύξω. κλήμῆσ δὲ
 καὶ μαρτυροῦ, πρῶ αὐτῶ βρα
 τήν διήγορ. πάσασσ μεν
 τῆ μῆσ ἀξίου μέροσ. μεν
 ζομωρ δὲ ξίου ὡτῶ αὐτοῖ

καὶ φιλοτιμοτέρων τῶν
 δουρῶν. ὅσων τῶν κλη
 σφῆρον τῶ, τῶσ ἀρκικατῆ
 ἀνδρῶσ ἐθερίζορ. εἰ τῶ
 οὐ γὰρ ἀνίει πῶσ τῶσ κλη
 λογημοῖσ ὁ τούθῶ οἰκῶσ
 ὑποφρατῆτοσ μὲν κλη
 οἰκῶσ καὶ κλησῆσ ὁ λόγῶσ ὡ
 μόμασσ. εἰ πῶσ ἀπῶσ
 ἀρχολία πρῶσ τὸ τούθῶ
 βραπτοῖσ ἰεροῖσ ἀν δρῶσ
 πρῶσ ἀσκάσῶσ. ὅτῶ τῶ
 λογημοῖσ τούτω ὑπομα
 λογητοσ αὐτῶ, διαιεῖ μεν
 τῆσ κλησῆσ τῆσ τῆσ ἀν ἐκ
 τού κοτοκίου. πρῶσ γὰρ
 αὐτῆσ δὲ μετῶν. πρῶσ ἀν
 σασ τῶ οἰκῶσ τῶσ διοῖ
 κησῶσ. πρῶσ ἀν δρῶσ
 δὲ τῶ δὲ μετῶ τῶσ μακ
 ρίον κλησῆσ μεν τῶ. μετῶ
 δὲ τῶ δὲ μετῶν. κλησῆσ
 τῆ, ἢ τῶσ ἀκρίματῶσ οἰκῶ
 πῶσ, ἐκαστῶσ ἐκαστῶσ
 τῶσ μεν, ὡσ τῶσ πῶσ τῶ
 ὑπὲρ κοορ. τῶσ δρῶσ ὡ
 πρῶσ τῶσ τῶσ ταμῶσ κλη
 τῶσ ἀκρίσῶσ μεν τῶ. διδ
 σκαλοσασ ὁ κλησῆσ τῶσ
 κλησῆσ τῶσ τῶσ, ἐπὲ
 Χρῶ. πρῶσ ἀσκάσῶσ

καταπαρ τῶν ἐφροίται
 τῶν ταύτων οἰκούστων τ
 χῶσασ, φιλοτιμῶσ τ
 φροῦ δὲ χῶσασ, καὶ πῶσ
 τῶσ ἀφροῖσ αὐτῶ. καὶ
 τῶσ πρῶσ τῶσ πρῶσ ἐχε
 σθαι. δρῶσ ὡσ τῶσ ἀξίου
 σθαι. καὶ διὰ τῶσ οἰκῶ
 μέντων, τῆσ τῶσ φησῶσ
 βραπτοτῶσ μεν τῶσ τῶσ
 γὰρ τῶσ οἰκῶσ τῶσ, δὲ με
 σῶσ ἀν πρῶσ ἀπῶσ τῶσ.
 καὶ τὸ δρῶσ τῶσ τῶσ
 ρορ, αὐτῶσ ὁ κλησῆσ
 τῶσ οἰκῶσ τῶσ τῶσ
 κλησῆσ κλησῆσ μεν τῶσ
 ἐπὲσ μετῶσ ἀν πρῶσ
 ἐν δὲ ἀσκάσῶσ πρῶσ ἀν
 βῆσ μεν τῶσ, τῶσ τῶσ τ
 κομῶσ τῶσ τῶσ. ἀλλῶ
 δὲ καὶ κατῶσ χῶσασ. ὡ
 γλαμῆσ τῶσ ἀν ἀπῶσ
 σῶσ τῶσ πῶσ αὐτῶσ
 χερῶσασ. τῶσ μεν τῶσ
 τῶσ δρῶσ τῶσ, τῶσ αὐτῶ
 τε καὶ τῶσ αὐτῶ. καὶ οἰ
 πῶσ ἢ θῶσ μασι ἀφῶσ
 τῶσ ἐπὲσ χῶσασ τῶσ οἰκῶ
 τῶσ χῶσασ ἀπῶσ τῶσ
 ὁσῶσ τῶσ ἐκ χῶσασ,
 καὶ τῶσ ἀλλοῖσ τῶσ τῶ
 μῶσ τῶσ τῶσ φιλοτι
 μῶσ δρῶσ ὑπῶσ πρῶ

εἰθῶσ. τῶσ τῶσ κλησῆσ
 οἰκῶσ, ἀρῶσασ τῶσ μασι
 μασι εἰσ. καὶ ὑπῶσ ὡσ
 αὐτῶσ λογισῶσ μεν τῶσ
 τῶσ καὶ τῶσ τῶσ τῶσ
 ζήσῶσ, πῶσ τῶσ κλησῆσ
 θῶσ κλησῆσ οἰκῶσ μεν τῶσ
 ὡσ. ἀλλῶσ ὡσ μεν πῶσ μεν
 δρῶσ τῶσ ἀπῶσασ χῶσ,
 δρῶσ τῶσ πρῶσ τῶσ λογι
 σῶσ μεν τῶσ. καὶ τῶσ πρῶσ
 κλησῆσ ἀπῶσ τῶσ τῶσ
 δὲ τῶσ τῶσ μασι κατεμα
 λῶσ. καὶ ὡσ μεν τῶσ
 τῶσ δρῶσ τῶσ τῶσ ἐπῶσ
 τῶσ ἐλπίσασσ, οἰκῶσ
 φροῦ τῶσ ζῶσ μεν τῶσ
 ἀπῶσ τῶσ χῶσασ πῶσ
 πρῶσ τῶσ ὡσ μεν τῶσ μεν
 τῶσ ἐθῶσ τῶσ τῶσ τῶσ
 μεν τῶσ φῶσ κατῶσ ἀπῶσ
 καὶ πῶσ μεν τῶσ πῶσ
 εἰ τῶσ πρῶσ τῶσ τῶσ
 θῶσ τῶσ τῶσ καὶ τῶσ
 δρῶσ τῶσ δρῶσ μεν τῶσ
 καὶ πῶσ τῶσ ὡσ καὶ ὡσ
 σῶσ μεν τῶσ, χῶσασ δρῶσ
 τῶσ τῶσ, μεν τῶσ τῶσ
 καὶ ὡσ τῶσ. καὶ δρῶσ
 χῶσασ μεν τῶσ, πῶσ τῶσ
 οἰκῶσ μεν τῶσ. ὡσ μεν
 εἰ κλησῆσ τῶσ τῶσ
 πῶσ δρῶσ καὶ χῶσασ
 τῶσ τῶσ

278
τῶ δὲ, μλέ πορ τι μέρ.
χείρασ δὲ καὶ πόδας ἤκρω
τηρεῖ ασμῶν. ἄχον δὲ τῶ
ἐκλελεγεμῶν τῶν ἀλλ
καθόκατην ἐν ορεῖαν. οὐ
μέμωω ὀλίγοι. εἰσὶ δὲ
σχίλιον γὰρ καὶ τῶν τα
κοσίων ἠεὶ θ μωῶτο. τὰ
ποῖσ τὰσλ ἄω σῶνῆμ. καὶ
τὰσ μαθῦτέρασ τῶν γεω
φῶν ἀμ ἐκάλυψαν. ἡ μᾶς
δὲ τοῖσ ταπειμοῖσ καὶ ἄ
μαξίωσ, οἴκειο τέρωσ
αὐτῶ τῶν ἄλλων. διὰ τῶ
σολύχων τῆσ χερκτότητ
ἐποικίσατο. καὶ πᾶσ τοῖ
σῶν ἡ μέρ αὐτῶ. πᾶσ πᾶ
ρακολουθῶσ τοῖσ ἐπέ
την. οἷσ ἐλέγαν. οἷσ δὲ
ἀμφὸ τέρωμ ἐδιδασκῶν.
οὐκείδω μέρ αὐτῶν ἀχολα
κότω ποτέ. ἄλλῃ τοῖσ
πᾶσ δασ ἐδιδασκῶν, καὶ
τούτω ποικίλωσ. τοῖσ
μῶν, τῶν τῶν γεωμετρί
χαε ακτρεω γμωρεῖζωμ.
τοῖσ δὲ, τῶν τῶν γεωμε
μέμωω μωῶ σαφῆριζωμ.
ἄλλοισ, πρὸσ τὸ γράφῶν
τὰσ χείρασ τῶσων. καὶ ἄ
χῆ μέρασ μωμω, ἄλλῶ
δὲ καὶ μύκτοσ. ἡ πρὸ.

σάχη θάυτον ἐδιδου. ἡ τῆ
ἀχολα σὴ προσειχῶν. ἡ μῆ
μλου ἐγεφῶν. ἐπιδοτέ
δυσίμ ἐέγοισ κατὰ τῶν
ἐμβρῖζῶ. γράφωμ, ἡ
τοῖσ πᾶσ τῶν μαθημα
τῶν τῆ ὕφῆ γού μέρωσ.
τῆ γὰρ ἀετῆ ἀμ ἡ δει πᾶμ
κακῶν δὲ δάβασαμ, ὡσπᾶ
καλῶν δὲ δάβασαμ σοφῶν.
διὰ τῆσ τῶν αὐτῶσ ὕ
πνηρ ἄωμ ἀπεφθέγξατο.
οὐκ ὡν δὲ ἰσοι πᾶσ τῶν οἰ
τούτω μαθητῶν, καὶ μῶ
καὶ λόγω γεγόμασῆμ. ἐδὲ
γὰρ τῶσ οὕτω μέρ καλῶσ
φῶτα θῶν τῶσ. οὕτω δὲ
ἐπὶ μελῶσ ποτῆσ θῶν
τῶσ, καὶ ὑποθῶ αὐζῆ
θῆναι. ἐκ τούτω ἀμ α
γμῶσασ. καὶ ὑποδῆ ἀκό
μωσ. καὶ διακόμωσ καὶ
πρὸσ μῶσ τῶσ, τῶν λῆ.
καθόκατην δὲ ἐν ορεῖαν,
τρεῖσ ἀκοσίοισ μαθητῶσ
ἀθημεῖτο. χροεῖσ τῶν μῶ
σθῶν αὐτῶν μεδῶ τῶ
ἀχολα τῆ σῶντε λῶσῆμ. ἀ
λαθῶ πρᾶτευσ μέρωσ
καὶ τούτω τελείμ τῶν μῶ
μαθητῶν δὲ ἀποδιδῶν τῆ
καὶ τῶν ταχλῆ μῶσ δὲ ὀλ

14
ἐπὶ αὐτῶν κατερε
γῶσατο. ἡ δὲ δὲ ὀγδοῦντι
ἡ αὐτῶ τῆσ δὲ δασκαλί
ἡσ. καὶ ὑπερομ τῆσ ζω
ἡσ τῶ τῶ θῶ δούλω μῆ
χακλ τῶ μωρεῖσ τῶ ἡ γῆ
ασμῶν μωλ γερῶσ ἀε
χοντῆ. διὰ ἀδύχῆσ δὲ τῆ
ἀχολα ὀ τούτω μῶσ μῶ
διὰ μῶσ. τῶσασ τῶ δὲ
ἡσ ἐπὶ μῶσ τῆ ἀεχῆ,
ἡσ ἀμῶν ἐγῶμ. καὶ κλη
ρομῶσ πᾶσ τῶν ὀ αὐ
ἀβλῶσ αὐτῶ σῶμῶμ.
ὀσ καὶ μῶσ λῶσ πρὸσ τῆ
ἀνεκκρεῦχῶ βουλγῶσ.
τούτω ἐγῶμ σῶμ μῶ
ἡ λ κατὰ τῆν ἡ δὲ ἀμ αὐτῶ
καὶ κατὰ τῆν ὀ μῶσ ἡσ
αὐτῶ. χαε ακτῆρασ αὐ
πρὸσ ἀποικίτωσ ἀποσῶ
ζομ τῶ τῆσ χερκτότητῶσ.
καὶ πᾶσ μῶν γὰρ ἀπλῶσ
καὶ γῶσ ἡν. μαλίσῶ
δὲ πρὸσ τοῖσ σε μῶ
τητῶ τῶ πῶμ ἐπῶ
λο μῶσ. καὶ μῶσ χεῖ
πῶσ ἡσ πῶσ τῶν ἐμῶσ ἡσ
ἀμ, πῶσ ἡσ μῶσ ἐπῶ
δὲ κρῦτο. καὶ τῶσ ἡσ
τοῦ οἴκου τοῦ θῶ κατῶσ
ἡσ. καὶ τῶ μῶσ τῶ τῶ
πρὸσ ὑπερεμ ἀμῶσ

28
εωσῶν, ἐπῶσῆσασ τὸ
θεῖον κῆρῶμα. καὶ τῶσ
ἀπῶσ ταχῶ δὲ μῶσ
ἐκκλησίῶσ, ὀκαταπῆσ
τῶσ ὀ θοδξῆ ἀμ ἀσλ ἀπο.
καὶ τῶ τῶ θῶ μῶσ πῶ
τῆ ἀμ δὲ δὲ κῶσ ὀ δὲ καὶ
ἀπῶσ χροεῖσ. ἐπῶ
δὲ πῶσ ἡσ μῶσ τῶν
κλῆ μῶσ τῶσ πῶσ. καὶ
τῆσ πρὸσ αὐτῶ δὲ ξῆσ
ἀμ κατῶ σῶσ μῶσ.
καὶ εἰκότῶσ τῶσ ἀμῶσ
ἐν τῆ καε δῶσ δὲ ἀπῶσ
εἰλε καὶ τῶν μῶσ λῶσ
τῶσ ὀ σῶμῶμ. καὶ τῆ
ἀε ἡσ τῶ δὲ δασκαλοῦ ἐ
ρατῶ πῶσ ἡσ, μῶσ
καλεῖται μῶσ βασιλῶσ
τῶσ ἡσ. καὶ εἰσλόγῶ
δὲ αὐτῶ ἐρέχῆσ. καὶ τῶ
γῶσασ ἡσ ἀμῶν καὶ ἀπῶ
τοῦ τῶ πρὸσ ἡσ μῶσ.
ἡσ γὰρ τὸ εἰ δασ καὶ τοῖσ
ἐχθροῖσ αἰ δῶσ μῶσ τῶ
ὀ μαμῶσ, πῶσ ἡσ
τῶ μωλ γῶσ χροεῖσ
πῶσ ἡσ εἰσ. καὶ τῶσ
κῶσ βασιλείῶσ μαμῶσ
τῶσ ἡσ, ὀ τῶ τῶσ
μαθῶσ πρὸσ αὐτῶ δὲ δὲ κτο.
μῶσ τῶσ τοῖσ σῶσ
τῶσ τῶσ πρὸσ αὐτῶσ

πύσασ· οί· παύ· τώ· ωσ·
 πεί· προ· σά· χομ· τώ· κλή· μέ·
 τούτο· μό· μομ· α· ε· β· κει· μ· θ·
 ο· τι· μω· σι· τούτομ· τώ· τε·
 λωμ· τώ·,· δ· ω· σ· κο· πομ· δ· ρε·
 β· ο· ρι· τ· α· σ· ή· τοι· υ· β· λι· τ· α· σ·
 π· ρο· υ· μ· α· λ· λ· η· τ· α·,· και· ο· υ· τ· ω· σ·
 δ· η· β· ο· υ· λ· γ· α· ρ· ι· α· ρ· γ· λ· ω· τ· η· π· ρ· ο·
 τ· ω· σ· ε· π· ω· σ· κ· ο· π· ω· σ· ο· κ· λ· η·
 μ· η· σ· κ· α· θ· ι· φ· α· τ· α·,· δ· ω· α· δ· ε·
 π· ο· β· ε· γ· ο· ρ· μ· τ· η· σ· ε· π· ω· σ· κ· ο· π· η· σ·
 ε· γ· κ· ε· χ· ε· ι· ρ· ι· ο·,· τ· ο· τ· η· σ· α· β· ι·
 α· σ· υ· τ· ω· σ· υ· π· ο· υ· μ· α· δ· ε· α· ρ· τ· η· σ·
 π· ρ· ο· σ· θ· η· υ· τ· ω· σ· σ· ω· σ· ε· θ· η· σ·
 και· τοι· σ· π· ρ· ο· τ· ε· ρ· ο· ι· σ· κ· ο·
 π· ω· ι· σ·,· τ· ω· λ· α· π· λ· α· σ· ι· ω· s·
 π· ρ· ο· σ· ε· θ· η· κ· κ· ε·,· σ· ω· λ· ο· μ· ω· μ·
 μ· ε· ρ· ο· υ· ω· φ· η· σ· η·,· ο· τ· ρ· ε· ο· σ·
 τ· η· θ· ε· ι· σ· γ· ρ· ω· σ· η·,· π· ρ· ο· σ· τ· η·
 θ· η· σ· ι· α· λ· γ· η· μ· α·,· σ· η· μ· ε· ω· ρ·
 λ· ε· τ· ω· κ· λ· η· μ· ε· ρ· η· τ· η· π· ρ· ο·
 τ· η· θ· ε· ι· σ· τ· η· μ· ω·,· π· ρ· ο· σ· θ·
 θ· η· κ· η· ρ· α· λ· γ· η· μ· α·,· α· ρ· ω· η· ρ· e·
 τ· ο· μ· τ· η· σ· β· η· ρ· ο· ρ· ι· α· s· τ· α· υ· τ· η· σ·
 λ· α· ο· ρ·,· τ· ω· δ· η· τ· α· σ· α· σ· ι· θ· ε· ι·
 ο· υ· λ· ο· γ· ο· κ· α· ι· γ· ρ· α· φ· ο· ρ· α· μ· ο·
 μ· η· λ· η· τ· ο· ρ·,· και· μ· η· δ· η· ρ· η· π· e·
 τ· ω· α· δ· α· μ· ε· ρ· ο· ρ· τ· ω· η· ρ· e· κ·
 κ· λ· η· σ· ι· α· ρ· κ· ο· σ· μ· ο· υ· η· τ· ω· ρ·,· s·
 λ· α· ο· ρ· τ· α· τ· η· ο· ρ· τ· ω· ρ· τ· ω· τ· η· σ·
 α· τ· α· β· ι· α· s· και· κ· ο· σ· μ· ι· ο· τ· η·
 τ· ο· σ· π· η·,· ο· υ· κ· e· δ· ι· δ· ο· υ· υ·
 π· η· ρ· ο· ρ· τ· ο· ι· σ· ο· φ· θ· α· λ· μ· ο· ι· s·

ο· υ· δ· η· ρ· η· υ· φ· η· μ· ο· ρ· τ· ο· ι· s· μ· ε· λ· e·
 φ· δ· ε· ο· ι· s·,· α· λ· λ· α· τ· e· ο· φ· η· ρ· και·
 τ· e· υ· φ· η· ρ·,· τ· η· ω· π· α· ρ· e·,· τ· ο· υ· λ· α· ρ·
 ε· π· ο· ι· ε· ι· τ· ο· μ· ε· ρ· η· μ· ε· ρ· α· ρ·,· s·
 α· α· ε· δ· ι· δ· α· σ· κ· e·,· και· α· α· δ· ι· e·
 τ· α· τ· η· e· τ· η· ρ· η· ρ· ο· ι· α· ρ· δ· ι· ο· ρ· θ· ο· υ·
 μ· ε· ρ· ο· s·,· τ· η· ρ· α· χ· ο· σ· μ· ι· α· ρ· κ· ο· s·
 μ· ω· η·,· τ· ω· α· σ· ι· τ· α· τ· ω· α· μ· τ· α·
 κ· α· τ· α· τ· η· ρ· e· κ· α· ρ· ο· υ· χ· ρ· ε· ι· α· ρ· η·
 ρ· ο· μ· ε· ρ· ο· s·,· τ· η· ω· κ· λ· η· ρ· e·
 τ· α· τ· ω· ρ· e· i· τ· η· ρ· e· κ· κ· λ· η· σ· ι· α· ρ· η·
 κ· η· ρ· α· κ· ο· σ· μ· ι· α· ρ·,· και· ο· σ· α·
 τ· ω· ρ· φ· α· λ· μ· α· ο· δ· ι· ω· η· ρ· τ· e· και·
 α· λ· ω· η· ρ· υ· φ· η· τ· ο· υ· μ· ε· ρ· ο· s·,·
 ω· s· τ· e· τ· e· λ· ε· ω· α· τ· ο· ι· s· τ· η· s·
 e· π· ω· σ· κ· ο· π· η· s· α· υ· τ· ο· υ· κ· λ· η· ρ· η·
 κ· ο· ι· s·,· η· ρ· μ· η· δ· η· ρ· η· μ· η· δ· η· ρ· ο· s·
 τ· ω· η· π· ρ· e· i· μ· ο· η· τ· ω· ρ· α· τ· ω·
 φ· θ· e· ρ· ο· μ· e· ρ· ο· s· τ· α· δ· α· λ· e· ρ· e·
 μ· α· λ· λ· ο· ρ· μ· e· ρ· ο· υ· ω· κ· α· τ· α·
 τ· ω· α· μ· τ· ω· ρ· e· π· ω· i· τ· ω· α· s· i· τ· ο· i· s·
 e· π· ω· η· ρ· ο· i· s· α· ρ· e· φ· ο· μ· e· ρ· ο· s·
 τ· η· ω· λ· α· ο·,· τ· α· s· γ· ρ· ω· μ· α· s·
 α· κ· ρ· η· ρ· e· ω· ρ· e· π· ω· i· τ· η· ρ· ω· ρ· e· ρ· η·
 τ· η· s· ο· e· θ· η· s· τ· ω· η· ρ· η· ρ· e· i· α· ρ·
 θ· e· ρ· κ· σ· κ· α· s·,· και· τ· ο· τ· η· s·
 π· ω· i· α· β· ω· s· α· υ· τ· ο· i· s· κ· α· τ· α·
 σ· κ· α· α· λ· η· ρ· e· ρ· e· ω· μ· α·,·
 τ· ω· α· μ· τ· α· τ· ω· α· s· i· γ· α· ρ· η· s· α· μ·
 μ· α· θ· e· ρ· α· τ· o· i·,· και· τ· ο· ο· λ· ο· ρ·
 e· i· τ· ω· η· ρ· κ· τ· η· μ· ο· s· δ· e· ρ· α· τ· o· i·,
 τ· η· δ· e·,· λ· ο· γ· ο· μ· e· ρ· ο· υ· τ· ω· s·
 e· ρ· e· φ· e· τ· η· ω· λ· η· θ· η· ρ· ω· δ· e· τ· ω·

και· κ· α· ρ· δ· ι· α· s· ο· ρ· τ· ω· s· α· κ· ρ· η·
 ζ· ο· η· τ· η·,· η· μ· e· λ· e· ι· ο· s· και· τ· e·
 σ· ω· μ· α· τ· η· κ· ω· s· τ· e· e· φ· η· ρ· ο·,
 σ· ω· τ· o· i· α· υ· τ· η· s· τ· ρ· ο· φ· η· s·,· e·
 π· ω· i· δ· e· i· s· e· υ· ρ· e· i· σ· κ· η· ρ·,· α· λ·
 λ· ο· υ· τ· ω· s· α· μ· β· e· κ· μ· e· s· α· s·,
 e· μ· e· μ· e· i· τ· o· τ· o· η· α· υ· τ· ο· υ· η·
 ο· ρ· η· δ· e· μ· e· τ· α· τ· η· s· δ· ι· δ· α· σ· κ· α·
 λ· η· α· s·,· και· δ· e· τ· o· i· s· τ· o· u·
 η· ρ· ο· μ· ο· ρ· α· s· τ· e· e· φ· ο· ρ· τ· α·,
 δ· ι· ο· και· τ· η· ρ· e· μ· e· η· ρ· o· e·
 φ· α· ρ· ω· η·,· και· χ· η· ρ· ω· η· μ· ο· κ· θ·
 τ· ω· α· μ· τ· α· τ· e· ρ· o· ρ· α· υ· τ· ω· η· ρ·
 κ· η· δ· o· μ· e· ρ· ο· s·,· η· δ· e· θ· υ· ρ· e· ω·
 τ· ω· δ· η· τ· η· α· π· α· λ· ω· s· α· μ· e· ω· κ· η·
 τ· ω· η· η· τ· η·,· και· ζ· e· ρ· o· s· e· κ· t·,
 ο· υ· κ· η· υ· λ· η· ζ· e· τ· o·,· σ· κ· ο· π· ω· ρ· e·
 τ· ο· υ· μ· ε· ρ· ο· s·,· τ· o· η· μ· e· γ· α· ρ· e·
 τ· ω· i· κ· η· τ· o· μ· e· θ· o· d· i· o· ρ·,· και·
 π· ρ· ο· s· e· κ· e· i· μ· ο· ρ· α· τ· ω· ε· υ· θ· υ·
 ρ· o· μ· e· ρ· ο· s·,· μ· η· α· τ· ω· τ· η·
 χ· e· i· η·,· η· π· e· i· γ· e· τ· o· τ· e· και·
 η· υ· χ· η· s·,· και· ο· i· α· ρ· τ· η· μ· α· π· η·
 μ· α· κ· α· σ· ο· φ· ο· υ· τ· η· ρ· e· τ· e· χ· η· ρ·
 ζ· ω· γ· e· α· φ· ο·,· τ· o· η· e· κ· e· μ· ο·
 υ· ο· ρ· κ· α· i· τ· a· s· π· ρ· e· α· β· e· i· s·
 τ· η· s· ο· i· κ· e· i· α· s· η· ρ· ω· η· s· π· ρ· ο·
 φ· η· s· α· μ· e· ρ· ο· s·,· e· α· υ· τ· o· η· e·
 ζ· o· γ· ρ· α· φ· e· i· π· ρ· ο· s· τ· o· u· t· o· η·
 e· π· ω· μ· e· λ· ω· s·,· τ· o· η· μ· e· ρ·
 τ· o· u· t· o· u· β· η· i· o· ρ· ω· s· ο· υ· δ· e· ρ·

α· λ· λ· ο· s· η· ρ· ω· s· κ· η· ρ· ο· i· α· e· κ· ρ· e·
 ο· u· t· η· α· π· ο· λ· ο· υ· e· κ· e· i· μ· α·,· π· α·
 ρ· η· κ· ο· λ· ο· υ· θ· η· κ· ω· s·,· και· ο· φ· θ·
 μ· ο· i· s· τ· ω· α· μ· τ· α· τ· α· τ· o· u· δ· ι· δ· α·
 σ· κ· α· λ· ο· u· π· α· ρ· e· i· λ· η· φ· ω· s·,· σ· υ·
 ρ· η· δ· ω· η· δ· e· τ· o· τ· o· u· λ· α· ο· υ· π· α·
 χ· υ·,· και· π· ρ· e· i· τ· o· η· ο· η· s· α· γ· e·
 φ· α· s· α· τ· e· χ· ρ· ω· s· δ· e· μ· α· τ· η· ρ· o·
 και· i· e· ρ· e· i· s· δ· e· π· o· λ· λ· o· u· s· μ· α· λ·
 γ· α· e· ο· i· s· δ· ι· ο· s· ζ· ω· η· ω· s· β· χ· ο· ρ·
 τ· a· s· τ· η· ρ· e· α· i· κ· α· ρ· τ· o· ρ· η· t·
 α· ρ· η· ρ· ω· s· i· η· ρ· η· ρ· e· i· μ· η· s· α· ρ·
 μ· α· μ· μ· α· σ· η· ρ·,· κ· τ· η· ρ· o· d· o· i· s·
 ο· ρ· t· a· s· ω· s· μ· η· ο· ρ· t· o· s· μ· ο· υ· λ·
 γ· α· e· ρ· η· γ· λ· ω· s· η· π· α· ρ· η· η· τ· η· ρ· e· i·
 κ· ο· υ· λ· ο· γ· o· u·,· τ· a· υ· τ· a· τ· o· i· η· ω·
 σ· η· η· ρ· ω· κ· o· s·,· μ· η· χ· α· ρ· α· τ· a·,
 και· π· ρ· ο· s· τ· o· u· t· o· κ· α· θ· α· ρ· e· i·
 τ· o· τ· η· s· α· ρ· η· i· a· s· τ· e· i· χ· o· s· τ· η·
 μ· η· χ· α· ρ· η· μ· α· τ· η·,· λ· ο· γ· o· u·
 γ· α· e· σ· η· ω· τ· e· θ· e· κ· ω· s· e· s· τ· a· s·
 τ· a· s· β· o· e· τ· a· s·,· α· π· o· λ· o· i· s· s·
 σ· α· φ· e· i· s·,· και· μ· η· δ· η· ρ· η· μ· α·
 θ· υ· μ· η· δ· e· π· ρ· e· i· μ· e· ρ· o· η· μ·
 β· χ· ο· ρ· τ· a· s·,· α· λ· λ· o· i· o· u· μ· η· δ· e·
 α· φ· e· υ· γ· e· i· ρ· η· μ· η· δ· e· τ· o· η· κ· λ· η· θ· i· o·
 τ· a· t· o· ρ· e· ρ· μ· ο· υ· λ· γ· α· e· ο· i· s·,· δ· ι· α·
 τ· o· u· t· o· u· t· a· s· τ· η· ρ· α· τ· o· u·
 α· e· e· ω· η· μ· ο· υ· λ· γ· α· e· ω· η· ρ· η· ρ· α· s·
 e· β· e· e· φ· α· t· o·,· γ· α· λ· α· κ· τ· η· π· o· τ· η·
 σ· a· s· τ· o· u· μ· η· δ· ι· ω· α· μ· e· ρ· η·

αὐτεωτέραν τροφήν προ
σέκασθαι· καὶ πάλιν ὁσὶ
λοστοῖς αὐλοῦ γάρτοις κο
εἰρηθίοις ἄλλοις ἰβρόμῳ
δι' αὐτῶν γὰρ τῶν τε χυ
καὶ ἐπιχό τελου μέτρων
εὐρετῶν ἐξ ἑπὶ μαθεῖν τῶ
μυακείῳ· καὶ τῆς παρὰ
μουθκού τῶν μετρίων
πολλάκις ὡς ἰεγεῖο
μέτρων τοῦ ἔτος· ἄρκω
αὐκαὶ δὲ κτῆσι τῶν πρ
εἰ αὐτῆν θάλασσαν· δι
αὐτῶν λόγων ὁ κλημνο
πὲρ φιλοτιμίας· οὐδὲ
τῶν ματαίῳ κτῆν εὐρεῖσι
ἀμετρίων· ἀλλὰ καὶ
τῶν τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ θά
λασσας ἀρεῖσι μαθῆσθαι
καὶ προσεφῆται καὶ ἀπο
σφωρῆται τῆς κτῆσι
πρὸς ὁδοῖς· καὶ μαρτυ
εἰσὶν αὐτῶν ὡς ἰεγεῖο
τῶν ἐκείνων διαποῦαι
αὐτῶν προσλαμῶ μέτρων
ποθεῖς· καὶ πρὸς ὁσὶ
ἰεγεῖοι· καὶ ἰεγεῖοι εἰ
λιτῆρας ἀπακούει κτῆ
καὶ ἀπαμύροσ· ἀρεῖσι
καὶ ταύτην· μουλαῖων
τῶν πρὸς πορθεῖσάν τῶ
σφω κλημνοῖ· φέρον

295
τὰ ταῦτα πάντα πρὸς
τοῖς φιλοπονοῖς σοφίῳ
τί· ἔτι· καὶ τῶν μετρίων
σὶ τῆν ἐκκλησίαν ἐπι
σε· τοῦτο μέτρον πο
τῶν γι' ὡς ἰεγεῖοι
τοῦτο δὲ τῆν πορθεῖσάν
τοῦ θύμου· ἰεγεῖοι
χαιρῶν· καὶ ἀπολῶ
πάντα τῆς ἐκκλησίας
καὶ οἱ μετρίων· καὶ γι
φαιδεῖσάν ται· καὶ ψυχῶν
καταμάσσονται· κλημνο
τοῖς μουλαῖοις ἢ μετρίων
ρέδωκε· ταῦτα δὲ καὶ τῶ
μουλαῖων αὐτοῦ ἀποθεῖ
ὁ βράχει δι' ἐδὲ ματο· ἔτι
πρὸς ὁδοῖς τῶν κτῆσι
μαλαῖων μορῶν· πρὸ
ἢ πρὸς τῆν τῆς μετρίων
τῶν ἐπισκοπῶν ἀρεῖσι
ξῆται· ὡς γὰρ εἶδε τοῦ
τοῦ ἀρχοῦ τῶν παρὰ τῆν
ἰεγεῖοι μουλαῖων ἀρε
τῶν κατὰ κλημνοῖς
πρὸς ὁδοῖς· καὶ οἱ
τῆν κλημνοῖς ἀρεῖσι
τοῦ τῆν πρὸς ἀρεῖσι
ἢ θέλῃσιν καὶ αὐτὸς ἐπι
δι' οἱ κτῆσι μετρίων
ματρίων· τοῦτο δὲ καὶ
ἔτι ἀρεῖσι κλημνοῖς ἀρε

20
σέθηκον· ἢ ὑπεροχὴν
χίεπισκοπῶν θεορομέ
θῆντο· καὶ οὕτως ἢ σαμ
βράχει δι' τρεῖς ἐκκλη
σίαι· μετρίων· ἢ κατὰ κλη
μνοῖς· μετρίων μετρίων
πολλῶν τῶν κατὰ κλημνοῖς
μετρίων· σὴν ματρίων
δε· πρὸς κτῆσι καὶ κτῆσι
κτῆσι τῶν ἐπι
τῶν πρὸς ἀρεῖσι· ἔπειθε
γὰρ διαποῦται τῆν τῆν
μουλαῖων πρὸς τῶν
ἀρεῖσι ἀρεῖσι κτῆσι
καὶ τῶν κτῆσι τῶν οἰκο
δομῶν ματρίων ἐφελκο
μέτρων σὴν ἀρεῖσι· καὶ
ὁ λῶσθαι μετρίων· το
τῆς καρδίας αὐτῶν· γι
ορκαὶ ἀρεῖσι· καὶ πρ
εἰ θεορομῶσιν ἀποκρο
τομ· καὶ κτῆσι ὁδοῖς
εἰ γὰρ μετρίων ἀρεῖσι
ματρίων ἢ πρὸς τῶν
τοῦ μετρίων καὶ ἀρεῖσι
ὁδοῖς καὶ πρὸς τῶν
μουλαῖων πρὸς τῶν
δρεῖσι γι' οἱ κτῆσι
καὶ κτῆσι ἢ μετρίων
πρὸς τῶν· καὶ τοῦτο το
κτῆσι ἔδωκε σατο· ἀπο
τῆς τῶν γι' οἱ κτῆσι

30 43
πρὸς εἶδος ἢ μετρίων
μετρίων καὶ τοῖς κτῆσι
μοῖς κατὰ μετρίων τῶν
τῆσι· ἢ οἱ μετρίων
τοῦ πρὸς τῶν ἀρεῖσι
ψυχῶν· μετρίων εἰσὶν τῶν
χίεπισκοπῶν τῶν κτῆσι
καὶ κτῆσι πρὸς τῶν
βράχει ἀρεῖσι θεορομῶ
ματο· ἢ ἐκείνων μετρίων
μετρίων πρὸς τῶν
τοῖς ἀρεῖσι τῶν ψυχῶν
ὡφελῆσθαι ὁ λῶσθαι
καὶ ὁ πρὸς τῶν κτῆσι
κτῆσι πρὸς τῶν
πρὸς τῶν· φέρον τῶν
πρὸς τῶν· μετρίων
ἐπι πρὸς μετρίων τῶν
τοῦ πρὸς μετρίων· μετρίων
ψυχῶν αὐτοῦ τῶν μετρίων
ταῦτα κατὰ τῶν ἀρεῖσι
τολῶν· ἀλλὰ τῶν πρὸς
ἰεγεῖοι ὡς ἰεγεῖοι μετρίων
οὕτως δὲ τῶν πρὸς τῶν
βράχει τῶν· καὶ τῶν
οἰκοῖς πρὸς τῶν
ἀρεῖσι πρὸς τῶν
ἀρεῖσι πρὸς τῶν
ματρίων· οὐ μετρίων
ἀλλὰ ὁδοῖς καὶ τοῦτο
ὁδοῖς πρὸς τῶν
τῆσι· καὶ πρὸς τῶν
κτῆσι πρὸς τῶν· ἔπειθε

μέν εκυβλίπασ εἰς αὐ
 χρεῖδαν κλημῖσ· ἀμα
 μέν τοῖσ τῆσ χόρεσ.
 ἐπίσκεψόμενος ἦτ
 ψυχῶ εἰσρέεωφοι.
 εἰ τῷ τοῦθῦ φόμοσ οἰ
 οῦπιρι μακθηῖωσ πει
 ζοιμτο· ἀμαδὲ καὶ κα
 τασχοληρὸν τῷ μομασ
 ρῖω τῷ θῶσῶν εσόμενος.
 οὐ τοῦκἀλλοσ βρωρ· δῖσ
 φόρεωσ εἰχὸν ἀλλοσέποι
 πῆρεῖ ελκόμενος· πῆρα
 λυτοὶ δ᾿ ἄτῶ δῖσ ὑπὸ
 ψῆμ αὐτῷ πασῶν τῶσ οὐδὲ
 μορτί· ὠρᾶτεροσ παρὸσ
 τῆσ παρῶσ καὶ τοῦ πασῶ
 ἡδῖ τουφωτοσ· ἐσβῆκ
 το· εἰσ οἰκτορ τῆσ συμ
 πασῶσ τῆσ ψυχῆσ ἐκίηκ
 οσ· ἀλλοσ σὸσ παρὸσ οἰκτῶ
 βροίμοσ· τοσ οὔτορ καὶ πε
 τασῶσ φροσῶν ἡσῶσ
 κλημῖσ· μελλοσ δὲ πῆ
 ορ ἐκείρω τουλαθεινθαι
 ματοσ τοῦσ τῆσ φροσῶσ
 ἡ τοῖσ παρῶσ ἀλλοσ οἰσ
 θῆσ ἀπὸ τυχεῖρ τῆσ ἰσ
 σῶσ· ταῦτῆσ τοῖσ καὶ πε
 ρῖελε ψάμενος κύκλω
 καὶ μεδέμω εἰωρακωσ,
 ὅσῳ αὐτῆσ μεν τῶσ οὐμα

εἰσ οἰκτορ· αἰρεῖ δὲ χῆρ
 οσῶσ εἰσ παρὸσ ἀχῆρ· καὶ
 καθελκει τῆσ θῆσ ἀμὸν θῆσ.
 ἀπῆσαι χῆρ σῖν ἐκείρωσ
 αἰσ τῆσ ἀχῆρ ἐσπληρῶσ,
 τῶσ παραλελυ μένωσ
 σὸσ ματτορ· καὶ ἡ ἀφῆσ
 σῶσ φῖνξῖσ αὐτοῖσ ἐστῆσ
 καὶ σῶσ ἀρθεωσῖσ· καὶ τοῦ
 τοδῆ το τοῦκ σαῖου· βῆσ
 τῆσ οσ αὐτῶσ ἀλλοσ μένοσ
 ἡρ ὡσ ἐλαφροσ· πῶλησ
 σὸσ οὐχολοσ παρῖν μένοσ
 καὶ μέλλοσ ἐρπεσ κροσ
 μένοσ τοῦσ σῶ ματοσ·
 ἀλλοσ οσ ἀκίηκ τοσ καὶ
 μεδῶ τῆσ τῆσ διαφῶσ
 ἐφῆσ κατέκειτο· τοσ δὲ
 γῶσ καὶ τῶ φλωσ· ταχῶσ ἀρ
 τῆσ λεμῖσ ἀμα· καὶ φῶσ ἰδῶ
 φωρῆσ μετὰ τῆσ τῶσ κῆ
 μετὰ λῶσιν· ἀλλοσ κῆ με
 λην ἀραπῶσ τῶσ οσ
 οφθαλμοῖσ ἀρῶσ λαθῶσ
 τοσ θαυματοσ γημα· ὡ
 ρᾶσ τῆσ τῶσ τῆσ τῶσ
 γῆσ οσ θεραπῶσ τῶσ· ὡ
 λῶσ μετὰ ταῦτα ἐκῆσ
 καὶ γῶσ θεατῆσ οσ τῶσ
 ἀθῆσ οσ· παρὸσ γὰρ τῆσ
 κῆσ κῆσ ὑπὸσ μένοσ
 κατέσκεπῶσ· ὡσ εἰ

μήσῶσ τε ὡσ πορῆρε
 ὡσ μένωσ· καὶ σῶσ ἀσφ
 λῆσ μετὰ εἰσ τῆσ τῆσ
 γετορ ὡσ· ἀχρῖσ ἀρ τῶ
 κοσ μωκλῆσ μωσ βῆσ κῆ
 κῆσ· παρὸσ γῆσ ἡ δῆσ
 καὶ μεσ καμφθῶσ καὶ
 πορῶσ ἐκδασαμθῶσ
 ἐκρῖρε τῆσ ἐπίσκοπῆσ
 παρῶσ τῆσ σῶσ· οὐχῶσ
 λῆσ ποτῶσ τῶσ· οὐδὲ
 τῆσ τῶσ οσ ὡσ ὡσ
 ροσ· ἐρῆσ τοσ τῶσ τῶ
 οσ· αὐτορ ἐθῶσ τοσ
 μερῆσ τῶσ ἐκκλῆσ
 τοῦθῦ· ἀλλοσ δῆσ εὐλα
 μασ μασ ἀρ τῆσ τῶσ
 ἐρθεσ· ἐδεδῖεῖσ γὰρ· με
 τῆσ αὐτοῦσ ἀσθῶσ τῶσ
 γῶσ τοῦθῦ κατὰ λῶσ οἰσ
 καὶ δῆσ τῶσ οσ λῆσ παρὸ
 σελθῶσ· ἀχρῖσ μερῆσ
 πῶσ θῶσ οσ ἀσ τῶσ
 λῶσ ἀρ τῆσ χῆσ τοσ σῶ
 ματορ ὡσ ὡσ οσ καὶ
 φροσῶσ τῶσ ἐκκλῆσ
 ἀσ κασ· μαρῶσ τῶσ
 οἰσ τῶσ πολῖτῆσ κῶσ
 ὡσ φροσ τῶσ θῶσ· το
 τῶσ ἐκκλῆσ ἀρ τοῦθῦ
 κατὰ λῶσ τῶσ· ἡρ αὐτοσ
 ἐρῆσ χῆσ οσ τῶσ σῶ
 κῆσ τῶσ χῆσ οσ τῶσ

πῶσ οσ φῆσ φροσ ἐδδκει
 κατακρεῖτορ· καὶ οὐδὲσ
 σῶσ τοῦ εἰσ τορ· ἐκρῖρωσ
 τοῦ λῶσ οσ οἰσ οἰσ· φῶ
 γῆσ καὶ ἀφῖεσ τῶσ οσ
 τῶσ σῶσ θῶσ· ἐμοῖσ δῆσ
 ἀσπολορῶσ ἡσ δῆσ ἀλῶ
 κορ ὡσ τῶσ τῆσ τῶσ
 φῶσ ἀσ τῶσ τῶσ· οὐ
 κοσ οὐδὲ κατῆσ τῶσ
 χῆσ καὶ ὡσ τῶσ καὶ οἰσ·
 ἐπῶσ δῆσ μοῖσ καὶ τῶσ
 οἰσ ὡσ οἰσ οἰσ κῆσ
 καὶ τῶσ τῶσ λῶσ κῶ
 τῶσ τῶσ οσ τῶσ ἀρ
 ρῆσ λῶσ τῶσ λῶσ οἰσ
 ὡσ τῶσ ἐκκλῆσ οἰσ
 μερῆσ μερῶσ· καὶ τῶσ
 μῶσ οἰσ εὐσῶσ ματῆσ
 παρὸσ τῶσ τῶσ οἰσ
 καὶ ρῶσ οἰσ οἰσ· τῶσ
 κῆσ οἰσ ἀσ φροσ τῶσ
 ἀρ ἀσ ἀρ οἰσ· τῶσ τῶ
 κῶσ οἰσ ὡσ τῶσ οἰσ
 τῆσ μοῖσ τῆσ τῶσ
 ἀρ ὡσ τῶσ τῶσ οἰσ·
 λῶσ μοῖσ τῶσ οἰσ τῶσ
 τῶσ ἡσ οἰσ· ἐμοῖσ
 παρὸσ λαλῆσ καὶ τῶσ
 κῶσ μοῖσ παρὸσ τῶσ
 μοματῆσ οἰσ οἰσ
 τῶσ τῶσ τῶσ χῆσ οἰσ
 ματορ· τῶσ γὰρ ἐμοῖσ καὶ

Τάλελοι πε· δόξασ πάντ^{σο}
 κάρ τεύθην ὁ ποσο δεικταῖ
 αθαικαί χερασθαι· και ως
 ἀμφότερα τῶ ποσοθρ
 μευ ματι· ἐκείροσ γδρ τῆρ
 τεκτῆσιν εκ πῶ φῶν αρ
 χοντων και μασι λθωρ ε
 σχτρ· οὐσ οὐκέ δει παντῆ
 ἀποφύχεαι μειρτῆ πα
 ροράσει και μαλι παπε
 φύκότασ μαε μαρικῶ
 τῆροσ· ἐδειξε δε και οκο
 οισ τῆρ μοιροφορορέκῆ
 μηρ, οὐ μορορ οὐ ποδειδ
 ἀλλῶ και ποσοσ ἀπε δόξα
 το· και τῶσ ἀπε γελίω ε
 ρθάζε· τῆρ τε ἀπόκτι
 σῆρ τῶ μεγαλω κλή μερ
 τῆ, οὐκ ἀτῆρ ὁ ποσοσ ἀπ πο
 ἀλλῶσ ἐπιμ ρθῶ τῆρορ
 ἐθεπο· οὐ ποσοσ οὐω μίωσ.
 και οὐτα κοσμησασ τὸρ πα
 ρατοῦ θῶ τεθέρ ται θερορ
 αὐτῶ· και τέλοσ ἐπὶ θεισ
 τῆ δε χη καταχληλορ· ε,
 τὸρ ὁροφορ τῶθε μελι
 ω ἀφύωσ ἐπὶ τρέπορ
 ται, ποσοσ κρ ἐξεδύμσε.
 τὸ δε θειορ αὐτοῦ σο μα
 και τῆ ψυχη τῆρ τῆ μεν
 σο πασι ορ· ὁ σιορ· οσίσω
 ψυχη θῆρ τε και τῆ μαθηρ.

τῆσ μερ ἀβίασ καταδεε
 αερορ· τῆσ δῶ ἀμῶσ
 δῶω ὁ μασ τῶρ τι μασ
 τῶρ οὐκέ χη πῶ τῆρορ·
 τῶ θρ τῆ μορῆ μερ κ μερ
 ἄμε τέθι· ὁ ποσοσ αὐτοσ
 οί κ ἄισ χερσι κατακασ
 σε καταπο δόξιορ του πο
 ρου μερσο· εἰκοσῆρ
 εἰ δδ μεν το τε ἰου χη
 μενωσ ἄορ τοσ· ἄρῆ με
 ραισ σῆμε ὠρ βασιλέωσ
 μουλταρ ὠρ· ἔφ βρακι
 σῆλι οσ τῶ τῆρα κοσῆω φῶ
 εἰκοσῶ τῆσε τω· ἀλλῶ με
 λῆ ἐλαθροσ οὐ με κρορ τ
 τῶρ ἄρῆ σῆμ ψυχησ τεκ
 μερῆορ· ποσοσ τῆσ εσω
 του τε λάπῆσ· εἰδορ ε
 ρύωρ οισ τῆρ εσ τῶρ αὐτοῦ
 μαθη τῶρ· κῶρε ἰλορ τε
 και μεθοδιορ· ποσοσ θ
 θορ τῶ τῶ μακαρῆωσ
 τῆρ του μῆου ἐξοδορ αὐτῶ
 ποσοσ μαίρορ τασ· ἀλ
 λῶ μερ, οὐ ποσοσ ἀφ κ μερ
 ἐδοξε ἰβρῶθαι και τὸρ μῆ
 ορ τουτορ λι τῶρ· ἡ χῆρ
 δε οὐκ ἀπε τῆρ· ἀλλῶ
 και ὁχοσ τῆσ διδασκορ
 ἔτι και ρῶ ἀπε γῶσῆσ
 λει· ποσοσ ποσοσ και τῶ

ἀρ ὁσορ ἰώ μερσο· ἡρ
 ὑεῖ τοῖσ λεγο μερσοισ,
 ζηροσ ἐκείροσ χερασ
 ἀπόλασ· οὐ και τῆσ
 εἰασ τελοσ μερῆσ ἰε
 οε γῆασ, τῶρ αὐ πο
 πελωρ, τῆρ ἰασ ἰε ρε
 το· ἡ γρο εἶ το μερ γδρ
 τοῖσ πολλοῖσ οσ τῆσ ἄ
 και ὄθερ· ωσ δδ τῆθε
 ἀποφῶ τῆρ ἀχασ ἄτῆρ
 ποσοσ τῆθε· και πολω
 ἡρ τῆρ ἐξο μελο γισῆρ·
 και χερασ ἡρε τασ ἰα
 θείσασ· και τῶσ μοασ
 ὁχληροσ ἡδη τοῖσ τῶ
 ραω πορ εϋθεῖ σῆ καθῆ
 φατο· ἐρω τῶρ τῆρ τ
 ἀχασ ἄτῆσ αἰ τῆρ· ε
 πορ τῶ κατῶ λέγει· εἰ
 ραι μερ τῆσ ἀχρῆ λασ
 και αὐτοσ· πολω ἔτῆ δε
 τῆρ ἄρ τῆροσσο τῶρ τῆρ
 τυχεῖρ κακωσῆρ· ἀμ
 χαρῆσ γῶωσ οὐδ ἄρ ἡ πῶ
 ἡ τῆρ ὁσοσ κρατου μερ,
 ἐπὶ ρῶω μαλέσθαι τ
 τουσῆου ταφου ποσοσ,
 κῶρ κ σῆρ· ὁ ποσοσ ὁ πορ
 τῶ ἰσῆρ ὠρ ἄρ κλη
 μεσ, ποσοσ ἀκ λησῆσ,
 αὐτῶ ἰβρῆοι το· συρο

μερσο οὐω χερσῆ τε και
 ποσοσ, τῶ του ὁ σῆου προ
 σθλ θεῖρ μερῆ ματι· εἰ τα
 ἄρ ἐκασῶ ἰβρῶθαι, και τῆ
 μαρ βεσῆρ ἰδῆρ τῶρ τῆρ
 αὐτοῦ ἀφῆ μερσορ, και ἀρ
 σῆρ ραι διακ ελάορ τω· ε
 ἀμα τῶ λογω, κροτορ τῶ
 σο ματι θῶτῆρ ἰβρῶθαι· οἰορ
 σῆρ κροσ ο μερ ὠρ ὁσῶρ· ε
 ὁκ ὄσῶρ δε ἀεσῆσ ἰωσ εθε
 σθαι τῶ μερ κ και ἀπολ οισθαι
 τῶρ μερ εω ποσοσ κῶρ κ
 εἰ τα ἄρ ε αὐτῶ ἰβρῶ μερσο,
 ἡρ ἡσ εἶ ραι, οὐκέ τῆ χε
 ζηροσ· οὐκέ τῆ πολωσ
 ζηροσ· οὐκέ τῆ πορ οσ μα
 φῶσεωσ· και ἡρ ἰβρῶσ χε
 ποσοσ τορ τῶρ τῶρ κ τῆρ
 ται· και τοῖσ πορ λασ μο
 ἰσῆρ ραι· τῶρ τῶρ πορ ορ
 ὄξ κ εσρ ὁσοσ· πορ τῶρ
 εκμαθῆρ ἡρ ἡρ ἡρ ὄξ ο
 μελορ κ ὁσοσ ερ μετω
 και σῆρ ἡρ ἡρ ἡρ εἰ χε
 τῶρ πορ λασ τῶρ τῶρ· και λο
 γοισ ἀχασ ἡρ ἡρ ἡρ ἡρ
 σῆρ ἡρ ἡρ ἡρ ἡρ ἡρ
 τῆρ ἡρ ἡρ ἡρ ἡρ ἡρ
 κατῶρ ἡρ ἡρ ἡρ ἡρ ἡρ
 τῶρ ἡρ ἡρ ἡρ ἡρ ἡρ

αλκε φταμικο
βίος και πολίτεια των
οσιων προς κειμικολαι
επισκομωρωτησ
λικιασ και παρειτης
κοιμησεωσ αυτων
λογητος ειχε οθσ
ημων οθαιματω καιω
ορωτα βεγαπωιων και
τηνρεασ γρεων των
μεγαλων και φαιδραμς
παρσοε τον βοεπλω του
μικολαιου στω αζει
και και γλωσται
ρομα και πο
και φιλε
μερε
βρος
και
τισο
κατα
πονε
πολλοι
ποιοι
τασ
μη

σκιμερον τον θεον
σκωησαι επιντα
μερον ταμωρωτησ
δοδι εθ τασμησ
σκιμερον αι ταζεισ
ηβλωρα φημοσι
μημηρσου σκιμη
ηθεοδοχοσ πολιο
κτω ιεροωρεω
μεγαλων και σκι
παρτω ωιτοι τη
οεθοδοζωρωπολιτει
ηαλαμμοσ μεν και
βηφομοσ και ποθωφω
τον ιβραηλω τι μεσο
μεν και τηνθεισ καιω
μομορ αυτου μενη με
θεοωρεωτωσ μαμα
σο μεν αυτοσ γδε ην με
ρον λυκιασ παμαρε
τον καιχημα τηντων
αρωμορ φηρ μορ φου
μεροσ τηνδε των η
λων πολιτειαμ αμελα
μαρφο τοισ αμοισ βχα
ριζφο τησ ομοσ ωι
πει αδσο αλωρι τοσ ο
μομοσ τοισ αμοισ μεν
φαιρο μεροσ του δε

πρωσ σωνομιλοσ ετυχα
μεν απο ετων παρτε
ηαλαμμοσ φαιτηντη
κυπολιτειαμ και εσ
κυπροσαληνηροριζφο
οιμου και κεεατοσ μεδε
ποτε γασαμβροσ απο
κυριακηρεωσ κηριακ
δε τορισθιε καικοκου
και ουμωαρ ωδαποσ ε
πιμεν και τωρεωσι
μαρσορετωρ ιαθιεκαε
παρκεεωαλου τοαι
μα αυτου καθαρσ και
ηπολη αυτου φαιδρα
πρωσ το στωαρταμ αυ
τοθιορ παρ και προσε
μηζη αυτην ηβλωι οι
δε τιμιοι ποδω αυτου
ημεν τη λημμεν οι παρ
δαλιασ εωσ περγαλου
καιαρτιραμοδου τοντι
μειορ περον βχομενταισ
χεσιμαυτου ββακολα
θησασ την αυτολεκτορ
φωρη του κυτωλε
ροισα οσπισθελησ
σομου ελθειμ απωρη
σαθω θωτων και αεω
τω τον πεον αυτου και
αχολουθη τομοι του

τοδε ελετεροκοσ ιρωοσ
πισθεληκλερομομησαι
τηνμασι λφαρτωνωων
απαρησασθωσ απωαπα
τιθεσθαι οθιοσρικολασ
απωμεεφω τα ιερωγαμ
ματαε μαθητασ και
εισ την του πεσ αληνηρο
ριζφο την μεν ημερασ
ορωτασ απωτωρ αμωρ
την δε μωκταμ αυτων
σι θελει αλω μεροσ
λορ τον οεθρον και
ηβφο ετων αυτων
ββακλαθεμεν τοσ
λεωσ κοπα
αδωσ
πολλοι
μη
χορ
μη
πο
ει

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in several lines across the page, though it is significantly faded and partially obscured by large, irregular water stains. The script appears to be a form of early modern or medieval handwriting.

Handwritten text in a cursive script, similar to the left page. The text is arranged in several lines across the page, though it is significantly faded and partially obscured by large, irregular water stains. The script appears to be a form of early modern or medieval handwriting.

Beis emosus aguntis usq. Musipos
Agpaba ei Nummi em. rem aguntis
Naxia - h. p. m. d. n. v. s. n. v. m. a. n.

45
και τω...
θαλασσει...
του...
χορ...
και...
α...
πι...
στα...
το...
α...
ε...
το...
κι...
α...

Στο...
δο...
δι...
α...
ρα...
α...

W. G. ...

ἔχει τὸ ὄνομα τῆς ἑξῆς
 ὡς λέου θρηνῶν τοῦ βίου τοῦ
 πατρὸς ἡμετέρου. ὡς λέου
 τὸ ἔθνος ἡμετέρον ἀποροῦν
 ὁ δὲ ἄρξας ἐκείν. τὰ πο
 νηρά. ὁ δὲ λέου τῆς ἀφ᾽ ἡ
 ἐξορίων ἡμετέρον ἀποροῦν
 γὰρ λέου. ἡμετέρον ἀποροῦν
 ἀποροῦν ὁ δὲ λέου. ἀποροῦν
 ἀποροῦν. ἡμετέρον ἀποροῦν
 τὰ πο



Χαίρετε ὁ δὲ λέου
 ὁ δὲ λέου τῆς ἀφ᾽ ἡ
 ἀποροῦν ὁ δὲ λέου. ἀποροῦν

(Large blank parchment area with faint traces of text and a large handwritten number '46' in the top right corner.)

ἡμετέρον ἀποροῦν ὁ δὲ λέου

Терезин, Т.Б., окт. 1963г.
Мастер Исидорова.

